Postal Regn No./C.G./RYP DN/48/2022-24

website- www.dvpnews.in

रायपुर (छ.ग.) एवं झांसी (उ.प्र.) से एक साथ प्रकाशित राष्ट्रीय हिन्दी पत्र

दैनिक विश्व परिवार

● अंक : 290 ● वर्ष : 11 ● रायपुर, शुक्रवार 17 मई 2024 ● पृष्ठ : 08 ● मूल्य : 3 रूपए ● संस्थापक : कीर्तिशेष- श्री कैलाश चन्द्र जैन

सुविचार

चार न बनो 1. कृतघ्न 2. अभिमानी 3. मायावी 4. दुराग्रही।

Never be like 1. Thankless 2. Proud 3. Tricky 4. Stubborn.

आचार्य श्री विद्यासागर जी महाराज

संक्षिप्त समाचार

जम्मू-कश्मीर के तंगधार सेक्टर में एलओसी पर घुसपैठ की कोशिश, दो आतंकी ढेर

श्रीनगर (आरएनएस)। सेना ने गुरुवार को जम्मू-कश्मीर के कुपवाड़ा जिले के तंगधार सेक्टर में नियंत्रण रेखा (एलओसी) पर दो आतंकवादियों को ढेर कर घुसपैठ की एक कोशिश को नाकाम कर दिया। अधिकारियों ने बताया कि सेना ने सीमा पार से घुसपैठ की कोशिश कर रहे आतंकवादियों के एक समूह पर गोलीबारी की। अधिकारियों ने कहा, इस ऑपरेशन में घुसपैठ कर रहे दो आतंकवादी मारे गये हैं। अधिकारियों के अनुसार, मारे गये आतंकवादियों के शव एलओसी पर बाड़ के उस पार पड़े हैं।

जयपुर में रियल एस्टेट कारोबारियों के 11 ठिकानों पर इनकम टैक्स के छापे

जयपुर (आरएनएस)। इनकम टैक्स डिपार्टमेंट ने गुरुवार को रियल एस्टेट कारोबारियों के 11 से अधिक ठिकानों पर छापे मारे हैं। इन छापों में अघोषित संपत्ति, टैक्स चोरी का पता लगाया जा रहा है। इसके बाद ही खुलासा किया जाएगा। सूत्रों के मुताबिक ARL, अक्षत समेत 11 ठिकानों पर आयकर विभाग ने छापेमारी की है। जयपुर के एआरएल ग्रुप के बिंदायका और बगरू स्थित फैक्ट्री और गोदाम पर छापेमारी की जा रही है। इसके अलावा अक्षत समूह के भी कई ठिकानों पर आयकर विभाग ने कार्रवाई की है।

पांच सालों में बदलेगी पूर्वांचल की तस्वीर : प्रधानमंत्री

जौनपुर (आरएनएस)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी नेयहां तिलकधारी पीजी कालेज में रैली को संबोधित करते हुए गुरूवार को कहा कि पूरा पूर्वांचल क्षेत्र स्वास्थ्य और शिक्षा का एक बड़ा हब बन रहा है। आने वाले 5 सालों में पूर्वांचल की तस्वीर और तकदीर दोनों बदलने वाले हैं। प्रधानमंत्री ने कहा कि आप लोगों का यह स्नेह यूपी में इंडी गठबंधन वालों के लिए एक सीट जीतना भी मुश्किल कर दिया है। यह चुनाव देश का प्रधानमंत्री चुनने का अवसर है। वह प्रधानमंत्री ऐसा होगा जिस पर दुनिया रौब नहीं दिखा सकेगी। उन्होंने कहा कि आपका वोट दमदार सरकार बनाएगा।

पीएम मोदी ने कहा कि जौनपुर देश को आईएएस और पीसीएस देने वाला जिला है। हमने हिंदी में मेडिकल और इंजीनियरिंग की पढ़ाई का रास्ता खोल दिया है। अब गरीब मां का बेटा बेटी भी डॉक्टर इंजिनियर बनेंगे। कांग्रेस और इंडी गठबंधन के लोग इसका भी विरोध कर रहे हैं। ये लोग नहीं चाहते कि आपके बच्चों का भविष्य उज्ज्वल हो।कांग्रेस के खेल खतरनाक हैं। इन शहजादों की नीति खतरनाक है। ये लोग सनातन धर्म को गालियां दिलवाते हैं। उत्तर प्रदेश वालों को गालियां देते हैं। उन्होने कहा कि अभी तक व्यवस्था थी जो भी सम्पत्तियां होती थी वह पुरूषो के नाम से होती थी अब ऐसी व्यवस्था कर दी है कि अब हर तरह की सम्पत्ति घर राशन कार्ड सब कुछ माताओ बहनो के नाम से होगी। कहा पूर्व की सरकारो के शासन काल में गरीबो के पास कच्चा मकान, गंदा पानी, खुले में शौच जाना पड़ता था लेकिन मोदी सरकार ने गरीबो को पक्का मकान पानी बिजली और शौचालय की व्यवस्था के साथ दिया है जौनपुर में एक लाख गरीबो को पक्का मकान दिया गया है। पहले लोग अभाव में अपने घरो से पलायन करने को मजबूर थे लेकिन अब ऐसा नहीं है। विपक्ष जब हारता है तो ईवीएम को जिम्मेदार ठहराता है लेकिन सच यह है कि यह ईवीएम का खेल नहीं माता बहनो का आशीर्वाद है। उन्होंने कहा भाजपा युवाओ की आकांक्षाओ को समझते हुए काम करती है। ओबीसी को आरक्षण दे रही है तो सामान्य वर्ग के गरीब को भी 10 प्रतिशत का आरक्षण दे रही है। भू माफियाओ की कमर तोड़ने के लिए कानून बनाया तो इसका भी विरोध विपक्ष करता है। कांग्रेस सपा ने हमेशा गरीब दलित और पिछड़ो के साथ छल कपट किया है। लेकिन भाजपा इनके हितो के लिए लगातार काम कर रही है। पीएम मोदी ने कहा विकसित भारत मेरा प्रण है और उसका केन्द्र पूर्वांचल की धरती होगी।मोदी ने पूर्वांचल की तस्वीर और तदवीर बदलने का संकल्प ले रखा है। प्रधानमंत्री ने कहा चार जून को भाजपा की सरकार बनने के साथ देश में पीएम सूर्य योजना को लागू करते हुए बिजली के बिल को शून्य करने काम सरकार करेगी।इस योजना के तहत हर व्यक्ति बिजली पैदा करेगा और उसके खर्च से जो बिजली बचेगी उसे सरकार खरीद कर उसे लाभ भी पहुंचाएगी। सत्तर साल से अधिक आयु वाले बुजुर्गो के उपचार की जिम्मेदारी अब मोदी उठाएगा उनके बच्चो को चिन्ता करने की जरूरत नहीं है यह मोदी की गारंटी है। मोदी ने कहा पांच सौ साल बाद अयोध्या में भगवान राम का मन्दिर बना तो पूरा देश खुश है लेकिन परिवार वादी राजनैतिक लोग गालियां दे रहे है। सपा के चाचा है अपने वोटरो को खुश करने के लिए राम मंदिर को बेकार बताते है।

कांग्रेस महासचिव ने सरेनी व भोजपुर में जनसभाओं को किया संबोधित

राम के नाम पर वोट मांग रही भाजपा : प्रियंका गांधी

सरेनी, रायबरेली (आरएनएस)। भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस की महासचिव प्रियंका गांधी ने गुरुवार को सरेनी व भोजपुर में जनसभाओं को संबोधित किया। कांग्रेस की स्टार प्रचारक प्रियंका गाँधी सरेनी बाजार के लाल बहादुर शास्त्री शहीद इंटर कॉलेज खेल मैदान में लगभग 5 बजे पहुँची, जहाँ उनके इंतजार में हजारों लोग आग उगलती गर्मी में भी दोपहर से ही उनके आने की बाट जोह रहे थे। उन्होंने वहाँ आयोजित नुक्कड़ सभा में कहा कि रायबरेली के धरती के किसानों ने अपने हक को पाने के लिए आंदोलन किया व कुर्बानी दी। यही वजह रही कि जवाहरलाल नेहरू, स्वर्गीय इंदिरा गाँधी व मेरी माँ ने इसे अपनी कर्मभूमि बनाया। यहाँ के लोगों ने भरपूर साथ दिया। मेरे भाई राहुल गाँधी इस बार इस संसदीय सीट से पार्टी के प्रत्याशी हैं।वो दिल के सच्चे हैं। उन्होंने यहाँ से चुनाव लड़ने का फैसला रिश्तों की डोर को मजबूत करने के लिए किया है।

उन्होंने सत्तापक्ष के नेताओं पर तंज कसते हुए कहा कि वे जनता को मुद्दों से भटकाकर सिर्फ राम के नाम पर वोट पाने की कोशिश में लगे हैं। हम काम के नाम पर वोट माँगते हैं। कांग्रेस की सरकारें महिलाओं को समृद्ध करने में लगी हैं। भाजपा शासन में बड़े-बड़े उद्योगपतियों को लाभ मिला है। गरीब का कर्ज न माफ करके खरबपतियों के कर्ज माफ किये हैं। उन्होंने कहा कि कांग्रेस की सरकार बनी तो देश के युवाओं को नौकरी मिलेगी। गरीब व महिला आर्थिक रूप से समृद्ध होंगे। उन्होंने मीटिंग में उमड़े जनसैलाब को देखकर कहा कि विपक्षियों की रातों की नींद खराब है। उन्होंने सभी से आगामी 20 मई को होने जा रहे चुनाव में राहुल गाँधी को भारी बहुमत से जिताने की अपील करते हुए कहा कि आप ऐसी राजनीति की शुरुआत कीजिए जो अहंकार से मुक्त हो, ऐसी सरकार बनाइए जो आपके लिए काम करे।जैसे इंदिरा गांधी और राजीव गांधी ने आपके लिए काम किया। इस बार अपनी सरकार बनाइए। कांग्रेस को भारी बहुमत से जिताइए। इस दौरान उन्होंने कहा कि आपके यहां भाजपा के प्रत्याशी हैं जिनका काम है सिर्फ जनता को प्रताड़ित करना, जमीनें हड़पना, कोटेदारों और प्रधानों को डराना, धमकाना, आतंक फैला रखा है।उनके पांच भाई यही कर रहे हैं। क्षेत्र में आतंक फैला रखा है।मनरेगा आया तो कांग्रेसी सरकार थी, उससे आपको सुविधा मिली।हमारी सरकार में मनरेगा में पैसा मिलता था।आज मोदी जी की सरकार में मनरेगा में आपको पैसा नहीं मिल पा रहा।मोदी जी इस योजना को बंद करना चाह रहे थे।इसके बारे में उन्होंने भाषण भी दिया था और तब उन्हें मालूम चला कि अगर मनरेगा बंद करेंगे तो बहुत विरोध होगा, जनता नाराज हो जाएगी। धीरे-धीरे उन्होंने इसे कमजोर करने का काम किया है।यहां के जो प्रत्याशी हैं वह कोटेदार व प्रधानों को प्रताड़ित क्यों करते हैं। क्योंकि यह चाहते हैं कि यह सारे निर्णय खुद करें।इन्हीं की तरह मोदी जी केंद्र में खुद निर्णय वह स्वयं करना चाहते हैं।उनकी और हमारी विचारधारा में यही अंतर है।इस अवसर पर जिला पंचायत सदस्य अजय सिंह

देश में महंगाई चरम पर है और महिलाएं परेशान : प्रियंका गांधी

रायबरेली (आरएनएस)। कांग्रेस की राष्ट्रीय महासचिव प्रियंका गांधी ने रायबरेली में गुरुवार को एक जनसभा को संबोधित करते हुए भाजपा पर निशाना साधा। उन्होंने कहा कि देश में महंगाई चरम पर है और महिलाएं परेशान हैं।उन्होंने कहा कि पीएम नरेंद्र मोदी कहते हैं कि हमने 10 साल में जो किया, वो काम कांग्रेस 70 साल में नहीं कर पाई। जबकि, सच्चाई यह है कि देश में महंगाई चरम पर है, महिलाएं परेशान हैं। खेती महंगी हो गई, किसान आवारा पशु से परेशान है। देश में 45 साल में सबसे ज्यादा बेरोजगारी है, युवा परेशान हैं। पुरानी पेंशन नहीं मिलने से सरकारी कर्मचारी भी परेशान हैं। जीवन में तरक्की नहीं हुई, सिर्फ लोगों की मुश्किलें बढ़ी हैं।

देश में कोई माई का लाल सीएए खत्म नहीं कर सकता : नरेन्द्र मोदी

आजमगढ़ (आरएनएस)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने विपक्षी दलों पर एक बार फिर जमकर निशाना साधा है। उन्होंने कहा कि देश में कोई माई का लाल सीएए नहीं खत्म कर सकता। देश का हर नागरिक जान गया है कि विपक्षी दलों ने हिंदू-मुसलमान कर अपना वोट बैंक तैयार किया है। मोदी ने इनका नकाब उतार दिया है। पीएम मोदी गुरुवार को आजमगढ़ में एक चुनावी जनसभा को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि जितनी ताकत है, लगा लो आप, सीएए नहीं मिटा पाओगे। विपक्षियों के नकाब को उतार दिया है। मजे की बात यह है कि गांधी का नाम लेकर सत्ता की सीढ़ियां लोग चढ़ गए थे। इन लोगों ने महात्मा गांधी का भरोसा तोड़ा, मोदी की गारंटी का मतलब क्या होता है, इसका ताजा उदाहरण सीएए कानून है। कल ही सीएए कानून के तहत शरणार्थियों को भारत की नागरिकता देने का काम शुरू हो चुका है। ये वो लोग हैं, जो शरणार्थी बनकर लंबे अरसे से हमारे देश में रह रहे हैं, ये वो लोग हैं, जो धर्म के आधार पर हुए भारत के बंटवारे का शिकार हुए थे। उन्होंने कहा कि कांग्रेस ने भारत में शरण लिए लोगों की कभी सुध नहीं ली, क्योंकि ये लोग इनकी वोट बैंक नहीं थे। इनमें ज्यादातर ओबीसी और पिछड़े-दलित भाई बहन हैं। इन पर जुल्म होता रहा। कांग्रेस भी इसी काम में लगी रही। सपा-कांग्रेस, इंडी गठबंधन वालों ने इनके साथ कुछ बढ़िया काम नहीं किया। बल्कि इन लोगों ने ऐसा झूठ चलाया कि देश में दंगे हो गए। आज तक ये इंडी गठबंधन वाले कहते हैं कि मोदी का सीएए उन्हीं के साथ जाएगा।

पीओके भारत का हिस्सा है, इसे वापस शामिल किया जाएगा : जयशंकर

नई दिल्ली (आरएनएस)। विदेश मंत्री एस. जयशंकर ने गुरुवार को कहा कि पाकिस्तान के कब्जे वाला कश्मीर (पीओके) भारत का अविभाज्य हिस्सा है, जो अंतत: भारत में वापस शामिल होगा। पीओके में जारी अशांति और बढ़ती हिंसा पर प्रतिक्रिया देते हुए उन्होंने कहा कि पीओके के लोग पिछले कुछ वर्षों में जम्मू-कश्मीर में बड़े पैमाने पर हो रहे विकास से प्रभावित हो रहे हैं। महाराष्ट्र के नासिक में 'आयोजित विश्वबंधु भारत' कार्यक्रम में अपने संबोधन में विदेश मंत्री जयशंकर ने कहा,पीओके में लोग नियंत्रण रेखा के पार हो रहे सकारात्मक बदलाव को देख रहे हैं और उससे प्रभावित हैं। वे खुद से यह सवाल कर रहे हैं कि आखिर हम क्यों पीड़ित हैं। हमारे साथ अन्याय क्यों हो रहा है।

गौरतलब है कि कई दिनों से पीओके के मुजफ्फराबाद में अराजकता व्याप्त है। बढ़ती महंगाई और बिजली की बढ़ती दरों से परेशान लोग विरोध प्रदर्शन कर रहे हैं। पुलिस के साथ उनकी झड़प हो रही है। विदेश मंत्री ने कहा, पीओके भारत है और मुझे इसमें काई संदेह नहीं है कि एक दिन यह भारत में वापस आएगा। उन्होंने कहा कि मंदी की आशंका के बीच पाकिस्तान आर्थिक संकट का सामना कर रहा है। जयशंकर ने कहा, भारत की लगातार खिलाफत के चलते आज पाकिस्तान की आर्थिक रूप से जर्जर हालत में पहुंच गया है।

गरीबों को थोड़ा राशन देकर भाजपा के लोग चुनावी लाभ लेने पर तुले : मायावती

लखनऊ (आरएनएस)। बहुजन समाज पार्टी की राष्ट्रीय अध्यक्ष मायावती ने गुरुवार को राशन को लेकर भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) पर निशाना साधा। उन्होंने कहा कि गरीबों को थोड़ा राशन देकर भाजपा के लोग चुनाव में भुनाने पर तुले हैं। मायावती ने गुरुवार को सोशल मीडिया मंच एक्स पर लिखा कि देश के लोगों को बढ़ती महंगाई, गरीबी, बेरोजगारी और पिछड़ेपन आदि के अभिशाप से मुक्त करना तो दूर उन्हें रोक पाने में विफलता के कारण गरीबों को थोड़ा राशन देने को भी भाजपा एंड कम्पनी के लोग चुनाव में भुनाने पर तुले हैं, जो उचित नहीं है क्योंकि यह मेहरबानी नहीं है। उन्होंने आगे लिखा कि लोगों को यह थोड़ा मुफ्त राशन भाजपा/सरकार का उपकार नहीं, बल्कि लोगों द्वारा सरकार को दिया गया टैक्स का ही धन है।

नक्सलियों पर की जा रही कार्रवाई पर कांग्रेस का सवाल उठाना दु:खद : विष्णुदेव साय

नक्सल मामलों के लिए नई पुनर्वास नीति लाने पर किया जा रहा है विचार

रायपुर (विश्व परिवार)। नक्सलियों पर की जा रही कार्रवाई को लेकर कांग्रेस द्वारा सवाल खड़े किये जाने पर मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने दु:खद बताया है। श्री साय ने कहा कि कांग्रेस को इन सब विषयों को राजनीती से ऊपर उठकर देखना चाहिए।

पुलिस ग्राउंड हेलीपेड पर पत्रकारों के सवालों का जवाब देते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि पिछली बार जब 29 नक्सली मारे गए, तब कांग्रेस और विपक्ष के लोग इस घटना को नकली बता रहे थे, जबकि स्वयं नक्सलियों ने 29 लोगों का लिस्ट जारी किया। ये बहुत ही दु:ख की बात है। अब इन लोगों को क्या कहें, ये लोग तो सर्जिकल स्ट्राइक और एयर स्ट्राइक पर प्रश्न खड़ा करने वाले लोग हैं। उनसे मेरा यह आग्रह है कि इन सब विषयों को राजनीती से ऊपर उठकर देखें। मुठभेड़ को कांग्रेस द्वारा फर्जी कहे जाने पर इसका खंडन करते हुए सीएम साय ने कहा कि लगातार हमारे जवानों को सफलता मिल रही है। उन्होंने पुनर्वास नीति पर कहा कि हमारी पुनर्वास नीति के कारण नक्सली आत्मसर्पण भी कर रहे हैं। हम देख रहे हैं कि इस नीति में और नया बेहतर हो सकता है, साथ ही नई पुनर्वास नीति लाने पर विचार किया जा रहा है।

गौरतलब है कि केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने नक्सल मोर्चे पर विष्णु सरकार को मिल रही सफलता के लिए उसकी जमकर तारीफ की है। जिस पर कांग्रेस प्रश्न उठा रही है। दूसरी ओर मुख्यमंत्री ने गृह मंत्री शाह का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि वे गृह मंत्री के आभारी हैं कि उन्होंने हमारी सरकार पर विश्वास जताया है। यह सब डबल इंजन सरकार की वजह से संभव हुआ है कि मात्र 3-4 महीनों में 112 नक्सली मारे गए हैं, लगभग पौने चार सौ नक्सली आत्मसमर्पण किये हैं और 153 नक्सली गिरफ्तार हुए हैं। ये हमारी सुरक्षाबलों के लिए बड़ी सफलता है। श्री साय बोले कि प्रधानमंत्री और गृह मंत्री इस विषय पर बहुत ही गंभीर है और जल्द ही छत्तीसगढ़ से नक्सलवाद का समापन चाहते हैं।

कांग्रेस अग्निवीर योजना बंद करेगी : मल्लिकार्जुन खड़गे

नई दिल्ली (आरएनएस)। कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे ने कहा है कि कांग्रेस अगर सत्ता में आती है तो अग्निवीर योजना को बंद कर देगी। कांग्रेस अध्यक्ष के मुताबिक अग्निवीर योजना देश के युवाओं को केवल 4 साल का रोजगार देने के बाद बेरोजगारी की ओर ले जाती है।

कांग्रेस का कहना है कि युवाओं को सेना में स्थायी नौकरी मिले। अग्निवीर योजना सेना में भर्ती के लिए लाई गई है। गुरुवार को इस विषय पर मल्लिकार्जुन खड़गे ने सोशल मीडिया के जरिए कहा कि अग्निवीर योजना जबरन लागू कर मोदी सरकार ने लाखों युवाओं का भविष्य दांव पर लगा दिया है। करीब डेढ़ लाख ऐसे युवा हैं जिन्हें सामान्य भर्ती प्रणाली में सैन्य बलों में प्रवेश की स्वीकृति मिली थी, पर चयनित होने के बाद भी उन्हें दाखिला नहीं मिला।

कांग्रेस अध्यक्ष ने कहा कि अग्निवीर न केवल युवा देशभक्तों को 4 साल का कार्यकाल पूरा होने पर बेरोजगारी के अंधेरे में धकेलती है, बल्कि एक अग्निवीर उन सभी प्रकार की चिकित्सा, वित्तीय सहायता, पेंशन, पूर्व सैनिक का दर्जा, बच्चों के लिए छात्रवृत्तियों का लाभ नहीं उठा सकता जो कि एक रेग्युलर चयनित सैनिक को मिलती है। खड़गे ने कहा कि कांग्रेस पार्टी के लिए हमारी राष्ट्रीय सुरक्षा सर्वोपरि है और हमें यह सुनिश्चित करना चाहिए कि हमारे प्रतिभाशाली देशभक्त युवाओं को हमारी सेना में स्थायी प्रवेश मिले।

इंडिया गठबंधन की सरकार बनने पर आटा के साथ डाटा फ्री : अखिलेश यादव

समाजवादी पार्टी की चुनावी जनसभा में नियामतपुर पहुंचे सपा मुखिया

कौशाम्बी (आरएनएस)। समाजवादी पार्टी की चुनावी जनसभा में सिराथू विधानसभा क्षेत्र के नियामतपुर गुरुवार की दोपहर लगभग चार बजे हेलीकॉप्टर से पहुंचे जहां सपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष व पूर्व मुख्यमंत्री अखिलेश यादव ने रैली को संबोधित करते हुए कहा की कौशांबी संसदीय सीट से सपा व इंडिया गठबंधन के प्रत्याशी पुष्पेंद्र सरोज रिकॉर्ड मत से जीताकर देश के इतिहास में सबसे कम उम्र का सांसद कौशांबी की जनता चुनकर भेजने वाली है। यह गौरव कौशांबी की जनता के नाम दर्ज होने वाला है। चौथे चरण के चुनाव होने के बाद बीजेपी चारों खाने चित्त हो गई है। पांचवें चरण का वोट पड़ने दीजिये बीजेपी साफ होने जा रही है। अखिलेश यादव ने आगे कहा की बीजेपी की केंद्र मे 10 साल व यूपी की 7 साल को मिलाकर 17 साल की सरकार से जनता हिसाब मांगे । झूठे वादे का गणित समझाते हुए राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव ने कहा कि बीजेपी की सरकार में किसान की आय को दोगुना करने की बात कही गई थी, लेकिन सरकार ने कुछ भी नहीं किया। किसानों ने आंदोलन किया तो सड़क पर दीवार बनवाई, कील लगवाई, पुलिस लगाया। लेकिन किसान ने दिल्ली में घेरा डालकर सालों साल सड़क पर धूप, गर्मी, बरसात का सामना कर तीन काले कानून को वापस कराने में सफलता हासिल की। अभी किसानों की लड़ाई खत्म नहीं हुई। एमएसपी कानून नहीं बनाया गया, जिससे यह लड़ाई अब भी जारी है।

सपा प्रमुख ने कहा कि 10 साल में सरकार की नाकामी के चलते एक लाख किसानों ने कर्ज से परेशान होकर आत्महत्या कर ली। सरकार ने 16 लाख करोड़ रुपए का कर्ज पूंजीपतियों का माफ किया। इसके लिए उन्होंने क्राइटेरिया बनाकर 5 लाख से अधिक की राशि वाले लोगों के कर्ज माफ किया।

पूर्व सीएम अखिलेश यादव ने कहा, युवा को नौकरी की बात इन्होंने की, लेकिन उनकी सरकार में पेपर लीक हो गए। एक दो नहीं बल्कि 10 से ज्यादा पेपर लीक हुए। बीजेपी सरकार पर कमेंट करते हुए उन्होंने कहा कि ष्बीजेपी सरकार का लीकेज नहीं रुक रहाष्। बीजेपी वालों ने युवाओं के एक तिहाई जीवन से खेलने का काम किया है। अग्नि वीर योजना पर सवाल खड़े करते हुए सपा प्रमुख ने कहा, वह समाजवादी लोग हैं। सरकार में आए तो आधी अधूरी नौकरी (अग्नि वीर) को समाप्त करेंगे।

भारत के नागरिकों को ये सुविधाएं मिलनी चाहिए, सुप्रीम कोर्ट का 17 विदेशी घुसपैठियों को भेजने का आदेश

नई दिल्ली (आरएनएस)। सुप्रीम कोर्ट ने 17 विदेशी नागरिकों को उनके देश वापस भेजने का आदेश दिया है। कोर्ट ने केंद्र सरकार से कहा कि तत्काल 17 विदेशी नागरिकों को वापस भेज जाए, जिन्हें असम के एक डिटेंशन कैंप में रखा गया है। केस की सुनवाई के दौरान जस्टिस एएस ओका ने टिप्पणी की कि जो संसाधन इन लोगों पर खर्च हो रहे हैं, वे भारत के लोगों को मिलने चाहिए। जस्टिस अभय एस. ओका और जस्टिस उज्जल भुइयां की बेंच ने कहा कि इन 17 लोगों के पास भारत में कोई केस दर्ज नहीं है। ऐसे में उन्हें वापस भेजने में कोई अड़चन नहीं है।

अदालत ने कहा, 'रिपोर्ट से पता चलता है कि असम में डिटेंशन सेंटर है, जिसे ट्रांजिट कैंप भी कहा जाता है। डिटेंशन सेंटर में घोषित तौर पर 17 विदेशी मौजूद हैं, जिनमें से 4 तो दो साल से यहीं हैं। हमारा मानना है कि केंद्र सरकार को तत्काल इन्हें वापस भेजने के लिए कदम उठाने चाहिए। इन लोगों के खिलाफ किसी अपराध के तहत मुकदमा भी दर्ज नहीं है। सबसे पहले उन 4 लोगों को वापस भेजना चाहिए, जो 2 साल से डिटेंशन सेंटर में हैं।' अदालत ने कहा कि इस मामले में क्या ऐक्शन लिया गया, इसकी रिपोर्ट दो महीने के अंदर सौंपी जाए। अब इस केस की अगली सुनवाई कोर्ट ने 26 जुलाई को करने का फैसला लिया है। यह फैसला असम के डिटेंशन सेंटर्स की स्थिति को लेकर दिया गया।

मुख्यमंत्री योगी ने मंझनपुर में चुनावी जनसभा में कहा- सपा कांग्रेस का गठबंधन बना महामारी

कौशाम्बी (आरएनएस)। कौशांबी संसदीय सीट से भाजपा प्रत्याशी व सांसद विनोद सोनकर के समर्थन में सूबे के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने गुरुवार को मंझनपुर में चुनावी जनसभा में शामिल हुए जहां मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने तीन चरण के चुनाव का रुझान सामने रखकर देश के अंदर एक बार फिर मोदी सरकार का नारा देकर अपने भाषण की शुरुआत की। मुख्यमंत्री ने 10 वर्ष में पीएम मोदी के नेतृत्व में कायाकल्प किए जाने की बात कही। उन्होंने 10 साल पहले के भारत की तस्वीर सामने रखकर कहा कि गरीबी भूख से आम आदमी मरता था। किसान आत्महत्या करते थे। युवक पलायन कर रहे थे। बेटी, व्यापारी, सुरक्षित नहीं थे। जगह-जगह विस्फोट होते थे। देश में संकट था, लेकिन अब भारत बदल गया है। देश का सम्मान पूरा विश्व करता है। पीएम मोदी के भारत की तस्वीर सामने रखते हुए पीएम मोदी के नेतृत्व कुशलता को बताते हुए उन्होंने कहा कि अब भारत में कोई पटाखा भी फूटता है, तो पाकिस्तान सफाई देता है कि हम नहीं है। हम किसी को छेड़ते नहीं और कोई छेड़ता है तो छोड़ते नहीं। कि बात कह कर देश में विकास कार्यों का परिदृश्य मुख्यमंत्री ने जनसभा में बैठे लोगों के सामने रखा। मुख्यमंत्री ने लखनऊ में कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे के बयान पर पलट वार करते हुए कहा कि वह फ्री राशन देने की बात करते हैं। जब उनकी सरकार थी, तो गरीब भूख से मर रहे थे। सत्ता थी तो माफिया के करीब थे, उनकी जबान सिली हुई थी, लेकिन अब माफिया मुक्त यूपी हुआ है। साल 2024 के आम चुनाव का जिक्र करते हुए उन्होंने कहा कि सपा कांग्रेस का गठबंधन अब वापस सत्ता में नहीं आने वाला। इसके बाद के होने वाले चुनाव में जनता इनका नाम भूल जाएगी। यह चुनाव लड़ने के काबिल ही नहीं रहेंगे। पिछले दिनों भरवारी में पटाखा फैक्ट्री में हुए विस्फोट का जिक्र कर सीएम योगी ने कहा कि सांसद विनोद सोनकर ने उन्हें फोन कर घटना की जानकारी दी। इसके बाद उन्होंने मुख्यमंत्री राहत कोष से घायलों व मृत्यु को आर्थिक सहायता मुहैया कराई। कौशांबी की ऐतिहासिकता का जिक्र करते हुए मुख्यमंत्री ने कहा की महात्मा बुद्ध, जैन तीर्थंकर महावीर, मां शीतला, गंगा जमुना का आशीर्वाद यहां की जनता को मिलने की बात कही। विपक्षी दल सपा पर जुबानी हमला बोलते हुए कहा कि सपा का मतलब संस्कार से संबंध न होना। वह बड़ों का लिहाज नहीं करते उल्टा आचरण करते हैं। जैसे राम भक्त पर गोलियां चलवाना, देशद्रोहियों के मुकदमे वापस लेना।

दैनिक
विश्व परिवार
रायपुर/दुर्ग-भिलाई/बलौदाबाजार
रायपुर, शुक्रवार 17 मई 2024
www.dvpnews.in
vishwapariwarraipur@gmail.com

जिला स्वास्थ्य समिति तथा महिला एवं बाल विकास विभाग के साथ समन्वय बैठक सम्पन्न, कलेक्टर ने कार्यों की समीक्षा

संस्थागत प्रसव के स्थान पर घरों में बढ़ती हुई प्रसव बना चिंता का कारण, कसडोल में कुष्ठ के मरीज बढ़े

बलौदाबाजार (विश्व परिवार)। कलेक्टर के.एल.चौहान की अध्यक्षता में आज जिला पंचायत कार्यालय के सभागार में जिला स्वास्थ्य समिति तथा महिला एवं बाल विकास विभाग के साथ समन्वय बैठक आयोजित की गई। जिसमें कलेक्टर श्री चौहान ने स्वास्थ्य विभाग तथा एवं महिला एवं बाल विकास विभाग के काम काज की विस्तृत समीक्षा की है। इस दौरान कलेक्टर के.एल.चौहान ने संस्थागत प्रसव के स्थान पर घरों में बढ़ती हुई प्रसव की संख्या पर चिंता जाहिर की है। साथ ही कसडोल के कुछ क्षेत्रों में कुष्ठ के मरीज भी बढ़े है। जिसको लेकर कलेक्टर श्री चौहान ने स्वास्थ्य विभाग के अधिकारियों को और अधिक बेहतर ढंग से कार्य करने के निर्देश दिए है। स्वास्थ्य विभाग तथा महिला एवं बाल विकास विभाग के अधिकारी कर्मचारियों की मुख्यालय में नही रहने की शिकायतों को बड़ी गंभीरता से लेते हुए मुख्यालय में रहने की हिदायत दी गई है। इसके साथ जिन आंगनबाड़ी केंद्रों में टीकाकरण होता है वहां पर सहज जानकारी उपलब्ध हो उसके लिए टीकाकरण की जानकारी संबंधी बोर्ड लगाने के दिए निर्देश स्वास्थ्य विभाग के अधिकारियों को दिए है। उक्त बैठक में श्री चौहान ने समस्त विकासखंडों को प्रथम तिमाही में गर्भवती पंजीयन पूर्ण करने के निर्देश दिए है।

मितानिन एवं स्वास्थ्य कार्यकर्ताओं को डोर टू डोर भ्रमण कर गर्भवती महिलाओं का पंजीयन करना सुनिश्चित करने कहा गया है। उन्होंने आगे कहा कि मलेरिया प्रभावित विकासखंड कसडोल में बीमारी का प्रबंधन त्वरित रूप से किया जाए। किसी भी स्थिति में मलेरिया से कोई मृत्यु नहीं होनी चाहिए। जिले के किसी क्षेत्र में महामारी के प्रसार की स्थिति में त्वरित रूप से अंतर विभागीय समन्वय स्थापित करते हुए उसका प्रबंधन किया जाना चाहिए। इसके लिए लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी एवं महिला बाल विकास विभाग का भी बराबर सहयोग प्रदान करे। डेंगू नियंत्रण पर साफ सफाई हेतु नगरीय निकाय एवं पंचायत विभाग को निर्देश अलग से दिए गए है। उन्होंने आम जनता को स्वास्थ्य सुविधा बेहतर तरीके से प्रदान करने के लिए महिला बाल विकास तथा स्वास्थ्य विभाग के समन्वय पर जोर दिया है। कलेक्टर ने बैठक के दौरान ही उक्त दोनों विभाग के अधिकारियों के मोबाइल नंबर कर्मचारियों के बीच आपस में साझा करवाये। मातृ स्वास्थ्य अंतर्गत उन्होंने महिला बाल विकास के कार्यकर्ताओं को रक्त अल्पता तथा उच्च जोखिम वाली गर्भवती महिलाओं की लाइन लिस्टिंग तैयार करने को कहा है। कलेक्टर ने कहा की चिरायु टीम शत प्रतिशत आंगनवाड़ी केंद्रों तक जाए एवं बच्चों का कवरेज बढ़ाएं। चिरायु टीम के स्वास्थ्य परीक्षण हेतु ना आने पर आंगनबाड़ी केंद्र खंड चिकित्सा अधिकारी को तुरंत सूचित करें। इसके लिए अलग से भी सिस्टम बनाने के निर्देश दिए है। महिला बाल विकास विभाग कुपोषित बच्चों की लाइन लिस्टिंग सदैव अपडेट रखें तथा बिस्तर खाली होने पर पोषण पुनर्वास केंद्रों से संपर्क कर बच्चों को त्वरित रूप से रेफर करें इसके लिए चिन्हाकन के समय ही परिवार सहित बच्चों के माता की काउंसलिंग शुरू कर दी जाए। जिले में 10 ऐसे स्वास्थ्य केंद्र भी हैं जहां संस्थागत प्रसव 100 से अधिक हुए हैं। कलेक्टर ने इन केंद्रों की उपलब्धि की सराहना करते हुए अपनाई जा रही रणनीतियों को अन्य केंद्रों में भी अमल में लाने हेतु कहा। श्री चौहान ने स्वास्थ्य विभाग तथा महिला बाल विकास में बेहतर समन्वय हेतु संयुक्त दौरा करने, साप्ताहिक रिपोर्ट साझा करने एवं संयुक्त बैठक करने को भी निर्देश दिए है। बैठक में मातृ स्वास्थ्य, टीकाकरण, जननी सुरक्षा योजना, एएनसी पंजीयन, एफआर यू, स्वास्थ्य बीमा योजना सहित अन्य राष्ट्रीय कार्यक्रमों की समीक्षा की। इसी तरह महिला एवं बाल विकास विभाग द्वारा संचालित विभिन्न कार्यक्रम मुख्यमंत्री सुपोषण अभियान पोषण अभियान, महतारी वंदन सहित अन्य कार्यक्रमों की समीक्षा की है। कलेक्टर ने डेंगू दिवस पर प्रदर्शित मच्छरदानी उपयोग का भी अवलोकन किया। जिला कार्यालय को प्राप्त जानकारी के अनुसार विकासखण्ड बलौदाबाजार में 23, भाटापारा 03 एवं सिमगा 08 इस तरह कुल 34 प्रसव घरों में हुई जो कि काफी चिंता जनक है। इसी तरह संस्थागत प्रसव बलौदाबाजार में 6 हजार 717, भाटापारा 3 हजार 809, कसडोल 3 हजार 864, पलारी 2 हजार 788 एवं सिमगा 2 हजार 837 है। इस तरह कुल 20 हजार 15 संस्थागत प्रसव हुए है। इसी तरह कुष्ठ रोग के विकासखण्ड बलौदाबाजार में 69, भाटापारा 58, कसडोल 110, पलारी 59 एवं सिमगा 48 मरीज 1 अप्रैल 2023 से लेकर 31 मार्च 2024 तक कुल 344 मरीज चिन्हांकित हुए है।

किसी भी कर्मचारी अधिकारी को मुख्यालय नहीं छोड़ने की दी हिदायत, आंगनबाड़ी केंद्रों में टीकाकरण की जानकारी संबधी बोर्ड लगाने के दिए निर्देश

बायोलॉजिकल कृषि उत्पाद ब्रांड इनेरा ने एमएस धोनी को अपना ब्रांड एंबेसडर के रूप में नियुक्त किया

रायपुर (विश्व परिवार)। बॉयोलोजिकल कृषि उत्पाद विकसित करने वाली अग्रणी अनुसंधान एवं विकास बायोसाइंस फर्म इनेरा ने एम.एस. धोनी को अपना ब्रांड एंबेसडर घोषित किया है। इनेरा के साथ मिलकर धोनी जनता के बीच संधारणीय प्रकृति के जैव इनपुट के उपयोग का प्रचार करके खेती के क्षेत्र में बदलाव लाने के इनेरा के मिशन को बढ़ावा देंगे।

अपने विचार व्यक्त करते हुए, धोनी ने कहा कि जैव-कृषि के लिए इनेरा का दृष्टिकोण और उनके बायोलॉजिकल उत्पाद बड़े अच्छे बदलाव ला सकते हैं और इस बदलाव का समर्थन करने पर मुझे गर्व है। खेती से हमेशा मेरा लगाव रहा है। इनेरा के उत्पादों का उपयोग करने के लिए, लाखों किसानों को प्रेरित करने में मैं बहुत उत्साहित हूं।

खेती में उपयोग किए जाने वाले रसायनों के विकल्प के रूप में बॉयोलोजिकल कृषि उत्पाद दुनिया भर में लोकप्रिय होते जा रहे हैं। कई पर्यावरणीय नियमों और उपभोक्ताओं के बीच जैविक उपज की बढ़ती मांग के कारण, उत्तरी अमेरिका और यूरोप जैसे क्षेत्रों में इनको बढ़-चढ़कर अपनाया जा रहा है और एशिया-प्रशांत और लैटिन अमेरिका जैसे क्षेत्रों में भी इनको अपनाने की गति में उल्लेखनीय वृद्धि देखी गई है।

भारत सरकार द्वारा हाल ही में शुरू की गई 'परम्परागत कृषि विकास योजना' (PKVY) जैसी नीतिगत पहलों का उद्देश्य बॉयोलोजिकल कृषि उत्पादों को बढ़ावा देना और उन्हें अपनाने के लिए किसानों को वित्तीय सहायता प्रदान करना है। हालांकि, भारत में जैव इनपुट में दिलचस्पी बढ़ती दिख रही है, लेकिन इनके उत्पादन के मामले में अभी भी काफी कमी बनी हुई है। जो जैव इनपुट पारंपरिक रूप से उपयोग किए जाते हैं, उनकी शेल्फ लाइफ और प्रभावकारिता से जुड़ी समस्याएं मौजूद हैं और उनके प्रदर्शन और प्रभाव अक्सर सीमित ही होते हैं।

इनेरा अपने उत्पादों से फसल की देखभाल और सुरक्षा के लिए बायोलॉजिकल समाधान प्रदान करती है, जिसमें बायोफ़र्टिलाइज़र, बायोस्टिमुलेंट और बायोकंट्रोल शामिल हैं। इनेरा के उत्पादों को प्रोप्राइटरी तकनीकों का उपयोग करके बनाया गया है और ये किसानों और वितरकों द्वारा आमतौर पर सामना की जाने वाली विशिष्ट समस्याओं का हल देते हैं। कंपनी के फील्ड ट्रायल सुविधा केन्द्रों में 25 लाख वर्ग फुट क्षेत्र में फैली, कई कृषि जलवायु परिस्थितियों में इन बॉयोलोजिकल्स का बड़े पैमाने पर परीक्षण किया गया है। भारत में बॉयोलोजिकल्स के लिए यह ऐसा सबसे बड़ा सेटप है।

संस्थापक और समूह के सीईओ अगम खरे ने कहा कि एम.एस धोनी को अपने साथ जोड़कर, हम एक उत्साही सतत कृषि समर्थक का स्वागत कर रहे हैं। उन्होंने आगे कहा कि ग्रामीण भारत में धोनी की पहुंच अपने आप में बहुत खास है और खेती की बेहतरी के लिए उनकी लगन, जैव इनपुट को बड़े पैमाने पर अपनाए जाने और भारत में खेती को फिर से कुशल बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगी।

राज्य पात्रता परीक्षा के लिए ऑनलाईन आवेदन 9 जून तक लिए जाएंगे

बलौदाबाजार (विश्व परिवार)। छत्तीसगढ़ व्यावसायिक परीक्षा मंडल द्वारा उच्च शिक्षा विभाग द्वारा प्राप्त प्रस्ताव के आधार पर छत्तीसगढ़ राज्य पात्रता परीक्षा 2024 का आयोजन किया जाना है। राज्य पात्रता परीक्षा के लिए ऑनलाईन आवेदन 9 जून 2024 तक लिए जाएंगे। परीक्षा में शामिल होने के लिए अभ्यर्थी छत्तीसगढ़ व्यापम के पोर्टल पर ऑनलाईन आवेदन कर सकते हैं।

छत्तीसगढ़ राज्य पात्रता परीक्षा के कार्यक्रम अनुसार ऑनलाईन आवेदन की प्रारंभिक तिथि 13 मई और अंतिम तिथि 9 जून 2024 है। त्रुटि सुधार की सुविधा 10 जून से 12 जून तक रहेगी। परीक्षा 21 जुलाई 2024 को संभावित है। पात्रता परीक्षा हेतु छत्तीसगढ़ राज्य के स्थानीय निवासी प्रतिभागियों से किसी भी प्रकार की परीक्षा शुल्क नहीं ली जाएगी। पात्रता परीक्षा के संबंध में विस्तृत जानकारी व्यापम की वेबसाईट vyapam.cgstate.gov.in एवं https://vyapamaar.cgstate.gov.in से प्राप्त की जा सकती है।

छत्तीसगढ़ के दिग्गज नेता राजेश मूणत ने पुरी में संभाला मोर्चा

राजेश मूणत ने कहा- ओड़िशा में बनेगी डबल इंजन की सरकार

पुरी/ओड़िशा) (विश्व परिवार)। छत्तीसगढ़ में मतदान सम्पन्न होने के बाद राज्य के दिग्गज भाजपा नेताओं ने ओड़िशा में मोर्चा संभाल लिया है। ज्ञात हो कि ओड़िशा में लोकसभा चुनाव के साथ ही विधानसभा चुनाव भी हो रहे हैं। इसी कड़ी में छत्तीसगढ़ सरकार के पूर्व मंत्री और सीनियर विधायक, भाजपा प्रवक्ता राजेश मूणत ने ओड़िशा की सबसे चर्चित सीटों में से एक पुरी लोकसभा में मोर्चा संभाल लिया है। भाजपा संगठन ने उन्हें पुरी विधानसभा सीट प्रचार प्रसार का जिम्मा सौपा है।

यह भी जानना जरूरी है कि भारतीय जनता पार्टी ने पुरी लोकसभा सीट से लोकप्रिय नेता संबित पात्रा और पुरी विधानसभा सीट से विधायक जयंत कुमार सारंगी को चुनावी मैदान में उतारा है। लिहाजा इसे ओडिशा की सबसे चर्चित सीट माना जा रहा है। गौरतलब है कि मूणत ने रायपुर लोकसभा सीट पर बतौर क्लस्टर प्रभारी भाजपा प्रत्याशी बृजमोहन अग्रवाल के पक्ष में पूरी ऊर्जा के साथ कार्य किया था।

अपने चुनावी दौरे को लेकर भाजपा प्रवक्ता राजेश मूणत ने बताया कि छत्तीसगढ़ के कई नेता ओड़िशा,झारखंड, बिहार, हरियाणा समेत सभी चुनावी राज्यों में तैनात हैं। मुझे पार्टी ने पुरी विधानसभा सीट पर जिम्मेदारी सौंपी है। मूणत ने कहा कि पुरी भगवान जगन्नाथ की भूमि हैं। इस पवित्र भूमि में रहने वाले लोग रामभक्तों के साथ हैं। उन्होंने कहा कि पुरी की जनता ने तय कर लिया है कि जो अयोध्या में भगवान राम को लाये हैं, उन्हें ही देश और राज्य की बागडोर सौंपनी हैं।

उन्होंने आगे कहा कि मैं पुरी विधानसभा सीट के कोने- कोने तक जा रहा हूं, यह पूरे विश्वास के साथ कह सकता हूं कि आमजनों के मन में हमारी प्रत्याशी जयंत कुमार सारंगी और संबित पात्रा के प्रति बेहद स्नेह है। लोगो ने तय कर लिया है कि वह भारतीय जनता पार्टी के पक्ष में मतदान करके ओड़िशा में डबल इंजन की सरकार बनाएंगे। उन्होंने विश्वास जताया कि भगवान जगन्नाथ के आशीर्वाद से ओड़िसा में भाजपा की सरकार बनेगी।

राजेश मूणत ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने दुनिया में ओडिशा की प्रतिष्ठा बढ़ाई है। ओडिशा की एक आदिवासी बेटी राष्ट्रपति बनी हैं, जिससे ओड़िशा के साथ ही आदिवासियों का सम्मान बढ़ा है, जबकि बीजद के 25 साल के शासन में मुख्यमंत्री पटनायक ने ओड़िशा को 50 साल पीछे धकेल दिया है। उन्होंने कहा कि जनता ने अब नवीन बाबू को अलविदा कहने का मन बना लिया है। पुरी में भाजपा रिकॉर्डतोड़ मतों से जीतेगी। ओडिशा का अगला मुख्यमंत्री भाजपा नेता और नरेंद्र मोदी तीसरी बार प्रधानमंत्री बनेगे।

पीएम मोदी के रोड शो को लेकर उत्साह

मूणत ने कहा कि पुरी में भाजपा के विपक्षी दलों ने अभी से हार स्वीकार कर ली है। बीजेडी के खेमे में निराशा का माहौल है, तो वहीं कांग्रेस की लोकसभा प्रत्याशी सुचारिता ने चुनाव लड़ने से किया इनकार करके भाजपा की जीत पहले ही तय कर दी है। राजेश मूणत ने बताया कि ओड़िशा में भारतीय जनता पार्टी का संगठन बेहद मजबूत है। आगामी 20 मई को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ओडिशा का दौरा करने वाले हैं। पीएम मोदी 20 मई (सोमवार) को पुरी में रोड शो करेंगे, इसको लेकर आमजनों में बेहद उत्साह देखा जा रहा है।

संत शिरोमणि सेन जी महाराज की जयंती धूमधाम से मनाई गई

नगर सेलून संघ एवं नगर सेन समाज का संयुक्त आयोजन

नवापारा राजिम (विश्व परिवार)। नगर सेलून संघ एवं नगर सेन समाज नवापारा के सयुक्त तत्वधान में सेन समाज का 19 वां स्थापना दिवस एवं श्री संत शिरोमणी सेन जी महाराज को जयंती पूरे हर्षोल्लास के साथ दिव्य सेन सभा भवन सोमवारी बाजार में मनाया गया। सर्वप्रथम सभी सेलुन संघ के सदस्यो द्वारा मोटर बाइक में संत शिरोमणि सेन जी महाराज जयकारे नारे लगाते हुए नगर भ्रमण किया युवा साथियों का जोश बड़े ही उत्साहित रहा जिसमे मुख्यतिथी श्री चंद्रप्रकाश सेन अध्यक्ष महासभा सेन समाज, विशेष अतिथि श्री रूपेश ठाकुर रायपुर सेलून संघ अध्यक्ष, श्री डॉ.मनोज ठाकुर, श्री मुरारी ? सेन, श्री मनोज सेन सचिव झेरिया सेन समाज अभनपुर, श्री राधेश्याम सेन, श्री टीकम दिवाकर, श्री नरेश सेन, श्री बलराम सेन, श्री लेखुराम सेन जी एवं श्रीमती साधना सौरज महिला सेन मंच संरक्षक, रहे। कार्यक्रम को अध्यक्षता श्री संतु सेन, श्री गोविंद सेन, श्री शंकर सेन ने किया।

सभी अतिथियों ने सामाजिक सदस्यों के साथ मिलकर संत श्री शिरोमणी सेन जी महाराज, प्रभु श्री रामचन्द्र एवं श्री हनुमान जी के छायाचित्र पर पूजा अर्चना एवं दीप प्रज्ज्वलित कर सेन जयंती समारोह का विधि विधान के साथ शुभारंभ किया गया। तत्पश्चात सभी अतिथियों ने बारी बारी अपना अशिर्वचन समाज को प्रदान किया।

मुख्यातिथी श्री चंद्रप्रकाश सेन ने कहा की सेन समाज का अपना एक गौरव शाली इतिहास रहा है, कपूरी ठाकुर जी को भारतरत्न दिया गया, छ.ग. विधानसभा में भी अब सेन समाज ने भी अपनी उपस्थिति दर्ज करा दिया है खेल एवं अन्य क्षेत्रों में भी आज सेन समाज के यूवा अपनी पहचान बना रहे है वही डॉ. मनोज ठाकुर ने कहा की समाज का कोई संस्कार सेन समाज के बिना पूरा नहीं होता ये सेन जी महाराज की तपस्या का परिणाम जो आज पूरा सेन समाज को मिल रहा है। समाज का प्रतिवेदन सलाहकार युवराज सेन ने रखा वही विशेष अतिथि रूपेश ठाकुर ने कहा की आज इस आयोजन में महिला शक्ति की संख्या देख कर में प्रसन्न है नारी शक्ति के बिना समाज के उत्थान की कल्पना नहीं किया जा सकता ऐसे आयोजन में आप लोगों को जहां जैसे आवश्यकता होगी मैं सदैव उपलब्ध रहूंगा समाज में विभिन्न कक्षाओं में उत्कृष्ट अंक प्राप्त करने वाले छात्रङ्कछात्राओं को प्रमाण पत्र प्रदान कर सम्मान प्रदान किया साथ ही साथ स्वालंबी नारियों को ब्यूटीपार्लर चल रहे हमारे सेन समाज कि महिलाओं का विजय सेन रुपेश ठाकुर द्वारा गमछा एवं श्री फल से सम्मान एवं उत्साह वर्धन किया गया विशेष रूप से आमंत्रण देकर थाना प्रभारी श्री अवध राम साहू एवं थाना स्टाफ, पत्रकार डॉ लीलाराम साहू, तुकाराम कंसारी को साल एवं श्रीफल भेंट कर सम्मान किया गया। थाना प्रभारी श्री अवध साहू ने समाज को नशे से दूर रहने का सलाह देकर साइबर क्राइम से कैसे बचे इस पर विशेष रूप से प्रकाश डाला गया समाज की बेटियों को पुलिस विभाग में स्थान कैसे बनाया जाए इसके लिए प्रेरित किया गया इसके पश्चात सभी अतिथियों एवं सदस्यों के लिए भोजन व्यवस्था किया गया था। कार्यक्रम के संचालन मनोज सेन ने किया एवं आभार प्रदर्शन सेलुन संघ के अध्यक्ष संतु सेन एवं महिला प्रकोष्ठ से अध्यक्ष निशा सेन ने किया।

कार्यक्रम में गोविंद सेन संतु राम सेन शंकर लाल सेन आनंद दिवाकर भीषम भंडारी सेन अनिल सेन परमा सेन रमन श्रीवास युवराज सेन विजय सेन चंदन सेन देवेन्द्र सेन मोती सेन राजू मंगल सेन आनंद दिवाकर प्रमोद सेन केशव सेन पवन सेन गिरधारी सेन राजू जीवन सेन प्रमेंन्द्र सेन संजय सेन, भागवत सेन कौशल सेन मेघराज सेन आदि उपस्थित सदस्य थे।

वैद्यराज ओम प्रकाश साहू तैलिक रत्न सम्मान से सम्मानित

राजिम (विश्व परिवार)। पिछले दिनों परिक्षेत्र साहू विकास संघ पांडुका द्वारा माता कर्मा जयंती एवं वार्षिक सम्मेलन का कार्यक्रम गुरुकुल शाला प्रांगण सिरकट्टी आश्रम कुटेना(पांडुका) में संपन्न हुआ।कार्यक्रम के मुख्य अतिथि प्रदेश साहू संघ के प्रदेश अध्यक्ष टहल सिंग साहू, पावन सानिध्य महंत श्री गोवर्धन शरण जी महामंडलेश्वर सिरकट्टीआश्रम, प्रदेश उपाध्यक्ष भुनेश्वर साहू, राजिम भक्तिन माता समिति के अध्यक्ष लाला साहू, डॉ महेंद्र साहू, डॉ रामकुमार साहू, जिला अध्यक्ष नारायण साहू, पांडुका परिक्षेत्र के अध्यक्ष वीरेंद्र साहू, सचिव डॉ श्रवण साहू, संरक्षक महेंद्र कुमार साहू, मोती साहू के विशेष उपस्थिति में समाज के विशिष्ट जनों का सम्मान किया गया, इसी कड़ी में वैद्यराज ओम प्रकाश साहू डांगनबाय (छुरा) जिला गरियाबंद निवासी को तैलिक रत्न सम्मान 2024 से अलंकृत करते हुए प्रशस्ति पत्र भेंट कर सम्मान किया गया, इस अवसर पर बधाई देने वालो में साहू समाज राजिम भक्तिन माता समिति के पदाधिकारी गण मिंजुन साहू, बाला राम साहू, डॉ लीलाराम साहू, डॉ ओंकार साहू, डॉ तोषन साहू, डॉ रमेश सोनसायटी, बोधन साहू, नूतन लाल साहू, जागेश्वर साहू, रामकुमार साहू, ईश्वरी साहू बरभाठा, भोले साहू, भवानी शंकर साहू, श्री कांत साहू, युवराज साहू, प्रेमलाल साहू, मेघनाथ साहू, रमेश साहू, छन्नु साहू, परदेसी राम साहू, चंद्रीका साहू, रविशंकर साहू, गैंदलाल, लखन, दीपक साहू, किशन साहू, सुखराम साहू सहित बड़ी संख्या में समाज प्रमुखों ने वैदराज साहू को बधाई दी है।

कार्यालय नगर पालिक निगम, रायपुर (जोन क्र.-10)
अमलीडीह पानी टंकी, रायपुर
E-mail ID - rmczone10@gmail.com

पत्र क्र./11301/ न.पा.नि./जोन क्र.-10/2024
रायपुर, दिनांक 16-05-2024

इश्तिहार

नामांतरण प्र.क्र. 11301
वार्ड का नाम- 50- रानी दुर्गावती वार्ड

एतद् द्वारा सूचित किया जाता है कि वार्ड 50 स्थित भवन/भूमि जिसका प्रॉपर्टी आई.डी. **RPR445O00516** जो की निगम अभिलेख श्री/श्रीमती **ARSHI AMBREEN BARI** पिता/पति, श्री/श्रीमती **RIYAZUL BARI** केनाम से दर्ज है, जिसको श्री/श्रीमती **SMT. NAMITA AGNIHOTRI** पिता/पति, श्री/श्रीमती **W/O SH. AMITABH AGNIHOTRI** ने मृत्यु प्रमाण पत्र, सह पत्र, शपथ पत्र, दान पत्र, हिब्बानामा, रजिस्ट्री विलेख के अनुसार/**पंजीकृत विक्रय विलेख**/ वंशानुक्रम/ अन्य अभिलेख द्वारा प्राप्त नगर पालिक निगम अधिनियम 1956 की धारा 167 के तहत द्वारा आवेदन किया है। यदि कोई व्यक्ति/संस्था उपरोक्त स्वामित्व परिवर्तन में हक या दावा रखते हैं, प्रकाशन के 30 दिन के भीतर प्रकरण क्रमांक सहित लिखित में अपना दावा/प्रस्तुत करें। निर्धारित समयावधि पश्चात प्राप्त दावा/आपत्ति पर किसी प्रकार की सुनवाई नहीं की जाएगी। जिसके लिए यह कार्यालय जिम्मेदार नहीं होगा।

-सूचना जारी करें-
श्री दिनेश कोसरिया
(जोन कमिश्नर)
जोन क्रमांक-10
नगर पालिक निगम, रायपुर (छ.ग.)

कार्यालय नगर पालिक निगम, रायपुर (जोन क्र.-1)
संतोषी नगर, खमतराई पानी टंकी, रायपुर
E-mail ID - rmczone1@gmail.com

पत्र क्र./10872/ न.पा.नि./जोन क्र.-1/2024
रायपुर, दिनांक 27-04-2024

इश्तिहार

नामांतरण प्र.क्र. 10872
वार्ड का नाम- 4 - यतियतन लाल वार्ड

एतद् द्वारा सूचित किया जाता है कि वार्ड 4 स्थित भवन/भूमि जिसका प्रॉपर्टी आई.डी. **RPR104B00283** जो की निगम अभिलेख श्री/श्रीमती **KISHORE KUMAR PATEL/ JAGDISH PATEL** पिता/पति, श्री/श्रीमती **LATE. MAHENDRA BHAI PATEL/ NAROTTAM BHAI PATEL** के नाम से दर्ज है, जिसको श्री/श्रीमती **AMRIT LAL PATEL** पिता/पति, श्री/श्रीमती **LADHARAM PATEL** ने मृत्यु प्रमाण पत्र, सह पत्र, शपथ पत्र, दान पत्र, हिब्बानामा, रजिस्ट्री विलेख के अनुसार/ **पंजीकृत विक्रय विलेख** / वंशानुक्रम/अन्य अभिलेख द्वारा प्राप्त नगर पालिक निगम अधिनियम 1956 की धारा 167 के तहत द्वारा आवेदन किया है। यदि कोई व्यक्ति/संस्था उपरोक्त स्वामित्व परिवर्तन में हक या दावा रखते हैं, प्रकाशन के 30 दिन के भीतर प्रकरण क्रमांक सहित लिखित में अपना दावा/प्रस्तुत करें। निर्धारित समयावधि पश्चात प्राप्त दावा/आपत्ति पर किसी प्रकार की सुनवाई नहीं की जाएगी। जिसके लिए यह कार्यालय जिम्मेदार नहीं होगा।

-सूचना जारी करें-
श्री हितेन्द्र यादव
(जोन कमिश्नर)
जोन क्रमांक- (1)
नगर पालिक निगम, रायपुर (छ.ग.)

कार्यालय नगर पालिक निगम, रायपुर (जोन क्र.-1)
संतोषी नगर, खमतराई पानी टंकी, रायपुर
E-mail ID - rmczone1@gmail.com

पत्र क्र./10607/ न.पा.नि./जोन क्र.-1/2024
रायपुर, दिनांक 18-04-2024

इश्तिहार

नामांतरण प्र.क्र. 10607
वार्ड का नाम- 4 - यतियतन लाल वार्ड

एतद् द्वारा सूचित किया जाता है कि वार्ड 4 स्थित भवन/भूमि जिसका प्रॉपर्टी आई.डी. **RPR104B0201B** जो की निगम अभिलेख श्री/श्रीमती **VITHAL DAS PATEL** पिता/पति, श्री/श्रीमती **HARILAL PATEL** के नाम से दर्ज है, जिसको श्री/श्रीमती **LALJI PATEL** पिता/पति, श्री/श्रीमती **HARILAL PATEL** ने मृत्यु प्रमाण पत्र, सह पत्र, शपथ पत्र, दान पत्र, हिब्बानामा, रजिस्ट्री विलेख के अनुसार/ **पंजीकृत दानपत्र**/ वंशानुक्रम/अन्य अभिलेख द्वारा प्राप्त नगर पालिक निगम अधिनियम 1956 की धारा 167 के तहत द्वारा आवेदन किया है। यदि कोई व्यक्ति/संस्था उपरोक्त स्वामित्व परिवर्तन में हक या दावा रखते हैं, प्रकाशन के 30 दिन के भीतर प्रकरण क्रमांक सहित लिखित में अपना दावा/प्रस्तुत करें। निर्धारित समयावधि पश्चात प्राप्त दावा/आपत्ति पर किसी प्रकार की सुनवाई नहीं की जाएगी। जिसके लिए यह कार्यालय जिम्मेदार नहीं होगा।

-सूचना जारी करें-
श्री हितेन्द्र यादव
(जोन कमिश्नर)
जोन क्रमांक- (1)
नगर पालिक निगम, रायपुर (छ.ग.)

कार्यालय नगर पालिका परिषद कुम्हारी, जिला- दुर्ग (छ.ग.)
।। दावा आपत्ति सूचना ।।

क्रं. / 387 / राज.वि. / नामां. / 2024
कुम्हारी, दिनांक 16/05/2024

नगर पालिका परिषद कुम्हारी में अपने स्वयं के भवन/भूमियों को क्रय-विक्रय किया जाकर नगर पालिका अभिलेख में नाम परिवर्तन करने हेतु निम्नानुसार आवेदन प्राप्त हुआ है। उक्त प्रकरणों पर नगर पालिका अधिनियम 1961 की धारा 150 के तहत् नामांतरण किये जाने पर यदि किसी भी व्यक्ति / संस्था / समुदाय को आपत्ति हो तो इस सूचना के समाचार पत्र में प्रकाशन होने की तिथि से 30 दिन के अन्दर लिखित में नगर पालिका कार्यालय में अपना दावा / आपत्ति आवेदन प्रस्तुत कर सकते हैं। भवन/भूमि नामांतरण संबंधी विवरण निम्नानुसार है :-

हस्तांतरणकर्ता का नाम व पता- श्री राजेश पंजवानी पिता श्री टी.एस. पंजवानी, वार्ड क्र.-14, कुम्हारी, जिला- दुर्ग (छ.ग.)।

हस्तांतरिती का नाम व पता- श्रीमती आर. रेणु पति श्री आर. नाग राजू, वार्ड क्रं.-14, कुम्हारी, जिला-दुर्ग (छ.ग.)।

भवन/भूमि का विवरण- खसरा क्रं.-352/1, एल.आई.जी. 1/115, क्षेत्रफल 45 वर्ग मीटर, वार्ड क्र.-14, हाउसिंग बोर्ड कॉलोनी, कुम्हारी, जिला- दुर्ग (छ.ग.)।

नामांतरण का आधार- विक्रय विलेख के आधार।

मुख्य नगर पालिका अधिकारी
नगर पालिका परिषद कुम्हारी

कार्यालय सम्पदा अधिकारी, छत्तीसगढ़ गृह निर्माण मण्डल, सम्पदा प्रबंधन प्रक्षेत्र-03, मौलश्री विहार, रायपुर (छ.ग.)फोन नं.-0771-2991574
Email Id: eocghbzone03@gmail.com

आम-सूचना

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि दीनदयाल आवास योजना **सेजबहार,** रायपुर में निर्मित **भवन क्र. एल.आई.जी.-797, श्रीमती चंद्रकांता अरमो पति श्री एच.एस. अरमो,** के नाम पर इस कार्यालय का आबंटन आदेश क्रमांक **6427** दिनांक **15.11.2006** द्वारा भाड़ाक्रय आधार पर आबंटित किया गया है। आबंटी द्वारा उक्त भवन का पूर्ण मूल्य जमा कर अपने पक्ष में दिनांक **24.01.2020** को सेलडीड पंजीकृत कर लिया गया है। वर्तमान में आबंटी **श्रीमती चंद्रकांता अरमो पति श्री एच.एस. अरमो,** की मृत्यु दिनांक **30.04.2021** को हो जाने के कारण उनके वारिसान पुत्र **श्री चित्रेश अरमो पिता श्री एच.एस. अरमो,** निवासी- आवास क्र.-F/7, संस्था परिसर शास. कन्या पॉलिटेक्निक, बैरन बाजार, रायपुर (छ.ग.) के द्वारा प्रस्तुत आवेदन पत्र, मृत्यु प्रमाणपत्र, शपथ पत्र, सहमति पत्र एवं अन्य दस्तावेज प्रस्तुत किया गया है।

अत: उक्त भवन के नामांतरण के संबंध में किसी भी व्यक्ति, शासकीय/ अर्द्धशासकीय संस्था निकाय, बैंक अथवा वित्तीय संस्था, को कोई आपत्ति हो तो इस आम सूचना प्रकाशन के 15 दिवस के अन्दर लिखित आपत्ति मय दस्तावेज अधोहस्ताक्षरकर्ता के कार्यालय में प्रस्तुत करें। अन्यथा बाद में प्राप्त होने वाली आपत्ति पर विचार नहीं किया जावेगा।

सम्पदा अधिकारी,
छत्तीसगढ़ गृह निर्माण मण्डल,
प्रक्षेत्र-03, मौल श्री विहार, रायपुर छ.ग.

कार्यालय सम्पदा अधिकारी, छत्तीसगढ़ गृह निर्माण मण्डल, सम्पदा प्रबंधन प्रक्षेत्र-02, शंकर नगर रायपुर (छ.ग.), फोन नं.- 0771-4903223
Email Id: eocghbzone02@gmail.com

आम-सूचना

सर्व-साधारण को सूचित किया जाता है कि सामान्य आवास योजनांतर्गत, **कॉलोनी, दोन्देखुर्द , रायपुर** में स्थित **सीनि. एल.आई.जी.** भवन क्रमांक-**541, श्री संजय कुमार जोशी पिता श्री नोहरी लाल जोशी एवं श्री विजय कुमार जोशी पिता श्री नोहरी लाल जोशी,** निवासी- सतनीमी पारा, परसट्टी, पो. बेन्दरी, तहसील- अभनपुर, जिला- रायपुर (छ.ग.) को ऑपर/ स्ववित्तीय/ भाड़ाक्रय आधार पर आबंटित किया गया था। उनके द्वारा दिनांक **04.02.2009** को अने नाम पर लीजडीड/ सेलडीड/ विक्रय विलेख पंजीयन कराने के उपरांत दिनांक **23.10.2013** को हस्तांतरण विलेख (**फ्री-होल्ड**) निष्पादित करा लिया गया है। हस्तांतरण विलेख निष्पादन उपरांत उक्त भवन को क्रेता **श्रीमती जमुना तिवारी पति श्री अश्वनी कुमार तिवारी,** निवासी- सीनि. एल.आई.जी. भवन क्रमांक-174 हाउसिंग बोर्ड कॉलोनी, दोन्देखुर्द रायपुर (छ.ग.) के पक्ष में दिनांक **05.07.2018** को विक्रय कर दिया गया है। वर्तमान में क्रेता **श्रीमती जमुना तिवारी पति अश्वनी कुमार तिवारी** द्वारा उक्त भवन को (**फ्री-होल्ड**) पश्चात अपने नाम पर मण्डल अभिलेख में दर्ज किये जाने हेतु इस कार्यालय में अपना आवेदन पत्र प्रस्तुत किया गया है।

अत: उक्त भवन के **फ्री-होल्ड** उपरांत मण्डल अभिलेख में दर्ज के संबंध में किसी व्यक्ति, शासकीय व अर्द्धशासकीय संस्था, निकाय, बैंक अथवा वित्तीय संस्था को कोई आपत्ति हो तो इस आम सूचना प्रकाशन के 15 दिवस के अन्दर लिखित आपत्ति मय दस्तावेज अधोहस्ताक्षरकर्ता के कार्यालय में प्रस्तुत करें। अन्यथा बाद में प्राप्त होने वाली आपत्ति पर विचार नहीं किया जावेगा।

सम्पदा अधिकारी,
छत्तीसगढ़ गृह निर्माण मण्डल,
सम्पदा प्रबंधन प्रक्षेत्र-02, रायपुर (छ.ग.)

www.dainikvishwapariwar.com
vishwapariwarraipur@gmail.com

दैनिक
विश्व परिवार

बिलासपुर संभाग

रायपुर शुक्रवार 17 मई 2024

शासकीय भूमि में अतिक्रमण पर नजर रखने के साथ हटाने की कार्यवाही करें : कलेक्टर

समय सीमा की बैठक में हुई विभागीय कार्यों की समीक्षा

नियम विरूद्ध राखड़ परिवहन पर कार्यवाही के दिए निर्देश

कोरबा (विश्व परिवार)। कलेक्टर अजीत वसंत ने समय सीमा की बैठक में जनहित के महत्वपूर्ण कार्यों की समीक्षा की। उन्होंने जिले में मतदान कार्य शांतिपूर्ण ढंग से कराने पर नोडल अधिकारियों सहित सभी को बधाई और शुभकामनाएं देते हुए मतगणना के कार्यों को भी जिम्मेदारी से पूर्ण करने के निर्देश दिए। बैठक में कलेक्टर श्री वसंत ने टीएल के संबंधित पत्र, विभागीय कार्यों के क्रियान्वयन और अन्य गतिविधियों पर चर्चा की और सभी एसडीएम सहित अधिकारियों को निर्देशित किया कि वे विभागीय कार्यों तथा निर्माण कार्य की प्रगति की जानकारी फील्ड पर जाकर लें। कलेक्टर ने जिले में शासकीय भूमि पर अतिक्रमण को रोकने के निर्देश देते हुए कहा कि ग्रामीण, शहरी इलाकों में हाल ही में किये गये शासकीय भूमि पर अतिक्रमण को शीघ्र हटाए। खेल मैदानों, स्कूलों के आसपास सहित महत्वपूर्ण स्थानों से अतिक्रमण हटाया जाए। उन्होंने अतिक्रमण पर विशेष नजर रखते हुए कार्यवाही के निर्देश दिए हैं। कलेक्टर ने सभी शासकीय विभागों को विभाग की रिक्त भूमि पर सूचना बोर्ड लगाने के भी निर्देश दिए। कलेक्टर ने स्वास्थ्य सेवाओं की समीक्षा करते हुए प्रगति लाने के निर्देश दिए। उन्होंने छात्रावास, आश्रमों के निरीक्षण के निर्देश दिए। कलेक्टर ने ईंट भट्ठों में संचालित बालवाड़ी में, आंगनबाड़ी केंद्रों में समय पर भोजन सहित अन्य सामग्री का वितरण करने के साथ ही निर्देशित किया कि आंगनबाड़ी केंद्रों में पर्याप्त बच्चों की उपस्थिति होने के साथ समय पर केंद्र का संचालन तथा अन्य गतिविधियां संचालित किया जाएं। बैठक में कलेक्टर ने आंगनबाड़ी केंद्र, स्कूलों में विद्युतीकरण, पहुँचमार्ग, विद्युतविहीन गांवों में विद्युतीकरण के सम्बंध में आवश्यक निर्देश संबंधित अधिकारियों को दिए। उन्होंने राजस्व के लंबित प्रकरणों के निराकरण के निर्देश देते हुए कहा कि सीमांकन के प्रकरणों का बारिश से पूर्व निराकृत किया जाए। कलेक्टर ने जिले में होने वाले राखड़ परिवहन पर नजर रखने और नियम विरुद्ध राखड़ परिवहन करने पर संबंधित वाहन पर कार्यवाही के निर्देश एसडीएम, पर्यावरण अधिकारी, परिवहन अधिकारी को निर्देशित किया। कलेक्टर ने विभागों में अनुकम्पा नियुक्ति, पेंशन के प्रकरणों पर कार्यवाही करने, निलम्बन के मामलों पर जाँच कर बहाल कर संबंधित से कार्य लेने के निर्देश दिए। उन्होंने डीएमएफ अन्तर्गत मांगी गई जानकारी प्रस्तुत करने, निरस्त किये गए कार्यों और अप्रारम्भ कार्यों की राशि जमा करने के निर्देश दिए।

पहाड़ी क्षेत्र में गहराई पानी की समस्या

लोगों की बढ़ी मुश्किलें

कोरबा (विश्व परिवार)। एसईसीएल के ओवरबर्डन पहाड़ी क्षेत्र में कुछ साल पहले बसी गायत्री नगर बसाहट में भीषण गर्मी में लोगों को दूर से पानी का इंतजाम करना पड़ रहा है। मोहल्ले में टैंकर से जल आपूर्ति की जा रही है, लेकिन वह नाकाफी साबित हो रही है। एसईसीएल कॉलोनी के समीप स्थित गायत्री नगर में पेयजल की समस्या गहराई हुई है। गर्मी के दिनों में यह समस्या और बढ़ गई है। वार्ड नंबर 27 के अंतर्गत आने वाले इस मोहल्ले में करीब 70 परिवार निवास करते हैं। मोहल्ले में नगर निगम द्वारा बिछाई गई पाइप लाइन के माध्यम से पेयजल की आपूर्ति होती है। वर्तमान में सुबह-शाम मात्र आधा पौन घंटे के लिए पानी की आपूर्ति की जा रही है। पहले पानी सभी को पर्याप्त मिल रहा था, किंतु जैसे ही गर्मी बढ़ी पानी की खपत भी बढ़ी है। इसके अलावा कई घरों में टुल्लू पंप लगा लिया गया है जिसके कारण लोगों को पानी के लिए जूझना पड़ रहा है। मोहल्लेवासियों ने इसकी शिकायत वार्ड पार्षद से की जिस पर पार्षद द्वारा निगम स्थानीय लोगों ने बताया कि पड़ोसी जिलों में कई लोगों के गृह ग्राम है, जो यहां मोहल्ले में रहकर विभिन्न कामकाज करते हैं। पानी की समस्या को देखते हुए कई परिवारों ने गांव की ओर रूख कर लिया है। पानी की समस्या इतनी विकराल है कि गुजर बसर मुश्किल हो रहा है। एक तरफ नगर निगम द्वारा घर-घर पानी पहुंचाने का दावा किया जा रहा है तो दूसरी ओर शहर से लगे मोहल्ले में पानी की समस्या को लेकर पलायन की स्थिति निर्मित हो गई है। अधिकारियों से टुल्लू पंप हटाने की बात कही गई थी, लेकिन इस दिशा में कोई कार्रवाई नहीं हुई है। लोगों ने बताया कि जिन्होंने टुल्लू पंप लगाया है उन्होंने निगम के पानी मीटर से पहले बाइपास कर लिया है।

उत्पाद बेचने का झांसा देकर ग्रामीण से ठगे 26,500 रूपए, शिकायत पर अपराध दर्ज

कोरबा (विश्व परिवार)। घर की दीवार पर प्रचार-प्रसार के लिए विज्ञापन बनाने और उससे संबंधित उत्पाद बेचने का झांसा देकर एक ग्रामीण से 26 हजार 500 रुपए की ठगी कर ली। चार माह बाद भी न तो उसे विज्ञापन का पैसा मिला और न ही उत्पाद। तब उसने मामले की शिकायत पुलिस के समक्ष दर्ज कराई। पुलिस ने धोखाधड़ी का केस दर्ज कर विवेचना शुरू कर दी। घटना पाली थाना अंतर्गत चैतमा चैकी क्षेत्र में शामिल ग्राम तेलसरा की है। यहां निवासरत राजभवन सिंह 21 फरवरी की सुबह अपने घर के पास दुकान खोलने के लिए काउंटर बनवा रहा था। इसी बीच अमरजीत सिंह सलूजा नामक व्यक्ति उसके घर पहुंचा और बताया कि राजभवन अपने घर की दीवार में नेहा एंड लवली का विज्ञापन बना ले ,तो उसे हर माह कंपनी की ओर से छह हजार रुपए प्राप्त होंगे। बेचने के लिए नेहा एंड लवली का उत्पाद भी मिलेगा। सलूजा ने उसी दिन चार कार्टून माल नेहा एंड लवली का राजभवन को दिया और 26 हजार 500 रुपए का भुगतान करने के लिए कहा। राजभवन ने फोन पे के माध्यम से सलूजा के बैंक खाते में उक्त राशि भेज दी। सलूजा अपनी कार से रायपुर चला गया। उसके बाद एक-दो बार राजभवन की सलूजा से बातचीत हुई। सलूजा ने पंपलेट और पोस्टर बैनर छपाकर राजभवन के पास आने की बात कही। कई माह गुजर गए, लेकिन राजभवन को न तो प्रचार-प्रसार का पैसा मिला और न नेहा एंड लवली का। ठगी के शिकार ग्रामीण ने मामले की जानकारी चैतमा चैकी को दी।

चिर्रा व गीतकुंवारी में फसल रौंद सरहद पहुंचे हाथियों का दल

कोरबा (विश्व परिवार)। जिले के कटघोरा व कोरबा वन मंडल में हाथी समस्या लगातार बनी हुई है। दोनों ही डिविजन के जंगल में बड़ी संख्या में हाथी विचरण कर रहे है। जो फसलों को नुकसान कर ग्रामीणों के साथ साथ वन विभाग की नाको में दम कर ररखे है। कोरबा वन मंडल के कुदमुरा रेंज में मौजुद 22 हाथियों के दल ने बीती रात गीतकुंवारी व चिर्रा गांव में अनेक ग्रामीणों के खेतों में लगे धान फसल को रौंदने के बाद कोरबा व धरमजयगढ़ वन मंडल की सरहद पर पहुंच गया। वहां विश्राम करने लगा । हाथियों को आज सुबह क्षेत्र के लोगों ने देखा और इसकी सूचना वन विभाग के अधिकारियों व कर्मचारियों की दी । जिस पर विभाग का अमला मौके पर पहुंचकर हाथियो की निगरानी में जुट गया है। वन विभाग के अधिकारियों के मुताबिक हाथियो का दल अभी सरहद पर है इसके आज रात में आगे की ओर बढने और धरमजयगढ़ जाने की संभावना है। उधर कटघोरा वन मंडल के केंदई जटगा व पसान रेंज में भी बड़ी संख्या में हाथियो के विचरण करने से ग्रामीणों को खतरा बढ़ गया है।क्योकि ग्रामीण बड़ी संख्या में तेंदुपत्ता संग्रहण के लिए घरों से निकलकर जंगल पहुंच रहे है। ऐसे में उनका सामना जंगली हाथियों से हो सकता है जो नुकसान पहुंचा सकते है।

कुआंभट्ठा क्षेत्र में जमीन हथियाने बढ़ा अवैध कब्जा

योजना के तहत इलाके को खाली कराने होगा काम

कोरबा (विश्व परिवार)। नेहरू नगर वार्ड के अंतर्गत कुआंभट्ठा बस्ती में मुख्य मार्ग के सामने सैकड़ों मीटर की लंबाई में नगर निगम की जमीन पर सैकड़ों की संख्या में लोगों ने अवैध कब्जा कर लिया है। उन्हें उम्मीद है कि देर-सबेर वोट बैंक के लिए सरकार इसे भी पट्टा दे देगी। लेकिन ऐसा मानना भूल होगी। इस इलाके में नए सिरे से किये जा रहे एक निर्माण पर निगम ने आंख तरेरी है। कहा गया है कि योजना के तहत इस इलाके को खाली कराने का काम कराया जाएगा। गुरु घासीदास तिराहे से रिकांडो चैक बुधवारी की तरफ जाने वाला इलाका कुआंभट्ठा नेहरू नगर के नाम से जाना जाता है। सडक के एक हिस्से में सीएसईबी और बालको के रेलवे ट्रैक हैं। सीएसईबी ट्रैक के आसपास की अपनी जमीन सुरक्षित कर रही है और उसे वार्वेट तार से बेरिकेट किया है। इसके दूसरी तरफ की जमीन नगर निगम की है। इसी हिस्से को हड़पने का काम लंबे समय से चल रहा है। यह बात अलग है कि इस तरफ नगर निगम उदासीन रहा है। अब की स्थिति में यहां छोटे-बड़े ठेले-टपरे के साथ-साथ शेड बना लिये गए हैं। कुछ समय पहले एक मंदिर भी तैयार हो गया। उसकी प्राण प्रतिष्ठा भी नगर निगम की जानकारी में हो गई। खबर के मुताबिक और भी कई प्रकार के काम इस क्षेत्र में चल रहे हैं। करोड़ों की जमीन को हासिल करने के लिए कब्जाधारी कवायद में लगे हैं वहीं दूसरी ओर नगर निगम भी अपनी जमीन को बचाने की चिंता में है। हाल में ही निगम ने दादरखुर्द में शराब और एसएलआरएम सेंटर के पास सरजू चैहान और मानिकपुर चैकी पुलिस की एक आरक्षक द्वारा किये गए अवैध निर्माण को ध्वस्त करने की कार्रवाई की। जिला प्रशासन के निर्देश पर इस कार्रवाई को अंजाम दिया गया है। निगम को अतिक्रमण के सभी मामलों में ठोस कार्रवाई करने के लिए कलेक्टर अजीत वसंत के द्वारा साप्ताहिक समय सीमा की बैठक में निर्देशित किया गया है। उक्तानुसार उसे कदम बढ़ाने पड़ रहे हैं। कहा गया है कि संबंधित क्षेत्रों का सर्वेक्षण करने के साथ अतिक्रमण हटाने की कार्रवाई की जाएगी। कुआंभट्ठा के सामने के क्षेत्र में तीन साल पहले नगर निगम ने फेंसिंग कराई थी। अपनी जमीन सुरक्षा के लिए यह काम किया गया था। कुछ स्थानों पर इसे लोगों ने तोड़ दिया है। मौके पर बेजा कब्जा किये जाने की शिकायत मिली है।

सूखे पड़े मुड़ापार तालाब का हो रहा दुरूपयोग

जल संरक्षण के दावों की खुली पोल

कोरबा (विश्व परिवार)। शहरी क्षेत्र में रामसागरपारा और संजय नगर लक्ष्मणबन इलाके के कई पुराने तालाबों को पाटने के साथ मिटा दिया गया। उनके व्यवसायिक उपयोग को लेकर काफी समय से खबरें आती रही हैं। इधर इस गर्मी में शारदा विहार वार्ड के अंतर्गत आने वाले मुड़ापार तालाब का हाल बेहाल है जहां एक बूंद पानी नहीं है। यह स्थिति तब है जब राज्य सरकार की सरोवर-धरोहर योजना के अंतर्गत इसका कायाकल्प कराया गया और कई प्रकार के काम भी कराए गए। डेढ़ दशक पहले नगर निगम की ओर से सरोवर-धरोहर योजना का क्रियान्वयन शहरी क्षेत्र में कराया गया था। इस दौरान अकेले मुड़ापार तालाब की साफ-सफाई से लेकर गहरीकरण आदि कार्यों पर दो करोड़ रुपए की राशि खर्च की गई थी। योजना के अंतर्गत इसके चारों तरफ घेराबंदी कराई गई और स्ट्रीट लाइट की व्यवस्था की गई। बाद के वर्षों में इसी तालाब को संवारने के लिए फिर से राशि का प्रावधान किया गया। इतना सबकुछ होने पर लोगों ने देखा कि बारिश से लेकर ठंड के मौसम तक ही तालाब में पानी की उपस्थिति बनी रही और इसके बाद यह तालाब डबरी में तब्दील हो गया। कई वर्षों तक गर्मी के मौसम में इस प्रकार के नजारे यहां देखने को मिलते रहे। इस वर्ष स्थिति बिल्कुल अलग है। तीन एकड़ से ज्यादा क्षेत्रफल से पहले तालाब का अवलोकन करने पर पता चला कि पूरे इलाके में कहीं भी पानी नहीं है और ऐसे में अब इसके एक हिस्से में निवासरत स्लम इलाके के लोग इसका उपयोग शौच के लिए तब कर रहे हैं जब स्वच्छ भारत मिशन के अंतर्गत शहर को ओडीएफ घोषित कर दिया गया है। बताया गया कि सुबह और शाम ढलने के बाद तालाब के कई हिस्सों में इसी प्रकार के नजारे देखने को मिलते हैं। कार्तिक महीने में पूर्वांचल की बड़ी संख्या छठ त्योहार के दौरान मुड़ापार तालाब में उपस्थिति दर्ज करती है। सुबह और शाम को अर्घ्य देने के लिए श्रद्धालुओं के अलावा दर्शक यहां पहुंचते हैं। बीते कई वर्षों से यह सिलसिला जारी है।

सिटीजन क्लब में मातृ दिवस पर सम्मानित किए गए मातृशक्ति एवं मनाया गया स्थापना दिवस

दल्लीराजहरा (विश्व परिवार)। कहते हैं मां किसी भी जीवात्मा की की प्रथम गुरु होती है द्य मां दुनिया के हर बच्चे के लिए सबसे खास और सबसे प्यारा रिश्ता है द्य मां और बच्चों का रिश्ता ऐसा अनूठा और भावनात्मक रिश्ता है जिसे शब्दों में व्यक्त करना कठिन कार्य है द्य मां त्याग स्नेह एवं प्रेम की प्रतिमूर्ति होती है द्य मां के बिना जिंदगी वीरान होती है द्य कहा जाता है मां का स्थान सर्वोपरि है द्य मां के ममता को सम्मान करने के लिए मातृ दिवस के अवसर पर सिटीजन क्लब दल्ली राजहरा में विशेष कार्यक्रम रखा गया द्य जिसमें बच्चों के द्वारा सभी माताओं को गुलाब का फूल देकर सम्मानित किया गया द्य इस अवसर पर क्लब के सभी सदस्य उपस्थित थे। क्लब के सचिव सी. श्रीकांत ने कहा कि मां का ममत्व को जीवन में कभी भुलाया नहीं जा सकता द्य माताओं को सम्मान करने का यह हमारा प्रथम प्रयास है द्य साथ ही क्लब के द्वारा 54 वां स्थापना दिवस मनाया गया द्य सिटीजन क्लब राजहरा की नींव 12 मई सन 1970 में बीएसपी महाप्रबंधक के द्वारा रखी गई थी द्य उपरोक्त जानकारी सिटीजन क्लब के सह सचिव नितीश छत्री के द्वारा दी गई।

संक्षिप्त समाचार

तेंदूपत्ता तोड़ने गई महिला पर भालू ने किया हमला, मौत

कोरबा(विश्व परिवार)। जिले के वनमंडल कटघोरा अंतर्गत केंदई रेंज में हाथियों के बाद अब भालुओं का आतंक शुरू हो गया है। यहां के जंगल में तेंदूपत्ता संग्रहण के लिए गई एक महिला पर आज सुबह भालू ने हमला कर दिया जिससे वह गंभीर रूप से घायल हो गई उसे उपचार के लिए अस्पताल ले जाया जा रहा था तभी रास्ते में दम तोड़ दी। वन विभाग ने तत्कालिक सहायता राशि रुपए 25 हजार मृतका के परिजनों को उपलब्ध करा दी है। जानकारी के अनुसार वन्य प्राणी के हमले की यह घटना ग्राम सिमगा में घटित हुई है। बताया जाता है कि यहां की निवासी सीता बाई पति मुखीराम गोंड़ आज सुबह जंगल के कक्ष क्रमांक ओए-689 में तेंदूपत्ता तोडने गई थी तभी उसका सामना एक पेड़ के पीछे छिपे खूंखार भालू से हो गया। भालू ने देखते ही हमला कर दिया और महिला को गंभीर रूप से घायल कर दिया। जानकारी मिलने पर ग्रामीणों ने उसे उपचार के लिए अस्पताल ले जा रहे थे तभी रास्ते में दम तोड़ दिया। वन विभाग को सूचना मिलने पर उसके अधिकारी गांव पहुंचे और घटना की जानकारी लेने के साथ मृतका के परिजनों को तत्कालिक सहायता राशि 25 हजार रुपए उपलब्ध कराई। वन्य प्राणी के हमले में जन क्षति पर 6 लाख रुपए दिए जाने का प्रावधान है। शेष राशि पीएम रिपोर्ट के आने पर दी जाएगी।

छात्रा से दुष्कर्म के आरोप में शिक्षक निलंबित

गौरेला-पेण्ड्रा-मरवाही(विश्व परिवार)। जिले के गौरेला विकासखंड के एक छात्रा से दुष्कर्म के मामले में शिक्षक को निलंबित कर दिया गया है. जिला शिक्षा अधिकारी ने निलंबन आदेश जारी कर दिया है. मामले की शिकायत थाने में दर्ज कराए जाने के बाद से आरोपी शिक्षक महेंद्र कुमार सोनी फरार चल रहा है. शिक्षक संघ ने आरोपी शिक्षक के विरुद्ध कड़ी कार्यवाही करने की मांग की थी। शिक्षक महेंद्र सोनी गौरेला विकासखंड स्थित स्कूल में पदस्थ है, जो अपनी ही स्कूल में पढ़ाई करने वाला छात्रा का 12 साल की उम्र से शारीरिक शोषण कर रहा था. छात्रा के गर्भवती होने पर मामले की जानकारी हुई, जिसके बाद पीड़िता ने अपने परिजनों को आपबीती सुनाई. इसके बाद परिजन पीड़िता को साथ लेकर गौरेला थाना पहुंचकर मामले की शिकायत दर्ज कराई।

एक व्यक्ति की पत्थर से सिर कुचलकर हत्या

भाटापारा(विश्व परिवार)। जिले में हत्या का एक सनसनीखेज मामला सामने आया है. भाटापारा शहर में एक व्यक्ति की पत्थर से कुचलकर निर्मम हत्या कर दी गई है. घटना से इलाके में हड़कंप मच गया है. घटना की सूचना मिलते ही पुलिस घटनास्थल पर पहुंची और मामला दर्ज कर जांच में जुट गई है. वहीं एक संदिग्ध को हिरासत में लेकर पुलिस पूछताछ कर रही है। जानकारी के अनुसार, भाटापारा शहर थाना क्षेत्र में बीती रात माता देवालय वार्ड के शांतिनगर में एक 50 वर्षीय व्यक्ति अखिलेश यादव की रक्त रंजित लाश मिली. सूचना मिलने पर मौके पर पुलिस पहुंची और मर्ग कायम कर जांच में जुट गई है. बताया जा रहा है कि मृतक मिल में मजदूरी का काम करता था। मामले में थाना प्रभारी योगिता खापर्डे ने बताया कि घटना रात लगभग दो बजे के आसपास की है. पुलिस को सूचना मिली कि एक व्यक्ति अखिलेश यादव की लाश पड़ी है. घटना की सूचना मिलते ही पुलिस की टीम घटना स्थल पहुंच कर जांच में जुट गई।

आचार संहिता हटने के बाद शुरू होगी ट्रैफिक पुलिस की कार्रवाई

कोरबा(विश्व परिवार)। लोकसभा चुनाव की आचार संहिता प्रभावशील होने के साथ जिले में कई प्रकार के कार्यों को बंद कर दिया गया। इस कड़ी में प्रशासन द्वारा गठित विशेष कार्यबल के द्वारा सीमा क्षेत्र में स्थापित किये गए चेक प्वाइंट पर आने-जाने वाले वाहनों की जांच जरूर की गई। लेकिन ट्रैफिक पुलिस के द्वारा की जाने वाली कार्रवाई थमी रही। चुनाव की आचार संहिता हटने के बाद नियम तोडने वाले वाहनों पर शिकंजा कसने का काम प्रारंभ होगा। लंबे समय से शहर की यातायात व्यवस्था को छोड़ अन्य इलाके में ट्रैफिक पुलिस नजर नहीं आ रही है। इसके दुष्परिणाम सामने आ रहे हैं। वाहनों में ओवर लोडिंग के साथ-साथ भार वाहकों में यात्रियों को लाने-ले जाने का काम जोर-शोर से चल रहा है। शहर से लेकर ग्रामीण क्षेत्र की सडकों और हाइवे पर अबाध गति से वाहनों का दौडना बताता है कि चालकों को किसी का डर-भय नहीं रह गया है। वजह यह भी है कि जब किसी प्रकार की चालान जैसी कार्रवाई ही नहीं होगी और थाने से लेकर कोर्ट के चक्कर नहीं लगाने पड़ेंगे तो चालक डरेंगे क्यों।

दैनिक
विश्व परिवार

विचार-पक्ष

रायपुर शुक्रवार 17 मई 2024

www.dainikvishwapariwar.com
vishwapariwarraipur@gmail.com

संपादकीय

अमन-चैन से सरकार चुन रहा कश्मीर....

न्यायिक सक्रियता का आगाज

सर्वोच्च न्यायालय ने आपराधिक मामलों की सुनवाई में अदालतों को सहभागिता-सक्रियता का निर्देश दिया है। कहा है कि अदालतें गवाहों, खास कर गुमराह हुए गवाहों, के बयान दर्ज करने वाला टेप-रिकार्डर भर नहीं हैं। दरअसल, यह पैसिवनेस है, जो दोतरफा मार करती है। पहले तो सरकारी वकील ऐसे गवाहों के प्रति ढीले पड़ जाते हैं। वे उससे जरूरी सवाल भी नहीं करते जिनसे कि उसके मुकरने की सटीक वजह मालूम होती। कोई भी आपराधिक मुकदमा गुमराह गवाहों की बदौलत जीता जाता है। इसमें सरकारी वकील, जो अभियोजन पक्ष के होते हैं, वे अपने पैने सवालों से सच उगलवा सकते हैं, पर वे इन सवालों को जानबूझ कर टाल जाते हैं। उनका यह कतराना भी बिका हुआ होता है, जबकि उन्हें सरकार से मोटी पगार मिलती है। इस स्थिति में बदलाव के लिए सरकारी वकीलों के पदों को वकील की राजनीतिक निष्ठा के आधार पर नहीं, उसकी पेशेवर सक्षमता के अनुसार भरा जाना चाहिए। योग्यता और नैतिक निष्ठा सबसे जरूरी आस्पेक्ट है। गलत और अक्षम वकीलों के चयन से मुकदमा जरूरी स्टेज पर कमजोर होने लगता है। दोषी मुकदमा जीत जाता है। पीड़ित को कभी भरोसा ही नहीं होता कि उसकी सुनवाई निष्पक्ष व पारदर्शी तरीके से होगी, उसे अंततः न्याय मिलेगा। यहां सबसे बड़ी क्षति न्यायाधीशों की अ-सक्रियता से होती है, जब वे अपनी भूमिका को गवाहों के बयान दर्ज करने तक सीमित कर अ-सहभागी हो जाते हैं। यह दोहरा घाटा है। इससे न्याय के उस प्राथमिक सिद्धांत का खंडन हो जाता है, जिसे सुलभ कराने के लिए न्यायपालिका का गठन हुआ है। इससे बचने के लिए सर्वोच्च न्यायालय अदालतों से गवाहों से जिरही होने की ताकीद करती है ताकि सच का खुलासा हो सके। मुकदमे पर रोशनी पड़े। पीड़ितों को न्याय मिले। यह बिल्कुल वाजिब ताकीद है। प्रायः देखा गया है कि बड़े से बड़ा कांड, यहां तक कि नरसंहार मामलों में भी गवाहों के मुकरने और अदालतों के जिरही न होने से दोषी छूटते रहे हैं। इससे न्याय व्यवस्था की भारी किरकिरी होती रही है। सर्वोच्च न्यायालय के ताजा निर्देश में इस नासूर हो चुकी स्थिति की एक बुनियादी पड़ताल है। अदालतों को सक्रिय होना है। इस अंदाज में कि अपराध का दूसरा पहलू सामने आ सके क्योंकि 'कोई अपराध आखिर में एक व्यक्ति के विरु द्ध ही नहीं, समाज के विरु द्ध भी होता है।' क्या यह न्यायिक सक्रियता का आगाज है? नहीं, इसकी अपनी सीमा है पर यह कई बार न्याय व जन हित में लाजिमी है।

विभूति नारायण राय

साल था 1993 और महीना जनवरी का, जब कश्मीर घाटी में चिल्ला-ए-कलां की सर्दियां और आतंकवाद अपने उरूज पर थे। घाटी में मेरी तैनाती का तीसरा दिन था और मेरे पूर्वाधिकारी मुझे इलाके से परिचित कराने के लिए बांदीपुर के पास मलनगाम नामक बड़े से पहाड़ी गांव पर लेकर गए थे। सुलग रहे तत्कालीन कश्मीर से उस पहले साक्षात्कार की एक बात जो मुझे आज भी याद है, वह यह है कि हमारे ईद-गिर्द एकत्र ग्रामीणों ने बातचीत करते समय बताया था कि घाटी में भारत के सबसे लोकप्रिय प्रधानमंत्री मोरारजी देसाई रहे हैं। यह मेरे लिए एक आश्चर्यजनक सूचना थी, पर आज चुनावों के मौके पर याद आ रही है। ग्रामीणों के बीच मोरारजी भाई की लोकप्रियता का राज आम चुनावों में निहित था, इसीलिए आज भी प्रासंगिक है। आजादी के बाद जम्मू-कश्मीर राज्य भारतीय संघ में सम्मिलित तो हुआ, पर असाधारण घटनाक्रम के बाद। यह भी कम दुर्भाग्यपूर्ण नहीं था कि जितनी तकलीफदेह विलय की प्रक्रिया थी, उससे कम चुनौतियां इस सीमावर्ती राज्य में भविष्य में निष्पक्ष चुनाव कराने में नहीं आईं। लगभग सारे आम चुनावों में धांधलियों के आरोप लगते रहे। चुनावों के दौरान एक आम दृश्य यह होता था कि सत्तारूढ़ दल के विरुद्ध लड़ रहे ज्यादातर उम्मीदवारों के पर्चे खारिज हो जाते थे और सत्ता पार्टी का उम्मीदवार निर्विरोध निर्वाचित घोषित कर दिया जाता था। धांधलियों के आरोपों के बीच जून 1977 के विधानसभा चुनाव पहले चुनाव थे, जिन्हें आम तौर से साफ-सुथरा माना गया। उन दिनों मोरारजी देसाई देश के प्रधानमंत्री थे और कश्मीरी नेता शेख अब्दुल्ला बहुत लोकप्रिय न होने के बावजूद बड़े बहुमत से चुनाव जीते थे। उन्हें जनता का विशाल बहुमत सिर्फ इसलिए मिला कि मतदाताओं के बीच प्रचार हो गया कि नई दिल्ली उन्हें हारता हुआ देखना चाहती है। इन चुनावों में कोई धांधली नहीं हुई और

इससे मोरारजी देसाई की मकबूलियत खूब बढ़ी और इसी कारण मलनगाम में मुझे वह प्रतिक्रिया मिल रही थी, जो मेरे लिए भी कम चौंकाने वाली नहीं थी और आज भी याद आ रही है। जम्मू-कश्मीर के हालिया चुनाव कई अर्थों में पहले के चुनावों से भिन्न हैं। एक तो अनुच्छेद 370 हटने के बाद ये पहले चुनाव हैं और दूसरे, ये उस समय हो रहे हैं, जब राज्य का एक बड़ा भूभाग लद्दाख अब एक पृथक केंद्रशासित प्रदेश बन चुका है। यह हाल के दिनों का पहला मौका है, जब चुनावों के बहिष्कार का कोई बड़ा आह्वान नहीं किया गया है। कश्मीरी जनता ने उस कुप्रचार को पूरी तरह से झूठा साबित कर दिया है कि अनुच्छेद 370 को हटाने के बाद उसके और भारतीय गणराज्य के रिश्ते कभी सामान्य नहीं हो सकेंगे। इन चुनावों में जितनी बड़ी चुनावी सभाएं हुईं, जितने उत्साह से लोगों ने मतदान में भाग लिया और जितनी कम हिंसा हुई, वह कुछ दिनों पहले तक अकल्पनीय थी। साल 2019 के पिछले आम चुनावों के दौरान बहिष्कार की आवाज इतनी मजबूत थी कि कुछ लोकसभा क्षेत्रों में तो सिर्फ नाम मात्र के मत पड़े थे। इस बार न सिर्फ क्षेत्रीय, बल्कि राष्ट्रीय दलों को भी अपनी बड़ी सभाएं करने का मौका मिल रहा है और अब तक जितने चरणों के चुनाव हुए, सबमें पहले के मुकाबले बंपर मतदान हुआ है। मतदान में धांधली के कोई बड़े आरोप अभी तक नहीं लगे हैं। इसका एक कारण तो शायद यही है कि वे सभी पृथकतावादी नेता जेल मे हैं, जो चुनाव के मौके पर बहिष्कार की अपील किया करते थे। साल 2019 में अनुच्छेद 370 हटने के बाद शांति व्यवस्था की स्थिति में उल्लेखनीय सुधार हुआ है और उसका नतीजा अभी तक हो चुके मतदान चरणों के शांतिपूर्वक संपन्न होने में दिख रहा है। चुनावी प्रक्रिया में जनता की बढ़ती भागीदारी के पीछे एक दिलचस्प कारण हमारे पड़ोस में हाल में घटित घटनाएं भी हैं। पिछले दिनों पाकिस्तान में भी आम चुनाव हुए और तमाम धांधलियों के बावजूद बमुश्किल एक कमजोर सरकार वजूद में आ सकी। देश के दो मजबूत इदारों, न्यायपालिका और फौज ने खुलेआम चुनाव आयोग से मिलकर इमरान खान को हराने की कोशिश की और इसमें कामयाब भी हुए। उनके हस्तक्षेप के बावजूद जनता ने इमरान की पार्टी को नेशनल असेंबली में अकेली सबसे बड़ी पार्टी बना दिया। पहले से आर्थिक बदहाली का शिकार देश पूरी तरह से दिवालिया होने के कगार पर पहुंच चुका है और बड़ी मुश्किल से आईएमएफ की मदद से अपने कर्जे चुका पा रहा है। ऐसे में, स्वाभाविक है कि घाटी में पाकिस्तान समर्थक विमर्श धीरे-धीरे अपनी चमक खोता जा रहा है। एक विदेशी अखबार में प्रकाशित कश्मीरी छात्र का इंटरव्यू इस सोच को भली-भांति अभिव्यक्त करता है। पहले पाक समर्थक पृथकतावादी आंदोलनों में भाग लेने की स्वीकारोक्ति करने वाला यह छात्र इस चुनाव में वोट डालने जा रहा है, क्योंकि पाकिस्तान की परिस्थितियां उसे निराश कर रही हैं। उसकी यह समझ बनी है कि आर्थिक अवसरों से भरपूर एक धर्मनिरपेक्ष भारत उसके लिए ज्यादा महत्वपूर्ण है, बजाय एक इस्लामी पाकिस्तान के, जो अपने अस्तित्व को बचाने की लड़ाई लड़ रहा है। साल 2024 के चुनाव कई मामलों में भारतीय गणराज्य को अद्भुत अवसर प्रदान करने वाले हैं। हमें यह नहीं भूलना चाहिए कि दिसंबर 1989 में धधक उठी आतंकवाद की ज्वाला किसी शून्य से नहीं उपजी थी। इसका तात्कालिक कारण 1987 के वे चुनाव थे, जिनमें जमकर धांधली हुई थी। इन चुनावों में जनता को बिना किसी दबाव या भय अपने प्रतिनिधि चुनने का अवसर देकर हम उन्हें राष्ट्र की मुख्यधारा में शरीक होने का मौका देंगे। अब समय आ गया है कि कश्मीरी जनता को उनका सांविधानिक अधिकार वापस किया जाए। विधानसभा की सीटों का परिसीमन पूरा हो चुका है और प्रधानमंत्री ने इसकी घोषणा भी कर दी है। उम्मीद की जानी चाहिए कि 2024 के चुनावों के बाद बनने वाली नई सरकार की प्राथमिकताओं में जम्मू-कश्मीर में लोकतंत्र की बहाली पहली प्राथमिकता होगी। यह भी हमेशा याद रखने की जरूरत है कि एक धर्मनिरपेक्ष भारत से ही कश्मीर का रिश्ता अटूट रहेगा। निष्पक्ष चुनाव पिछली गलतियों को सुधारने का मौका देंगे। अब तक तो लग यही रहा है कि ये चुनाव जनता को एहसास कराने में सफल होंगे कि उनके मताधिकार पर कोई डाका नहीं डालेगा।

विशेष लेख

सोशल मीडिया प्लेटफार्मो पर निगरानी की कमी

प्रियंका सौरभ

मानव तस्करी में बल, धमकी या जबरदस्ती जैसे तरीकों का उपयोग करके व्यक्तियों को परिवहन करना, भर्ती करना, स्थानांतरित करना, आश्रय देना और प्राप्त करना शामिल हैं। इन कृत्यों और साधनों का अंतिम उद्देश्य इन व्यक्तियों का शोषण के उद्देश्य से उपयोग करना है। मानव तस्करी के मामले में भारत दुनिया के शीर्ष देशों में शामिल है। पश्चिम बंगाल मानव तस्करी का नया केंद्र बन कर उभरा है। भारत से पश्चिम एशिया, उत्तरी अमेरिका तथा यूरोपीय देशों में मानव तस्करी होती है। दुनिया भर में मानव तस्करी के पीड़ितों में एक-तिहाई बच्चे होते हैं। एक अनुमान के अनुसार पिछले एक दशक में बांग्लादेश से लगभग 5 लाख महिलाएं, लड़कियां और बच्चे अवैध रूप से भारत में लाए गए और यह संख्या साल-दर-साल बढ़ती जा रही है। यही कारण है कि पश्चिम बंगाल आज भारत का सबसे बड़ा सेक्स बाजार बनकर उभरा है। आंकड़े इस बात की गवाही देते हैं। देश भर के कोठों में देह व्यापार करने वाली जो लड़कियां रिहा कराई गई, उनमें प्रति 10 लड़कियों में से 7 उत्तरी और दक्षिणी 24 परगना से लाई जाती हैं। समाज के सबसे कमजोर वगरे में से एक, जो तस्करी के प्रति अधिक संवेदनशील है, युवा महिलाएं हैं, और ऐसा इसलिए है क्योंकि अधिकांश समाजों में सामाजिक और सांस्कृतिक रूप से महिलाओं को अवमूल्यन और अवांछित माना जाता है। उन जगहों, जहां उनका जीवन दयनीय है, से पलायन करने की इच्छा व्यक्तियों को तस्करों से संपर्क करने के लिए तैयार करती है जो शुरु आती चरणों में उन्हें बेहतर जीवन के वादे के साथ लुभाते हैं, लेकिन एक बार जब पीड़ित उनके नियंत्रण में आ जाते हैं, तो उन्हें झुकाने के लिए जबरदस्ती के उपाय लागू किए जाते हैं। अन्य कारण हैं सीमाओं की छिद्रपूर्ण प्रकृति, भ्रष्ट सरकारी अधिकारी, अंतरराष्ट्रीय संगठित आपराधिक समूहों या नेटवर्क की भागीदारी और सीमाओं को नियंत्रित करने के लिए आव्रजन और कानून प्रवर्तन अधिकारियों की सीमित क्षमता या प्रतिबद्धता। पिछले कुछ वर्षो में तस्करी का खतरा ड्रग सिंडिकेट के बराबर एक संगठित आपराधिक सिंडिकेट बन गया है। इसने पैसे और भ्रष्ट राजनेताओं की मदद से समाज में अपनी जड़ें गहरी जमा ली हैं। भारतीय कानूनी ढांचे में ठोस परिभाषाओं की कमी भी इस उद्देश्य में मदद नहीं करती है क्योंकि विभिन्न तस्कर कानूनी पणालियों में तकनीकी खामियों के आधार पर छूट जाते हैं। ठोस परिभाषाओं के बिना भी, कानून पर्याप्त होने चाहिए थे, लेकिन भारत में इन कानूनों के कार्यान्वयन में बहुत कुछ अधूरा रह गया है। सोशल मीडिया प्लेटफार्मो पर निगरानी की कमी ने तस्करों के लिए अपना व्यापार जारी रखने के लिए एक नया मंच खोल दिया है। तस्करी की समस्या पर डेटा अपर्याप्त हैं, इसलिए तस्करों के पैटर्न और कार्य तंत्र उतने स्पष्ट नहीं हैं, जितने होने चाहिए। यहां तक कि जब पीड़ितों को तस्करों से बरामद किया जाता है तो उनका पुनर्वास इस तरह से नहीं किया जाता कि वे दोबारा तस्करी का शिकार न हों। आंकड़े इस बात की गवाही देते हैं। देश भर के कोठों में देह व्यापार करने वाली जो लड़कियां रिहा कराई गई, उनमें प्रति 10 लड़कियों में से 7 उत्तरी और दक्षिणी 24 परगना से लाई जाती हैं। समाज के सबसे कमजोर वगरे में से एक, जो तस्करी के प्रति अधिक संवेदनशील है, युवा महिलाएं हैं, और ऐसा इसलिए है क्योंकि अधिकांश समाजों में सामाजिक और सांस्कृतिक रूप से महिलाओं को अवमूल्यन और अवांछित माना जाता है। उन जगहों, जहां उनका जीवन दयनीय है, से पलायन करने की इच्छा व्यक्तियों को तस्करों से संपर्क करने के लिए तैयार करती है जो शुरु आती चरणों में उन्हें बेहतर जीवन के वादे के साथ लुभाते हैं, लेकिन एक बार जब पीड़ित उनके नियंत्रण में आ जाते हैं, तो उन्हें झुकाने के लिए जबरदस्ती के उपाय लागू किए जाते हैं। मानव तस्करी वर्तमान विश्व के सम्मुख उपस्थित कई बड़ी समस्याओं में से एक है। तमाम कोशिशों के बावजूद इसे रोक पाना संभव नहीं हो पा रहा है, और न केवल अल्प-विकसित तथा विकासशील देश, बल्कि विकसित राष्ट्र भी इस समस्या से अछूते नहीं हैं। मानव तस्करी भारत की भी प्रमुख समस्याओं में से एक है।

मतदान न करने वालों को सजा होनी चाहिए

बची सिंह रावत

उपाध्यक्ष जी, 17 दिसंबर, 2004 को इस पर चर्चा शुरू हुई थी कि देश की लोकसभा और विधानसभाओं के लिए जो मतदान हो, वह अनिवार्य होना चाहिए। इस संबंध में गैर-सरकारी विधेयक मेरे द्वारा प्रस्तुत किया गया था, जिस पर आज हम चर्चा कर रहे हैं। 17 दिसंबर, 2004 के बाद माननीय सर्वोच्च न्यायालय में पीपल यूनियन ऑफ सिविल लिबर्टीज, पीयूसीएल, द्वारा दायर एक जनहित याचिका पर माननीय न्यायालय ने भारत के अटॉर्नी जनरल को नोटिस देकर जवाब मांगा था, वह जनहित याचिका निगेटिव वोटिंग के बारे में थी। देश के मतदाता अधिकतर उदासीन रहते हैं और किसी को भी मतदान करना नहीं चाहते। ऐसी स्थिति में निगेटिव वोटिंग करने के लिए उन्हें अधिकार मिलना चाहिए और वोटिंग मशीन पर एक बटन या चिह्न नकारात्मक वोटिंग का भी अंकित होना चाहिए। इलेक्शन कमीशन को जब सूचना दी गई, तो उसने इस मामले का समर्थन करते हुए सर्वोच्च न्यायालय को जानकारी दी कि हमने सरकार को 10 दिसंबर, 2001 और 5 जुलाई, 2004 को दो बार ऐसा संशोधन जन-प्रतिनिधित्व अधिनियम के तहत करने के लिए निवेदन किया है।... आम मतदाता किसी को भी वोटिंग करना नहीं चाहता है, तो इसका नतीजा यह होता है कि कहीं 15 प्रतिशत और कहीं 20 प्रतिशत या दिल्ली जैसे शहर में 30 प्रतिशत मतदान होता है। सीधे-सीधे जो जनादेश आना चाहिए या स्वस्थ परंपरा आनी चाहिए, वह नहीं आ पाती है। इसलिए हमारा कहना यह है कि जब तक अनिवार्य मतदान नहीं होगा, तब तक निगेटिव वोटिंग का प्रावधान करने का भी कोई औचित्य नहीं होगा। इसलिए ये दोनों बिंदू एक-दूसरे से संबंधित हैं। ... अनेक देशों में अनिवार्य मतदान की व्यवस्था है और यह विचार नया नहीं है। सबसे पहले 1892 में बेल्जियम में इसे स्वीकार किया गया। उसके बाद 1914 में अर्जेंटीना में और 1924 में ऑस्ट्रेलिया में अनिवार्य मतदान की व्यवस्था की गई। आज ऐसी व्यवस्था करीब 32 देशों में है। उनका सीधा तर्क है कि जिस आजादी या मताधिकार को हजारों बलिदानों के बाद प्राप्त किया जाता है, उस मताधिकार के प्रति जब जागरूकता न हो, तो शासन या राज्य को ऐसा प्रावधान करना चाहिए कि जो मतदान में लगातार हिस्सा लें, उनको बढ़ावा दिया जाए और जो जान-बूझकर मतदान के लिए प्रस्तुत नहीं होते, उनके लिए दंड की व्यवस्था होनी चाहिए। यही मेरे विधेयक में व्यवस्था है। संसदीय लोकतंत्र की आत्मा मतदान है, जिसके कारण शासन या सत्ता सामने आती है और उसके द्वारा लिए गए तमाम निर्णयों से, न केवल वे लोग, जिन्होंने मतदान किया है, बल्कि जिन्होंने मतदान नहीं किया है, वे भी प्रभावित होते हैं।... यह चर्चा आज की नहीं है। पूर्व राष्ट्रपति आर वेंकटरमण ने इंडिया इंटरनेशनल सेंटर, नई दिल्ली में 16 अक्तूबर, 1999 को एक सेमिनार में कहा था कि 'राज्य के प्रति उनकी जिम्मेदारी को शामिल करने के लिए, मैंने 1951 में अंतरिम संसद में जन-प्रतिनिधित्व विधेयक पर चर्चा के दौरान प्रस्ताव रखा कि राज्य और राष्ट्रीय स्तर पर चुनाव में मतदान को अनिवार्य किया जाना चाहिए। देश के मतदाता अधिकतर उदासीन रहते हैं और किसी को भी मतदान करना नहीं चाहते। ऐसी स्थिति में निगेटिव वोटिंग करने के लिए उन्हें अधिकार मिलना चाहिए और वोटिंग मशीन पर एक बटन या चिह्न नकारात्मक वोटिंग का भी अंकित होना चाहिए। इलेक्शन कमीशन को जब सूचना दी गई, तो उसने इस मामले का समर्थन करते हुए सर्वोच्च न्यायालय को जानकारी दी कि हमने सरकार को 10 दिसंबर, 2001 और 5 जुलाई, 2004 को दो बार ऐसा संशोधन जन-प्रतिनिधित्व अधिनियम के तहत करने के लिए निवेदन किया है।... आम मतदाता किसी को भी वोटिंग करना नहीं चाहता है, तो इसका नतीजा यह होता है कि कहीं 15 प्रतिशत और कहीं 20 प्रतिशत या दिल्ली जैसे शहर में 30 प्रतिशत मतदान होता है। सीधे-सीधे जो जनादेश आना चाहिए या स्वस्थ परंपरा आनी चाहिए, वह नहीं आ पाती है। इसलिए हमारा कहना यह है कि जब तक अनिवार्य मतदान नहीं होगा, तब तक निगेटिव वोटिंग का प्रावधान करने का भी कोई औचित्य नहीं होगा। इसलिए ये दोनों बिंदू एक-दूसरे से संबंधित हैं। ... अनेक देशों में अनिवार्य मतदान की व्यवस्था है और यह विचार नया नहीं है। सबसे पहले 1892 में बेल्जियम में इसे स्वीकार किया गया। उसके बाद 1914 में अर्जेंटीना में और 1924 में ऑस्ट्रेलिया में अनिवार्य मतदान की व्यवस्था की गई। आज ऐसी व्यवस्था करीब 32 देशों में है।' उन्होंने आगे कहा, 'डॉक्टर आंबेडकर ने इस विचार के प्रति सहानुभूति व्यक्त करते हुए व्यावहारिक कठिनाइयों का हवाला दिया था। सबसे पहले 1892 में बेल्जियम में इसे स्वीकार किया गया। उसके बाद 1914 में अर्जेंटीना में और 1924 में ऑस्ट्रेलिया में अनिवार्य मतदान की व्यवस्था की गई। आज ऐसी व्यवस्था करीब 32 देशों में है। उनका सीधा तर्क है कि जिस आजादी या मताधिकार को हजारों बलिदानों के बाद प्राप्त किया जाता है, उस मताधिकार के प्रति जब जागरूकता न हो, तो शासन या राज्य को ऐसा प्रावधान करना चाहिए कि जो मतदान में लगातार हिस्सा लें, उनको बढ़ावा दिया जाए और जो जान-बूझकर मतदान के लिए प्रस्तुत नहीं होते, उनके लिए दंड की व्यवस्था होनी चाहिए। यही मेरे विधेयक में व्यवस्था है। संसदीय लोकतंत्र की आत्मा मतदान है, जिसके कारण शासन या सत्ता सामने आती है और उसके द्वारा लिए गए तमाम निर्णयों से, न केवल वे लोग, जिन्होंने मतदान किया है, बल्कि जिन्होंने मतदान नहीं किया है, वे भी प्रभावित होते हैं।... 1952 में जब पहली बार वयस्क मताधिकार लागू किया गया, तब अनिवार्य मतदान लागू करना मुश्किल हो सकता था। पचास साल बाद कोई भी हितैषी सुधार के विरुद्ध व्यावहारिक कठिनाई का बहाना नहीं बना सकता, मैं इस अवसर पर सुझाव दोहराऊंगा।'

भाजपा के दक्कन अभियान की चुनौतियां

अजीत द्विवेदी

भौगोलिक रूप से हिमालय की चढ़ाई मुश्किल मानी जाती है लेकिन राजनीतिक रूप से उत्तर भारत की पार्टियों और शासकों के लिए दक्कन का अभियान हमेशा मुश्किल रहा है। मध्य काल में मुगल शासकों के लिए भी दक्कन की चुनौती हमेशा रही तो अंग्रेज, पुर्तगाली, डच, फ्रांसीसी सबने भारत का अपना अभियान दक्कन से शुरू किया लेकिन किसी का साम्राज्य दक्कन में ज्यादा फला-फूला नहीं। सबसे सफल औपनिवेशिक ताकत यानी ब्रिटिश राज भी गंगा के मैदानी इलाकों में ही समृद्ध हुआ। सतपुड़ा के घने जंगलों और विंध्य पर्वत के दक्षिण में उनको भी नाकों चने चबाने पड़े। आजादी के बाद शुरुआती कुछ दिनों तक कांग्रेस के सामने दक्षिण की चुनौती नहीं रही लेकिन जब चुनौती शुरू हुई तो एक एक करके दक्षिणी राज्यों से कांग्रेस के पांव उखड़ते गए। भारतीय राजनीति में अभी भाजपा केंद्रीय ताकत है लेकिन दक्षिण में कर्नाटक को छोड़ कर कहीं भी उसका मजबूत आधार नहीं बन सका है। कह सकते हैं कि भाजपा ने इससे पहले कभी भी दक्षिण को लेकर बहुत गंभीरता नहीं दिखाई थी और बहुत सुनियोजित अभियान नहीं चलाया था। अटल बिहारी वाजपेयी और लालकृष्ण आडवाणी की भाजपा ने कभी सोचा ही नहीं कि उनको दक्षिण में या पूर्वोतर भारत में भी अपना विस्तार करना चाहिए। नरेंद्र मोदी और अमित शाह की भाजपा ने पहले पूर्वोत्तर की दीवार गिराई। कोई न कोई उपाय करके पूर्वोत्तर के राज्यों में भाजपा का संगठन बनवाया और सरकार भी बनाई। असम, अरुणाचल प्रदेश, त्रिपुरा और मणिपुर जैसे राज्यों में भाजपा ने लगातार दूसरी बार अपनी सरकार बनाई तो मेघालय और नगालैंड में सहयोगी पार्टियों के साथ सरकार में शामिल हुई। सिक्किम में भी भाजपा की सहयोगी पार्टी सरकार में है। एक मिजोरम को छोड़ कर बाकी सभी राज्यों में

भाजपा एक मजबूत राजनीतिक ताकत है। उत्तर और पश्चिम में पहले से भाजपा का मजबूत जमीनी आधार था। सो, पूरब, पश्चिम और उत्तर के बाद भाजपा अब दक्षिण की ओर से चली है। वह दक्षिणायन हो रही है। सवाल है कि क्या दक्षिणावर्त भाजपा अपने अभियान में कामयाब होगी? क्या वह गंगा और नर्मदा के किनारे से निकल दक्कन के विशाल पठार चढ़ पाएगी? सतपुड़ा के घनों जंगलों को पार करना क्या भाजपा के लिए संभव हो पाएगा? एक बड़ा सवाल यह भी है कि क्या भाजपा इस बार के लोकसभा चुनाव में दक्षिण विजय करके वास्तविक अर्थों में पूरे देश की पार्टी बन पाएगी? इन सवालों के जवाब आसान नहीं हैं क्योंकि भाजपा के लिए दक्षिण की राजनीति भी उलझी हुई है और सामाजिक व सांस्कृतिक स्थितियां भी वैसी नहीं हैं, जैसी उत्तर या पूरब और पश्चिम में उसे मिली हैं। उसे दक्षिण की सामाजिक व सांस्कृतिक स्थितियों के साथ सामंजस्य बनाना है या मौजूदा सामाजिक व सांस्कृतिक विमर्श के बरक्स एक नया विमर्श खड़ा करना है। दक्षिण की सामाजिक व सांस्कृतिक धरातल पर दोनों पैर टिका कर खड़े हुए बगैर भाजपा के लिए राजनीतिक जमीन को उर्वर बनाना आसान नहीं होगा। आमतौर पर भाजपा के दक्कन के अभियान को राजनीतिक नजरिए से देखा जा रहा है। इसमें कुछ भी गलत नहीं है। चूंकि भाजपा ने ऐसे राजनीतिक दांव चले हैं कि उनसे नजर नहीं हटती है और सारी व्याख्या उसी के ईर्द गिर्द घूमने लगती है। भाजपा ने कर्नाटक में, जहां उसकी अपनी जमीन मजबूत है वहां राज्य की एकमात्र प्रादेशिक पार्टी जेडीएस से तालमेल कर लिया। भाजपा लिंगायत तो जेडीएस वोक्कालिगा वोट की राजनीति करती है। इसी तरह आंध्र प्रदेश में, जहां वह एक फीसदी वोट की पार्टी है वहां उसने तेलुगू देशम पार्टी और जन सेना पार्टी से तालमेल कर लिया। तेलुगू देशम पार्टी के नेता चंद्रबाबू नायडू कम्मा हैं तो जन सेना पार्टी के प्रमुख पवन कल्याण कापू समुदाय से आते हैं। राज्य की दो बड़े जातीय समूहों का प्रतिनिधित्व करने वाली पार्टियां भाजपा के साथ हैं। तमिलनाडु में भाजपा का तालमेल अन्ना डीएमके से खत्म हो गया है लेकिन वह तमिल मनीला कांग्रेस के साथ साथ टीटीवी दिनाकरण और ओ पनीरसेल्वम से तालमेल कर रही है। लोकसभा चुनाव से पहले भाजपा दक्षिण के राज्यों में जो राजनीतिक दांव चल रही है वह अपनी जगह है लेकिन उसने राजनीतिक पहल करने से पहले सामाजिक व सांस्कृतिक धरातल पर भी काम शुरू कर दिया था। हो सकता है कि अभी इसका बड़ा राजनीतिक असर नहीं दिख रहा हो लेकिन काशी-तमिल संगम के जो कार्यक्रम शुरू हुए हैं उनका असर आने वाले समय में दिखाई देगा। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कुछ समय पहले ही हिंदुओं की सबसे पवित्र नगरी काशी को तमिल के साथ जोड़ना शुरू किया था। यह तमिलनाडु में नई जमीन तोड़ने की तरह था। ध्यान रहे तमिलनाडु का जनमानस व्यापक रूप से ईवी रामास्वामी नायकर पेरियार और द्रविडियन आंदोलन से बना हुआ है। सनातन विरोध की गहरी जड़ें वहां स्थापित हैं। सामाजिक स्तर पर जातियों की राजनीति उत्तर भारत के मुकाबले बहुत पहले से जमी हुई है। आरक्षण की सीमा 34 साल से 65 फीसदी से ऊपर है। कह सकते हैं कि सनातन विरोध और पिछड़ी जातियों के वर्चस्व की राजनीति स्थापित है। ऊपर से हिंदू विरोध और तमिल की सर्वोच्चता का भाव भी उत्तर भारत की पार्टियों के लिए मुश्किल पैदा करने वाला है। लेकिन याद करें कितना पहले नरेंद्र मोदी ने अमेरिका की एक सभा में तमिल को संस्कृत से भी पुरानी भाषा बता कर उसकी महत्ता का गुणगान किया था। सो, चाहे भाषा की बाधा तोड़ने का मामला हो या सामाजिक-सांस्कृतिक विमर्श में अपना पक्ष उजागर करना होगा या धर्म के मामले में सनातन बनाम सनातन विरोध का विमर्श बनवाना हो, हर जगह भाजपा ने अपने को खड़ा किया है। भाजपा की सक्रियता से राज्य में सत्तारूढ़ डीएमके नेता अतिशय सजग हो गए और उन्होंने अपनी रक्षा में आक्रामक होकर भाजपा पर हमला शुरू कर दिया। ऐसे भी कह सकते हैं कि वह भाजपा के जाल में फंस गई ।

दैनिक
विश्व परिवार
रायपुर/धर्म समाज/देश
रायपुर, शुक्रवार 17 मई 2024
www.dvpnews.in
vishwapariwarraipur@gmail.com

संसार की हर क्रिया में धर्म को स्थापित कर सम्यक बनाएं : मुनिश्री सुधासागर जी महाराज

दर्शनोंदय थूवोनजी व अशोक नगर समाज ने श्रीफल भेंट किए, मंदिर निर्माण में वेदी और शिखर का निर्माण कमेटी र रहीं हैं : विजय धुर्रा

दमोह (विश्व परिवार)। संसार की हर क्रिया में धर्म को स्थापित कर देना ही सक्रिय सम्यक दर्शन है, इसी को सराग सम्यकदर्शन कहते है। चलते हुए मेरे पैर के नीचे जीव न आ जाए, इसमें सक्रियता, जागरूकता है पूज्य जिनसेन स्वामी ने मंदिर का वास्तु निश्चित किया, इन्होंने आठ दृष्टियाँ बनाई, जिसमे जिनेंद्र देव की दृष्टि, गजदृष्टि व अश्वदृष्टि पर स्थापित किया और गज दृष्टि को श्रेष्ठ बताया कि भगवान के सामने काँच हो या कोई भी अवरोध नही होना चाहिए। कांच का काम मंदिरों में होना ही नहीं चाहिए। जहां जहाँ पर हुए हैं वहां पर परिवार या मंदिर की स्थिति बिगड़ गई, टुकड़े वाले काँच। अब रही बड़े काँच की तो लगाना चाहिए लेकिन जिस समय अभिषेक पूजन होता है उस समय मंदिर का कांच खुला रहना ही चाहिए, शेष समय आपत्ति नही उक्त आश्य के उद्गार मुनि पुंगव श्रीसुधासागरजी महाराज ने दमोह में धर्म सभा को सम्बोधित करते हुए व्यक्त किए

चातुर्मास के लिए तीर्थ थूवोनजी व अशोक नगर समाज ने किया निवेदन

इसके पहले अशोक नगर जैन समाज एवं दर्शनोदय तीर्थ थूवोनजी कमेटी ने दमोह पहुंच कर मुनि पुंगव श्रीसुधासागर जी महाराज ससंघ निर्यापक श्रमण मुनि श्री प्रसाद सागर जी महाराज ससंघ निर्यापक श्रमण मुनि श्री वीर सागरजी महाराज ससंघ को श्री फल भेंट कर चातुर्मास का निवेदन जैन समाज अध्यक्ष राकेश कासंल महामंत्री राकेश अमरोद कोषाध्यक्ष सुनील अखाई दर्शनोदय तीर्थ थूवोनजी कमेटी अध्यक्ष अशोक जैन टींगू मिल महामंत्री विपिन सिंघई मध्यप्रदेश महासभा संयोजक विजय धुर्रा मंत्री विनोद मोदी राजेन्द्र हलवाई रानी पिपरई कोषाध्यक्ष सौरव वाझल समाज के उपाध्यक्ष प्रदीप तारई राजेंद्र अमन मंत्री शैलेन्द्र श्रागर संयोजक उमेश सिघई मनीष सिघई सहित अन्य प्रमुख जनो ने मुनि संघ को श्री फल भेंट किए इस दौरान मध्यप्रदेश महासभा संयोजक विजय धुर्रा ने कहा कि अशोक नगर जैन समाज दर्शनोदय तीर्थ थूवोनजी कमेटी संयुक्त रूप से श्री फल भेंट करने समाज

अध्यक्ष राकेश कासंल कमेटी अध्यक्ष अशोक जैन टींगू महामंत्री राकेश अमरोद मिल महामंत्री विपिन सिंघई के नेतृत्व में हम सब ये निवेदन लेकर आये है कि इस वर्ष का चातुर्मास हमारे अंचल में हो

भगवान का स्पर्श एक ही वार आये करें : इस दौरान मुनि पुंगव ने कहा कि धोती दुपट्टे पहनने के बाद जूते चप्पल नही पहनना चाहिए, यदि आपका घर दूर है तो टिन के डिब्बे में कपड़े रख लीजिए और गीली टॉवल से मंदिर में बदल लीजिये भगवान को स्पर्श करने के बाद दवारा हाथ नही लगाना चाहिए क्योंकि आपके शरीर से स्पर्श हो जाने पर वह हाथ भगवान को छूने लायक नही रह जाता है, अत: हाथ धोना चाहिए फिर सुखाना चाहिए, फिर छूना चाहिए उन्होंने कहा कि कुन्दकुन्द स्वामी अद्वितीय थे और आचार्य श्री अपने आप में अद्वितीय थे। आचार्य श्री ने अपने आप को कुन्दकुन्द स्वामी में जीवित कर दिया। आचार्य श्री के दो सोच थे इस जैनधर्म की श्रमण संस्कृति को जिस रूप में देखने की भावना भाई है वह मैं कुन्दकुन्द भगवान को दिखा के रहूँगा और उनसे कह सकूँ कि आपने जो भावना भाई थी मैंने उसको साकार किया।

आचार्य श्री विद्यासागर जी महाराज ने अध्यात्म को जन जन तक पहुंचाया : उन्होंने कहा कि श्रमण संस्कृति मात्र अध्यात्म की गुफा में ही दफन न हो जाये तो आचार्य श्री ने अपनी आध्यत्मिक गहराई, वीतरागता और निरीहवृत्ति को चौराहे पर विराजमान कर दिया जहाँ हर व्यक्ति पहुँच सकता है उनका सोच था कि मेरे अधिकार से, साधना या आशीर्वाद से जगत का कल्याण होता है तो वह उसे बाधक नही, सहयोग मानते है आज सारा राष्ट्र प्रजातंत्र पर आधारित है, प्रजातंत्र पर व्यक्ति तभी सफल हो सकता है जब उसका बहुमत हो।

जैनी शाकाहारी को जन्म देते हैं

उन्होंने कहा कि बहुमत के लिए जनसंख्या का जो समीकरण बिगड़ रहा है यह सबसे ज्यादा खतरनाक है। सन्तान को जन्म तो पापी, पशु भी देते है लेकिन जैनी को यह भाव करना चाहिए कि वह शाकाहारी, जिनेन्द्र भक्त, मुनि महाराज, व्रती, आर्यिका को जन्म दे रहा है। जब शाकाहारी को जन्म दे रहा हूँ तो परिवार नियोजन क्यों कराऊँ, उतने ही ज्यादा शाकाहारी जन्मेंगे।सर्वार्थ सिद्धिकार पूज्यपाद स्वामी ने लिखा है कि जो ऐसे अच्छे जीवों को आने से रोकते हैं उन्हें नपुंसक कर्म का बन्ध होता है पुण्य का बन्ध सिर्फ मन्दिर में ही नहीं होता पुण्य तो बाथरूम में स्नान करते करते भी हो सकता है कारण क्यों नहा रहे हो हम? अभिषेक करने जाना है, महाराज को आहार देना है, पुण्यबन्ध चालू हो गया। हर क्रिया में धर्म है, मात्र अपना दृष्टिकोण बदलना है। -**विजय धुर्रा**

17 मई समाधि दिवस पर विशेष

प्रशममूर्ति आचार्य श्री 108 शान्ति सागर जी महाराज 'छाणी'

दिल्ली (विश्व परिवार)। परम पूज्य आचार्य श्री 108 शान्ति सागर जी महाराज 'छाणी' का जन्म सन 1888 में कार्तिक बदी ग्यारस को राजस्थान प्रान्त के उदयपुर

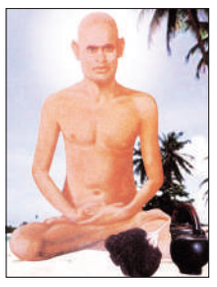

नगर के समीप स्थित छाणी ग्राम में हुआ था। आपने सन 1922 में क्षुल्लक दीक्षा ग्रहण की तथा एक वर्ष पश्चात ही सन 1923 में भाद्रपद शुक्ल चतुर्दशी तदनुसार 23 सितम्बर 1923 को राजस्थान के सागवाड़ा नगर में मुनि दीक्षा अंगीकार कर आत्म-कल्याण के मार्ग पर आरुढ़ हुए। मुनि रूप में आपने दिगम्बर मुनि की चर्या, उनके मूलगुणों की साधना तथा उनके तपश्चर्या के विविध आयामों से जैन समाज को परिचित करवाया। इस परंपरा के पंचम पट्टाधीश परम पूज्य आचार्य श्री 108 विद्याभूषण सन्मति सागर जी महाराज के प्रमुख शिष्य परम पूज्य आचार्य श्री 108 अतिवीर जी मुनिराज ने पूज्य आचार्य-प्रवर के समाधि दिवस के अवसर पर उनके चरणों में अपनी विनयांजलि अर्पित करते हुए बताया कि आचार्य श्री 108 शान्ति सागर जी महाराज %छाणी% ने उत्तर भारत में भ्रमण कर मुनि परंपरा को संरक्षित एवं व्यवस्थित करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। यद्यपि आचार्य श्री को दीक्षोपरांत मात्र 22 वर्ष ही धर्म प्रचार हेतु मिले परन्तु जैन मुनि परंपरा में उनका योगदान अत्यंत विशिष्ट है। आपने 1923 से लेकर 1944 के मध्य लगभग समस्त उत्तर भारत में दिगम्बर जैन मुनि के रूप में सतत विहार किया। आप एक सच्चे समाज सुधारक थे तथा आपने समाज में व्याप्त कुरीतियों को दूर करने का साहसिक प्रयत्न किया। मृत्यु उपरांत छाती पीटने की प्रथा, दहेज़ प्रथा, बलि प्रथा, कन्या विक्रय प्रथा, विधवा स्त्री को काले कपडे पहनाने की प्रथा आदि की घोर भर्त्सना की। आपके अहिंसात्मक एवं धर्ममय प्रवचनों के माध्यम से इन कुप्रथाओं पर बंदिश लगी। गिरिडीह (झारखण्ड) प्रवास के दौरान आपके संस्कारित प्रवचनों से प्रभावित होकर एवं आगमोक्त चर्या को देखकर स्थानीय समाज ने सन 1926 में आपको आचार्य पद से सुशोभित किया। -**समीर जैन**

मुनि श्री विनम्रसागर जी महाराज ने श्री सिद्धचक्र महामंडल विधान के तीसरे दिवस कहा

सुनना और सुनाना बहुत सरल है, लेकिन अपने आपको उन पक्तियों के बीच में जीना बहुत कठिन

विदिशा (विश्व परिवार)। सुनना और सुनाना बहुत सरल है, लेकिन अपने आपको उन पक्तियों के बीच में जीना बहुत कठिन है। आचार्य गुरूदेव विद्यासागर जी महाराज जिन्होंने न केवल आत्मा की स्वाभाविक और वैभाविक शक्तियों के साथ जिया बल्कि आज पूरे विश्व को उस आत्मशक्ति से परिचित करा दिया, सेल्फ सर्जरी टू वी मस्ट कम्पलसरी जिन साधकों ने अपनी सेल्फ सर्जरी की वह आज सिद्धालय में विराजमान है भले ही गुरुदेव स शरीर आप लोगों को दिखाई नहीं दे रहे हों लेकिन वह आज भी किसी न किसी साधु के रुप में यही विराजमान है और आपको आशीर्वाद प्रदान कर रहे है उन्ही के आशीर्वाद से ही आज विदिशा में हूं। उपरोक्त उद्गार मुनि श्री विनम्रसागर जी महाराज ने अरिहंत विहार जैन मंदिर में श्री सिद्धचक्र महामंडल विधान के तीसरे दिवस व्यक्त किये उन्होंने आत्मा की स्वाभाविक और वैभाविक शक्तियों की बात करते हुये कहा कि गिद्धराज पक्षी के जब पंख, चोंच तथा नाखून वहूत बड़े होकर उसकी उड़ान में वाधा बनने लगते है, तो वह अपनी सेल्फ सर्जरी कर उड़ान में वाधक उन पंख, चोंच और नाखून को अपने ही द्वारा निकालता है जिसमें वह ऊंची उड़ान भरते हुये ऊचे पहाड़ से टकरा कर घायल भी हो जाता है। जब वह भारी पंख स्वत: निकल जाते है, तो वह अपने आपको हल्का महसूस करता है, उसी प्रकार जब उसकी चोंच लम्वी होकर उसे वाधा पहुंचाती है, तो वह उसे तथा नाखूनों को भी अलग करता है। मुनि श्री ने कहा कि जब पक्षीराज अपनी ऊंची उड़ान भरने के लिये उन वाधक तत्वों को अपने आपसे अलग कर हल्का कर सकता है तो क्या हम इंसान अपनी आत्मा से विषय कषाय रुपी इस कालिख जो हमें ऊपर सिद्धालय में जाने से रोक रही है उसको दूर क्यों नहीं नहीं कर सकते? उन्होंने कहा कि श्री सिद्ध चक्र महामंडल विधान की एक एक लाईन अपने आप में समयसार ग्रंथ है, सुनना और सुनाना बहूत सरल है, लेकिन उन पक्तियों में जीना बहूत कठिन है आचार्य गुरूदेव विद्यासागरजी महाराज ही थे जिन्होंने आत्मा की स्वाभाविक और वैभाविक शक्तियों के साथ अपनी आत्मा की सर्जरी की है, आत्मा की स्वाभाविक और वैभाविक सर्जरी को बताते हुये मुनि श्री ने कहा कि आचार्य मानतुंग स्वामी आत्मा की भक्ती करते हुये कहते है सोहं तथापि तव भक्ती वशान् मुनीश अर्थात वह हिरणी अपने बच्चे की रक्षा के लिये अपने से शक्तिशाली सिंहराज से लड़ जाती है, आप भी अपनी आत्मा की स्वाभाविक शक्ती को पाने के लिये अपने आपको जगाइए, जिन्होंने अपने अंदर के लोभ से विजय प्राप्त कर अपनी आत्मा की वैभाविक परिणतियों के बीच अपने अंदर की सर्जरी को खुद कर लिया वही सिद्धालय में विराजमान हो सकते है। प्रवक्ता अविनाश जैन ने बताया आज 112 अर्ध चड़ाते हुये पूजा का समापन हुआ एवं मुनि श्री की प्रेरणादायक प्रवचन से प्रभावित होकर कई भक्तों ने शीतलधाम में सहस्त्रकूट जिनालय में प्रतिमा तथा वेदी हेतु दान की घोषणा की।

-**अविनाश जैन**

आर्यिका श्री महायश मति माताजी ने बताया

स्वयं के द्रव्य से दान, पूजन, भक्ति, श्रद्धा, विश्वास, अंतरंग उत्साह से करने से सफलता पुण्य मिलता है

बांसवाड़ा (विश्व परिवार)। वात्सल्य वारिधि पंचम पट्टाधीश आचार्य श्री वर्धमान सागर जी महाराज संघ सहित बांसवाड़ा की मोहन कॉलोनी में विराजित है।

आज की धर्म सभा में संघस्थ शिष्या आर्यिका श्री महायशमति माताजी ने प्रवचन में पूजन के बारे में विवेचना कर बताया कि श्रावक के 6 आवश्यक कर्तव्य में जिन पूजा भी एक प्रमुख कर्तव्य है। भगवान की पूजन किस प्रकार करना चाहिए उससे क्या फल मिलता है उसे बारे में प्रवचन में बताया कि आठ द्रव्यों से जिनेन्द्र भगवान की पूजन करना चाहिए पूजन सामग्री एक थाली से दूसरे थाली में चढ़ाते समय भगवान के गुणों का स्तवन कर द्रव्य चढ़ाए जाते हैं भगवान के अनंत गुणों में अनंत ज्ञान, अनंत दर्शन, अनंत वीर्य आदि गुणों की हमें भी प्राप्ति हो। पूजन करने से क्रोध, मान, माया और लोभ आदि कषाय कम होती है। मोहन कॉलोनी समाज के अध्यक्ष सुमति लाल बोहरा, एवम महामंत्री महावीर नशनावत अनुसार माताजी ने प्रवचन में बताया कि भगवान के दर्शन पूजन दान श्रावक जनों को स्वयं के द्रव्य से करना चाहिए तभी उत्तम फल मिलता है और पूजन भक्ति पूर्वक श्रद्धा से विश्वास और उत्साह से अंतरंग भावना पूर्वक करने से सफलता और पुण्य मिलता है सभी को प्रात: उठने के बाद भगवान के दर्शन अभिषेक करने के बाद ही अपने कार्य प्रारंभ करना चाहिए इसी प्रकार के संस्कार बच्चों को भी देना चाहिए माता-पिता को बच्चों को मंदिर साथ में धर्म सभा में साथ लाना चाहिए आप अन्य धर्म के मंदिर में जाने पर वहां के अनुशासन का पालन करते हैं, किंतु स्वयं के धर्म में अनुशासन आपको याद नहीं रहता है इसी कारण हम दुखी और अशांत हैं जब भी नगर में साधु परमेष्ठी का संघ आवे उनके आहार, विहार निहार, में साथ रहकर सहयोग करना चाहिए जितने समय आप संत समागम में रहते हैं उतने समय आपके पापों की निवृत्ति होती है।

दोपहर को असम गोहाटी के श्रीमती सुनीता भागचंद चूड़ीवाल परिवार ने आचार्य श्री वर्धमान सागर जी के चरण प्रक्षालन कर भक्ति भाव पूर्वक पूजन की ।इस अवसर पर सनावद से सुषमा प्रदीप पंचोलियां इंदौर से मिताली दिलीप जैन संगीता पंचोलिया भी उपस्थित रहे। -**राजेश पंचोलिया**

श्रवण संस्कृति संस्कार शिविर बालक-बालिकाओं की भव्य शोभायात्रा के साथ शुभारंभ

यह शिविर श्री दिगम्बर जैन मंदिर गायत्री नगर, महारानी फार्म के परिसर में लगाया गया है जो 30 मई 2024 तक चलेगा

जयपुर (विश्व परिवार)। श्रमण संस्कृति संस्थान, सांगानेर के तत्वावधान में श्री दिगंबर जैन महिला महासमिति गायत्री नगर, महारानी फार्म, जयपुर के द्वारा श्रमण संस्कृति संस्कार शिविर का बालक-बालिकाओं की शोभा यात्रा के साथ 15 मई को शुभारम्भ किया गया। शिविर की मुख्य संयोजक मंजू सेवा वाली ने अवगत कराया कि शिविर 30 मई 2024 तक चलेगा। यह शिविर श्री दिगम्बर जैन मंदिर गायत्री नगर, महारानी फार्म के परिसर में लगाया जा रहा है। शिविर के शुभारम्भ के अवसर पर एक जुलुस बैंड बाजे के साथ विभिन्न मार्गों से होता हुआ मन्दिर जी पहुंचा, जलूस में बच्चे जैन ध्वज, स्लोगन की तख्तियां, व जैन धर्म के नारे लगाते, उत्साह के साथ नाचते, झूमते चल रहे थे।जिसमे भारी संख्या में बच्चे, महिलाये, पुरुषो ने भाग लिया। मार्ग में जलूस का स्वागत मुकेश सोगानी, प्रसन्न साडी वालों ने, सुनील बिल्टी वाला परिवार, अनिल गोधा, आलोक शाह, ओम प्रकाश छाबडा, कैलाश छाबडा, सुनील-लता सोगानी आदि परिवारों ने पुष्प बर्षा कर किया।

शिविर संयोजक अनिता बडजात्या के अनुसार शिविर के उदघाटन में मंगला चरण मन्जु जैन सेवावाले द्वारा किया गया। सुनील सोगानी-लता सोगानी परिवार द्वारा दीप प्रज्जवलन किया गया। इस अवसर पर विदुषी बहिन दृष्टी जैन ने मंत्रोच्चारण के साथ ज्ञान कलश की स्थापना जीतेन्द्र, हिमांशु, रेखा, शिल्पा जी बड़जात्या परिवार, मुम्बई, विद्या कलश की स्थापना प्रकाश-, पदमा बड़जात्या परिवार ने, सुधा कलश की स्थापना सारस मल, कमला देवी, पदम्, भावना झाँझरी परिवार द्वारा की गई। पुण्यार्जकों एवम अतिथियों का सम्मान अनीता बड़जात्या, मंन्जु जैन सेवावाले, प्रमिला जैन, विमला जैन, किरण बिल्टी वाला, महिमा अजमेरा, सुनीता काला द्वारा किया गया। शिविर में बालबोध भाग प्रथम, द्वितीय, तृतीय तथा छह ढाला कि कक्षायें लगायी जा रहीं है। श्रमण संस्कृति संस्थान, सांगानेर से दो विदुषी देशना दीदी व् दृष्टि दीदी भी आयी है, जो प्रात: अर्हम योग व सायं काल में कक्षायें लेंगी, इस अवसर पर महारानी फार्म जैन मंदिर प्रबंध समिति के मंत्री राजेश बोहरा, उपाध्यक्ष अरुण शाह, महावीर सेवा वाले जीतेन्द्र बाकलीवाल, आलोक शाह, सुरेश जैन, कमल मालपुरा वाले, बसंत बाकलीवाल, अशोक बडजात्या, उदयभान जैन, व अन्य गणमान्य समाज के सदस्य उपस्थित थे। बच्चों को गिफ्ट सुनील बिल्टीवाला व सुशीला गोधा परिवार द्वारा वितरित की गई। मंच संचालन अरुण शाह, मंन्जु जैन सेवावाले द्वारा किया गया। उपस्थित सभी महानुभावों का आभार शिविर के मुख्य संयोजक मंन्जु जैन सेवावाले ने व्यक्त किया। सभा का कुशल संचालन अरुण शाह द्वारा किया गया। देशना दीदी व् दृष्टि दीदी सांगानेर के साथ प्रमिला जैन, अनीता बड़जात्या, किरण बिल्टीवाला, विमला जैन, कक्षाएं लेंगी। -**उदयभान जैन**

लघुकथा

मक्खी बने मनुष्य

राजधानी रायपुर में किसान महासम्मेलन का आयोजन किया गया था। उसमें शामिल होने के लिए विशेष ट्रेन चलाई गई थी।राष्ट्रीय किसान सम्मेलन हेतु चलाई गई एक विशेष ट्रेन की टक्कर मानवीय भूलवश मालगाड़ी से हो गई। जिससे अनेक किसान घायल-मृत अवस्था में दुर्घटना स्थल पर पड़े थे।

रात्रि का वक्त था, अतः अंधेरे का फायदा उठाते हुए अनेक धूर्त लोग घायल और मृतक किसानों के जेवर, घड़ी, पर्स को लूटने में लगे थे। कराहते, तड़फते किसानों की पीड़ा को वे अनसुना अनदेखी करते हुए निर्दयता की सारी हदें पार कर गये थे। ऐसे समय में मांसखोर मक्खियों का समूह भी वहां पहुंच गया।वे भी घायल- मृतक किसानों के लहू चूसने- चाटने को आतुर गिद्ध की तरह उनकी ओर लपके, किंतु मक्खियों की महारानी ने उन्हें रोकते हुए कहा- रुको, यह मत भूलो कि किसान हमारे अन्नदाता हैं। इनके शरीर के घाव को काटना या रक्त को चूसना घोर अनैतिकता होगी।

महारानी की बात सुनकर एक युवा मक्खी बोली- देखिए, दूसरे मनुष्य तो घायल और मृतक किसानों को लूटने में लगे हैं। हम मक्खी भी भूखे हैं। खून और घाव से हमारा पेट भर सकते हैं। इस पर महारानी मक्खी बोली- मानवता को भूलकर मनुष्य अपने ही समुदाय के लोगों का खून चूस रहे हैं, पर हम उनकी की तरह दरिंदे नहीं बन सकते। मनुष्य यदि मक्खी बन गये हैं तो बन जाने दो पर हम मनुष्य बनकर ऐसी घिनौनी हरकत नहीं करेंगे। महारानी मक्खी की बातें अन्य मक्खियों के ह्रदय में घर कर गई। वे सभी महारानी के कुशल नेतृत्व में तत्काल वहां से अन्यत्र उड़ चलीं।

-विजय मिश्रा 'अमित', रायपुर

संस्कार युक्त कलाएं मानव को पशु बनने से रोकती है : डॉ. पुरुषोत्तम चंद्राकर

संस्कार भारती द्वारा रायपुर में तीन दिवसीय नाट्य समारोह का आयोजन

रायपुर (विश्व परिवार)। संस्कार भारती छत्तीसगढ़ के तत्वावधान में पूर्व अध्यक्ष एवं प्रसिद्ध रंगकर्मी स्व. अशोक चंद्राकर जी की स्मृति में रंग संस्कार महोत्सव का आयोजन रायपुर में हो रहा है। दिनांक 17-18-19 मई 2024 को आयोजित इस त्रि-दिवसीय महोत्सव में कुल सात नाटक प्रस्तुत होंगे। रोज 6:30 बजे से यह महोत्सव महाराष्ट्र मंडल चौबे कॉलोनी रायपुर के संत ज्ञानेश्वर सभागृह में शुरू होगा।

शुक्रवार 17 मई को प्रदर्शित आदि गाथा के निर्देशक श्री किशोर वैभव एवं इंद्र धनु(मराठी) के निर्देशक श्री प्रसन्न निमोंणकर होंगे। शनिवार 18 मई को बहादुर बेटी निर्देशक श्री अंशु प्रजापति एवं अपने हिस्से का स्वर्ग निर्देशक श्री आर्यन सारस्वत एवं कलंकार (छत्तीसगढ़ी) निर्देशक श्री अर्जुन दास मानिकपुरी द्वारा प्रस्तुत होगा। रविवार 19 मई की प्रस्तुति में अंधेर नगरी चौपट राजा निर्देशिका श्रीमती अर्पिता बेडेकर एवं मी अहिल्या बोलतेय निर्देशक श्री त्रिलोचन सोना रहेंगे।

संस्कार भारती के राष्ट्रीय नाट्य विधा संयोजक श्री प्रमोद पवार, फिल्म कलाकार एवं निर्देशक मुंबई तीनों दिवस उपस्थित रहेंगे। इस अवसर पर संस्कार भारती द्वारा मध्य क्षेत्र की त्रि-दिवसीय नाट्य निर्देशन एवं नाट्य लेखन कार्यशाला श्री शिकारपुरी पंचायत भवन समता कालोनी में रखी गई है। इसमें भोपाल, जबलपुर, इंदौर, उज्जैन, देवास, रायपुर, भिलाई, बिलासपुर, रायगढ़, अंबिकापुर आदि स्थानों से संस्कार भारती के नाट्य विधा से जुड़े सूचित कलाकार भाग लेंगे।

संस्कार भारती छत्तीसगढ़ के प्रदेश अध्यक्ष एवं प्रसिद्ध लोक कलाकार श्री रिखी क्षत्रिय भिलाई ने बताया कि नाट्य विधा के संवर्धन एवं कलाकारों को मंच प्रदान करने हेतु संस्था पूर्व से प्रयासरत है। छत्तीसगढ़ में नाटकों एवं लोक नाट्यों के कलाकार सभी शहरों में हैं इसलिए महोत्सव में विविध विषयों सहित अहिल्याबाई होल्कर पर भी एक नाटक की विशेष प्रस्तुति हो रही है। ज्ञातव्य है कि 31 मई 2024 से देश भर में उनकी त्रिशताब्दी वर्ष पर विशेष कार्यक्रम बन रहे हैं। इस अवसर पर महोत्सव के संयोजक एवं प्रदेश के वरिष्ठ रंग कर्मी एवं फिल्म अभिनेता श्री योगेश अग्रवाल ने बताया कि छत्तीसगढ़ की राजधानी रायपुर में बहुत सारे युवा नाट्य कलाकार हैं जिनको अपनी मंचीय प्रस्तुति के साथ-साथ निर्देशन का भी मौका मिले इस दृष्टि से संस्कार भारती छत्तीसगढ़ ने यह एक वृहद प्रयास किया है। विगत 1 मई से 16 मई तक लगातार चल रही कार्यशाला में उपरोक्त सभी सातों नाटकों को तैयार किया जा रहा है। सातों नाटकों के निर्देशकों को विगत एक माह से क्षेत्र प्रमुख श्री अनिल जोशी और संस्कार भारती छत्तीसगढ़ के उपाध्यक्ष एवं प्रसिद्ध रंगकर्मी व फिल्म अभिनेता प्रो. डॉ योगेंद्र चौबे, नाटक एवं लोक कला विभागाध्यक्ष, इंदिरा कला संगीत विश्वविद्यालय खैरागढ़ का लगातार मार्गदर्शन मिल रहा है।

दिनांक 18 मई को पुरातत्वविद् एवं प्राचीन कला विधा के प्रांतीय संयोजक श्री हरिसिंह क्षत्री कोरबा के मार्गदर्शन में चिरंतन नामक ई-पत्रिका का विमोचन होगा। यह पहला अवसर है जब राष्ट्रीय स्तर पर पुरातात्विक धरोहरों से संबंधित लेखों की पुस्तक ई माध्यम से आम जनता के लिए जारी की जायेगी।

संस्कार भारती जिला रायपुर के अध्यक्ष व प्रांतीय सह महामंत्री डॉ. पुरुषोत्तम चंद्राकर के मार्गदर्शन में गत दिवस महोत्सव की व्यवस्थाओं का दायित्व सदस्यों को सौंपा गया। प्रांतीय कोषाध्यक्ष श्री जागेश्वर मानसर, सह कोषाध्यक्ष श्री लोकेश पवार, जिला महामंत्री श्रीमती वृंदा तांबे, महोत्सव सह संयोजक श्री भवानी शंकर तिवारी, कबीर चंद्राकर, आचार्य रंजन मोड़क, शैल दुलारी सार्वा, श्रीमती पुष्पा पटेल, श्रीमती रंजना गुरु, भोजराज धनगर, श्रीमती अनीता वर्मा, संतोष चंद्राकर, श्रीमती मोनिका गुप्ता, श्रीमती दुर्गा जैन, लव कुश तिवारी, बसंत पटेल, प्राणदीप मानिकपुरी, ललित काकड़े, महेंद्र कश्यप, जगदीश साहू, हेमलता साहू, धनेश्वरी निषाद, आदि तैयारी में जुटे हैं। -**डॉ. पुरुषोत्तम चंद्राकर**

46 दिगम्बर जैन मंदिरों में शुरु हुए ग्रीष्मकालीन धार्मिक शिक्षण शिविर

जयपुर (विश्व परिवार)। 15 मई-श्रमण संस्कृति संस्थान सांगानेर, संत सुधा सागर आवासीय कन्या महाविद्यालय एवं श्री दिगम्बर जैन महिला महासमिति के सहयोग से शहर के 46 दिगम्बर जैन मंदिरों में आयोजित 15 दिवसीय ग्रीष्मकालीन धार्मिक शिक्षण शिविरों का धूमधाम से शुभारम्भ हुआ। इन शिविरों में जैन धर्म की प्रारंभिक शिक्षा के साथ साथ धर्म की गूढ़ जानकारी भी दी जाएगी। संत सुधासागर आवासीय कन्या महाविद्यालय की अधिष्ठात्री शीला डोड्या ने बताया कि इन शिविरों का आयोजन जयपुर के 46 मंदिरों में 30 मई तक चलेगा।

निर्देशिका डॉ वन्दना जैन ने बताया कि संत शिरोमणि आचार्य विद्या सागर महाराज के परम प्रभावक शिष्य निर्यापक श्रमण सुधासागर महाराज के आशीर्वाद से संचालित श्रमण संस्कृति संस्थान के अन्तर्गत संचालित संत सुधासागर आवासीय कन्या महाविद्यालय एवं अखिल भारतीय श्रमण संस्कृति महिला महासमिति द्वारा श्री दि जैन महिला महासमिति के सहयोग से आचार्य विद्या सागर महाराज की उत्कृष्ट त्याग तपस्या को समर्पित उपकार महोत्सव के रूप में इन ग्रीष्मकालीन धार्मिक शिक्षण शिविरों का आयोजन किया जा रहा है। उपाध्यक्ष नीना पहाड़िया ने बताया कि श्रमण संस्कृति संस्थान सांगानेर के विद्वान एवं संत सुधा सागर महिला महाविद्यालय की विदूषी बहनों द्वारा पूजन प्रशिक्षण, जैन धर्म शिक्षा भाग1-2, छ: ढाला, तत्वार्थ सूत्र, भक्तामर स्तोत्र 'द्रव्य संग्रह, इष्टोपदेश, रत्नकरण्डक श्रावकाचार, आदि का पाठन पठन मनन व व्याख्या, एवं अनेक धार्मिक गति विधियों द्वारा जैन धर्म का शिक्षणदिया जाएगा। इन शिविरों में 5 वर्ष से 80 वर्ष तक के लगभग 4000 बालक बालिकाएं, महिला पुरुष लाभान्वित होंगे।

www.dainikvishwapariwar.com
vishwapariwarraipur@gmail.com

दैनिक
विश्व परिवार

बस्तर संभाग

रायपुर शुक्रवार 17 मई 2024

संक्षिप्त समाचार

रक्तदान के लिए लोगों को जागरूक करने सायकल से प्रदेश की यात्रा

कोरबा(विश्व परिवार)। सारस्वत पांडे और प्रेम सोनी रक्तदान जागरूकता का संदेश देने के लिए छत्तीसगढ़ में भ्रमण करेंगे। पूरी यात्रा सायकल से होगी। सरस्वती विद्यालय सीएसईबी से आज दोनों युवकों ने यात्रा की शुरुआत की। अपनी सायकल पर तिरंगा झंडा और जरूरी सामान रखने के साथ युवकों को यहां से विदा किया गया। उन्होंने रक्तदान जागरूकता और इससे संबंधित आवश्यक पर्चे पास में रखे हैं जिन्हें रास्ते में लोगों को दिया जाना है। कोरबा से रवानगी के बाद सबसे पहले वे जशपुर जिले को कवर करेंगे फिर इसके बाद आगे के रूट पर अपनी उपस्थिति दर्ज कराएंगे। सारस्वत ने मीडिया से बातचीत करते हुए कहा कि प्रदेश में खून की कमी के कारण काफी मौतें हो जाती है इसलिए लोगों को रक्तदान के प्रति जागरूक करना है। हेल्पिंग हैंड वेलफेयर सोसायटी से जुड़े इन दोनों युवकों की यात्रा के लिए लोगों ने शुभकामना दी।

मानसिक रूप से कमजोर युवती कालोनी में बने कुएं में गिरी

कोरबा(विश्व परिवार)। एसईसीएल कोरबा क्षेत्र के सुभाष ब्लाक कालोनी में बने एक कुएं में मंगलवार की दोपहर 31 वर्षीय युवती गिर गई। सूचना मिलने पर डायल 112 की टीम के साथ ही मानिकपुर चैकी प्रभारी मौके पर स्टाफ के साथ पंहुचे। कुआं का निरीक्षण करने पर युवती एक रस्सी को पकड़ कर भीतर बैठे देखा। इसके साथ ही आपातकाल बचाव दल को सूचना देकर स्थल पर बुलाया गया। बाद में बचाव दल द्वारा मशक्कत कर युवती को कुएं से सुरक्षित बाहर निकाला। डायल 112 द्वारा युवती के स्वास्थ्य परीक्षण नजदीक के एसईसीएल के मुड़ापार स्थित विभागीय अस्पताल ले जाकर कराया गया। जहां डाक्टरों ने उसे पूर्णत: सुरक्षित बताया। इस घटना के संबंध में अब्दुल सुलतान ने बताया की कुएं में गिरने वाली सकीला कुरैशी उसकी बेटी है, जो थोड़ी मानसिक रूप से कमजोर है। वह कुएं के पास कैसे पहुंची और कैसे गिर गई। इसकी उन्हें कोई जानकारी नहीं है।

मलेरिया से छह बीमार, जिला अस्पताल में उपचार जारी

गरियाबंद(विश्व परिवार)। ज़िला अस्पताल में मंगलवार शाम मलेरिया के छै पीड़ित बच्चों को भर्ती किया गया जिनका उपचार जारी है ।ज्ञात हो कि जिले में बदलते मौसम के चलते जहां विभिन्न प्रकार की बीमारिया अपना पैर पसार रही है वही दुर्गम पहाड़ियो के ऊपर बसा ग्राम ओड़ जोकि मुख्य मार्ग से काफ़ी दुर्गम वनांचल क्षेत्र में बसा है वहाँ के पांच छोटे छोटे बच्चों सहित छै लोग को जो मलेरिया बीमारी से पीड़ित थे जिन्हें मंगलवार शाम को ओड की मितानीन के साथ निजी वाहन से गरियाबंद ज़िला अस्पताल लाया गया ।गौरतलब है कि मुख्य मार्ग से काफ़ी दूर उचाइयो पर पहाड़ के ऊपर बसा ग्राम आमामौरा ओड़ में प्रारंभ से ही शुद्ध पीने की पानी की कमी देखा गया है ।ऐसी स्थिति में वर्तमान समय में बार बार बदल रहे मौसम के चलते गर्मी सर्दी और बरसात से गंदगी और मच्छर ज्यादा पनपने लगे है ।इन्ही सब स्थितियों के चलते ग्राम ओड़ के दुकालू कमार 24 वर्ष तुलेश्वर 18 वर्ष धनेशवरी 14 वर्ष कौशलिया 13 वर्ष राजकुमारी 3 .5 वर्ष अमृता 3 वर्ष और रामशीला 12 वर्ष जो सभी विशेष पिछड़ी जनजाति कमार समाज से है उन मलेरिया बीमारी से पीड़ित लोगो को ग्राम के ओढ़ की मितानीन बसंती बाई अपने साथ गरियाबंद ज़िला अस्पताल लाकर भर्ती किया गया ।ज्ञात हो कि राज्य व् केंद्र शासन द्वारा इस विशेष रूप से पिछड़ी जनजाति कमार व भुनजिया के सरंक्षण के लिए विशेष अभियान लगातार चलाया जा रहा है वही उनके सरक्षण व विकास के लिए एक अलग विभाग भी शासन द्वारा संचालित किया जा रहा है।

अवैध शराब के साथ के साथ आदतन बदमाश गिरफ्तार

राजनांदगांव(विश्व परिवार)। शहर की कोतवाली पुलिस ने बुधवार को अवैध शराब बेचने के आरोप में एक आदतन बदमाश को गिरफ्तार किया है तथा उसके पास से 32 पौवा देशी शराब बरामद किया है। मिली जानकारी के अनुसार पुलिस अधीक्षक मोहित गर्ग के निर्देश एवं अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक राहुल देव शर्मा तथा नगर पुलिस अधीक्षक पुष्पेन्द्र नायक राजनादगांव के मार्गदर्शन एवं थाना प्रभारी निरीक्षक एमन साहू के नेतृत्व मे असामाजिक तत्वों एवं अवैध शराब बिक्री करने वालो के विरूद्ध चलाये जा रहे अभियान के तहत दिनांक 15.05.2024 को मुखबीर की सूचना पर घटना स्थल रेल्वे फाटक के पास तुलसीपुर राजनांदगांव में रेड कार्यवाही कर आरोपी मुकेश साहू पिता धनीराम साहू उम्र 30 वर्ष साकिन रेल्वे क्रसिंग के पास तुलसीपुर थाना कोतवाली राजनांदगॉव (छग) के कब्जे से 32 पौवा देशी शराब कुल 5.760 बल्क लीटर कीमती 2880 रूपये एवं बिक्री रकम 300 रूपये जप्त किया गया।

राइस मिलर्स से एक सप्ताह के भीतर शेष धान का उठाव कराये : कलेक्टर रणबीर शर्मा

कलेक्टर ने बैठक में एफसीआई व नान में चावल जमा करने की समीक्षा की एवं समय में चावल जमा करने के निर्देश दिए।

बेमेतरा(विश्व परिवार)। कलेक्टर शर्मा ने आज यहां कलेक्ट्रेट के दिशा सभाकक्ष में वर्ष 2023-24 मे उपर्जित धान के त्वरित उठाव एवं कस्टम मिलिंग के चावल जमा के संबंध में जिले के राईस मिलर्स और खाद्य अधिकारीयों की बैठक लेकर समीक्षा की साथ ही कस्टम मिलिंग और धान उठाव के संबंध में विस्तृत चर्चा की और धान उपार्जन केन्द्रों व धान संग्रहण केंद्र से धान उठाव में आने वाली दिक्कतों से अवगत होकर सभी परेशानियों को दूर करने अधिकारियों को निर्देश दिए। बैठक में खाद्य अधिकारी, उपायुक्त सहकारिता, जिला विपणन अधिकारी, जिला प्रबंधक (नान), जिला सहकारी केंद्रीय बैंक, डिपो इंचार्ज (भा. खा.ना.) विभाग के सभी अधिकारी उपस्थित रहे उन्होंने सार्वजनिक वितरण प्रणाली की विभिन्न योजनाओं अंतर्गत खाद्यान्न वितरण एवं उठाव की प्रगति की विकासखडवार समीक्षा भी की। कलेक्टर शर्मा ने जिले के सभी राईस मिलर्स को शीघ्र ही धान उपार्जन केंद्रों से बचे हुये शेष धान की उठाव करने के निर्देश दिए। उन्होंने खाद्य विभाग के अंतर्गत पीडीएस वितरण कार्य, चावल भंडारण की उपलब्धता आदि की जानकारी ली। कलेक्टर ने बैठक में एफसीआई व नान में चावल जमा करने की समीक्षा की एवं समय में चावल जमा करने के निर्देश दिए। जिला खाद्य अधिकारी ने बताया कि खरीफ वर्ष 2023-24 में 934686.7 मेट्रिक की टन धान की खरीदी हुई है। जिसमें 889729 मेट्रिक टन डीओ जारी किया गया एवं डीओ के विरुद्ध 882462 मिट्रिक टन धान का उठाव हो चूका हैं, बाकी शेष है। 7 हजार 262 मेट्रिक टन का उठाव शेष हैं। इसके साथ ही 44567 मिट्रिक टन का टी.ओ जारी हुआ है जिसमे 20778 मिट्रिक टन धान का उठाव हो गया हैं तथा 23790 मिट्रिक टन धान शेष है। इसी प्रकार कस्टम मिलिंग के उपरांत नागरिक आपूर्ति केंद्र मे 61023.18 मिट्रिक चावल जमा हो गई हैं। कुल 60 प्रतिशत तथा भारतीय खाद्य निगम मे 61275.91 प्रतिशत कुल 24 प्रतिशत चावल जमा हुई हैं। कलेक्टर शर्मा ने अधिकारियों को जिले के राइस मिलर्स से समय सीमा के भीतर धान का उठाव करने के निर्देश दिये।

जिले के सभी स्कूलों में 20 से 31 मई तक समर कैम्प का आयोजन सुनिश्चित की जाए- सीईओ डॉ. कन्नौजे

शिक्षा एवं संबद्ध विभागों के अधिकारियों की बैठक लेकर सफल आयोजन के संबंध में आवश्यक दिशा-निर्देश दिए

बालोद(विश्व परिवार)। जिला पंचायत के मुख्य कार्यपालन अधिकारी डॉ. संजय कन्नौजे ने जिले के सभी स्कूलों में आगामी 20 से 31 मई तक अनिवार्य रूप से समर कैम्प का आयोजन सुनिश्चित करने के निर्देश दिए है। डॉ. कन्नौजे आज जिला पंचायत सभाकक्ष में शिक्षा एवं संबद्ध विभाग के अधिकारियों की बैठक लेकर आवश्यक दिशा-निर्देश दिए है। बैठक में डिप्टी कलेक्टर एवं शिक्षा विभाग के नोडल अधिकारी सुश्री प्राची ठाकुर, राजस्व अनुविभागीय अधिकारियों तथा मुख्य कार्यपालन अधिकारी जनपद पंचायत, मुख्य नगर पालिका अधिकारी, विकास खण्ड शिक्षा अधिकारी, विकास खण्ड स्रोत समन्वयक एवं संकुल समन्वयकों के अलावा अन्य अधिकारी उपस्थित थे। बैठक में डॉ. संजय कन्नौजे ने कहा कि स्कूली शिक्षा विभाग के द्वारा ग्रीष्मकालीन अवकाश के दौरान छात्र-छात्राओं को रचनात्मक गतिविधियों में संलग्न कर उनमें बहुमुखी कौशल का विकास सुनिश्चित करने हेतु समर कैम्प का आयोजन किया जा रहा है। इस दौरान विद्यार्थियों को पेंटिंग, रंगोली, गायन, वादन, नृत्य आदि गतिविधियां कराई जायेगी। उन्होने कहा कि इस दौरान आयोजित रचनात्मक गतिविधियों के अंतर्गत छात्र-छात्राओं के पालक एवं उनके शिक्षकों का मार्गदर्शन अंत्यन्त उपयोगी हो सकता है। डॉ. संजय कन्नौजे ने बताया कि समर कैम्प स्कूलों एवं गांव अथवा सामुदायिक स्थानों में आयोजित किया जा सकता है। सीईओं जिला पंचायत ने समर कैम्प में कला एवं रचनात्मक क्षेत्र के विशेषज्ञों को आमंत्रित करके उनसे छात्र-छात्राओं को मार्गदर्शन एवं प्रशिक्षण प्रदान करने के निर्देश भी दिए। उन्होने आयोजन के दौरान विद्यार्थियों को सड़क सुरक्षा के उपायों के भी जानकारी प्रदान करने के निर्देश दिए। उन्होने कहा कि इसके अलावा समर कैम्प में स्कूल के शिक्षक एवं छात्र-छात्राओं के पालकों एवं शाला विकास समिति का भी सहयोग लिया जा सकता है। डॉ. संजय कन्नौजे ने बताया कि समर कैम्प का आयोजन 20 से 31 मई तक सुबह 7 से 9.30 बजे तक आयोजित की जायेगी। बैठक में उन्होने जिन स्थानों पर एक ही परिसर में प्राथमिक एवं माध्यमिक शाला तथा हायर सेकण्डरी स्कूल संचालित है ऐसी स्थानों को समर कैम्प के लिए चयनित करने के निर्देश भी दिए। डॉ. संजय कन्नौजे ने कहा कि समर कैम्प के सफल आयोजन हेतु संकुल समन्वयक एवं संकुल प्राचार्य नोडल अधिकारी होंगे।

पोंडी-उपरोड़ा ब्लाक के 55 लोगों ने कराई मोतियाबिन्द सर्जरी

कोरबा(विश्व परिवार)। आँख है तो समझिये सारा जहां आपके पास व साथ है, इसके बगैर इंसान की दुनिया में अंधेरा ही अंधेरा है। कोरबा जिले को मोतियाबिंद दृष्टिहीनता से मुक्त करने के लिए कलेक्टर श्री अजीत वसंत के मार्गदर्शन तथा मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ.एस.एन.केशरी के नेतृत्व में स्वास्थ्य विभाग का नेत्र चिकित्सा विभाग लगातार प्रयासरत् है। डॉ. केशरी ने बताया कि ग्रामीण क्षेत्रों में गर्मी के मौसम में मोतियाबिन्द का ऑपरेशन नहीं कराने की व्याप्त गलत धारणा के कारण केवल सर्दियों में मोतिबिन्द का ऑपरेशन कराया जाता है। उन्होंने बताया कि यह धारणा निराधार है जिससे उपचार में अनावश्यक देरी हो सकती है साथ ही आगे और दृष्टिगत समस्या हो सकती है। सीएमएचओ ने बताया कि दूर या पास का कम दिखाई देना, गाड़ी ड्राइव करने में समस्या और दूसरे व्यक्ति के चेहरे के भावों को न पढ़ पाना आँखों में मोतियाबिन्द विकसित होने के लक्षण हैं। चश्मे या लेंस से स्पष्ट दिखाई न देने पर सर्जरी ही एकमात्र विकल्प बचता है जिसकी सलाह आवश्यकता पड़ने पर नेत्र विशेषज्ञों द्वारा दी जाती है। डॉ. सुमित गुप्ता, नोडल अधिकारी, राष्ट्रीय दृष्टिहीनता नियंत्रण कार्यक्रम ने बताया कि राष्ट्रीय दृष्टिहीनता नियंत्रण कार्यक्रम के तहत् मरीजों का मोतियाबिन्द का ऑपरेशन तथा गुणवत्तापूर्ण दवाई तथा देखभाल करने के साथ ही वनांचल एरिया तथा दुर्गम क्षेत्र के मरीजों को अस्पताल तक लाना शामिल है। इस राष्ट्रीय कार्यक्रम का लाभ लेते हुए ग्राम पोंड़ी उपरोड़ा के 55 ग्रामीण मरीजों ने मोतियाबिंद का ऑपरेशन कराया।

कलेक्टर ने ली छात्रावास अधीक्षकों की बैठक

बेमेतरा(विश्व परिवार)। कलेक्टर रणबीर शर्मा ने आज जिला कलेक्टोरेट स्थित दृष्टि सभाकक्ष में आदिम जाति एवं अनुसूचित जाति विकास विभाग के छात्रावास अधीक्षकों की बैठक ली 7 कलेक्टर ने एक-एक कर छात्रावास व आश्रमों के अधीक्षकों से छात्रावास एवं आश्रम के संचालन, उपलब्ध सुविधा, संसाधन, एवं कमियों की गहन समीक्षा करते हुये समस्त छात्रावासों में सीसीटीवी कैमरा, भोजन व्यवस्था, शिक्षक व विद्यार्थियों की संख्या, शौचालय, पेयजल, साफ सफाई, बच्चों की साफ सफाई आदि की जानकारी ली। इस अवसर पर अपर कलेक्टर डा. अनिल वाजपेयी असिस्टेंट कमिशनर ट्राइबल राधे श्याम टंडन सहित जिले के समस्त छात्रावास अधीक्षक उपस्थित थे । कलेक्टर रणबीर शर्मा ने कहा कि छात्रावास में दूर-दराज के विद्यार्थी पढ़ने आते है। शासन द्वारा उन्हें तमाम सुविधा उपलब्ध कराई जाती है इसलिए आप सभी का कर्तव्य हैं की सभी बच्चों को अपने घर के बच्चों की तरह रखे उन्हें सारी सुविधा उपलब्ध कराये। छात्रावास में रहकर पढ़ाई करने से व्यक्तित्व और एक दूसरे में सहयोग की भावना का विकास होता है। उन्होंने समस्त अधीक्षकों को समय सीमा एक सप्ताह के भीतर हॉस्टल की शौचालय, छत मरम्मत करने के निर्देश दिए उन्होंने हॉस्टल में गार्डनिंग कर अलग अलग तरह के पौधे लगाने और परिसर को साफ सफाई करने के निर्देश दिए 7 उन्होंने छात्रावास में बच्चों के लिए पानी पीने कि व्यवस्था, पंखा, कूलर में हो रहें बिजली सप्लाई को चेक करने को कहा ताकि कोई दुर्घटना ना हो ।

कलेक्टर ने निर्माण एजेंसियों की बैठक लेकर पूर्ण अपूर्ण एवं प्रगतिरत कार्यों की समीक्षा की

निर्माण कार्य गुणवत्ता के साथ समय-सीमा में पूर्ण करने के दिए निर्देश

गरियाबंद(विश्व परिवार)। कलेक्टर दीपक कुमार अग्रवाल ने आज कलेक्टोरेट सभाकक्ष में जिले के सभी निर्माण एजेंसियों की बैठक लेकर जिले में चल रहे पूर्ण अपूर्ण एवं प्रगतिरत निर्माण कार्यों की समीक्षा की। उन्होंने कहा कि सभी निर्माण कार्य गुणवत्ता के साथ समय-सीमा के भीतर पूर्ण करें। उन्होंने कहा कि निर्माण एजेंसी द्वारा निर्माण कार्यों में कोई परेशानी आती है उसकी जानकारी साझा करें। जिससे संबंधित क्षेत्र के अधिकारियों और जिला प्रशासन के माध्यम से दूर किया जाएगा। जिले के स्कूल,हॉस्टल,कॉलेज,आश्रम छात्रावासों एवं अन्य शासकीय कार्यालयों के रंगाई-पोताई और निर्माण जीर्णोद्धार के कार्य चल रहे है। उन कार्यो को गुणवत्ता के साथ पूर्ण कराने के निर्देश दिये। उन्होंने कहा कि अधिकारियों की जिम्मेदारी है कि ठेकेदारों से इन कार्यो को समय-सीमा के अंदर काम करवाना सुनिश्चित करें। उन्होंने कहा कि जो ठेकेदार काम में बिना वजह देरी कर रहे हैं उनके विरूद्ध अनुबंध के अनुसार कार्यवाही करें। इसमें किसी प्रकार की कोताही न बरते। सभी निर्माण कार्यो में गुणवत्ता का पूरा ध्यान रखे। ईई से लेकर सब इंजीनियर तक सभी लगातार फील्ड का दौरा कर कामों की क्वालिटी मॉनिटरिंग करें। यदि अंतर्विभागीय समन्वय में कहीं समस्या आती है तो तत्काल मामले को उच्च अधिकारियों के संज्ञान में लाएं जिससे उसका निराकरण किया जा सके। इसके कारण काम की गति प्रभावित नहीं होनी चाहिए। उन्होंने बैठक में निर्माण कार्यों के भू-अर्जन से जुड़े मामलों की भी जानकारी ली। कलेक्टर श्री अग्रवाल ने कहा कि कामों का समय-सीमा के भीतर पूरा होना जरूरी है, जिससे लोगों को इन निर्माण कार्यों का लाभ मिल सके। उन्होंने कहा कि बारिश शुरू होने से पहले निर्माण कार्य पूरी गति से पूर्ण किए जाए। जिले में चल रहे सड़कों और भवनों के काम की विस्तार से समीक्षा की।

विश्व नर्सिंग दिवस के उपलक्ष्य में रक्तदान शिविर आयोजित

102 लोगों ने किया रक्तदान

कोरबा(विश्व परिवार)। कोरबा जिले में मारवाड़ी युवा मंच दर्री जमनीपाली जैलगाँव एवं न्यू कोरबा हॉस्पिटल (जीवन आशा) जमनीपाली के संयुक्त तत्वाधान में विश्व नर्सिंग दिवस के उपलक्ष्य में रक्तदान शिविर एवं निरूशुल्क स्वास्थ्य शिविर का आयोजन दर्री क्षेत्र में किया गया। इस शिविर में 102 लोगो रक्तदान किया एवं उपस्थित सभी का निरूशुल्क स्वास्थ्य परीक्षण एवं रक्त जाँच किया गया। इस कार्यक्रम में अतिथि के रूप में सीआईएसएफ के असिस्टेंट कमांडेंट चिराग गर्ग, मारवाड़ी युवा मंच छत्तीसगढ़ प्रांत के प्रदेश अध्यक्ष मनीष अग्रवाल, न्यू कोरबा हॉस्पिटल के संचालक डॉ. शोभराज चाँदनी मंच के पदाधिकारिगण, सीआईएसएफ के अधिकारी और डॉक्टर्स मौजूद रहे। शिविर का शुभारंभ अथितियों असिस्टेंट कमांडेंट चिराग गर्ग, प्रदेश अध्यक्ष मनीष अग्रवाल, संरक्षक मनोज अग्रवाल, प्रांतीय संयुक्त मंत्री सुमित अग्रवाल, निर्वृतमान शाखा अध्यक्ष राकेश गोयल द्वारा फीता काट के एवं दीप प्रज्वलित् करके किया गया। कार्यक्रम की अध्यक्षता कर रहे मारवाड़ी युवा मंच के शाखा अध्यक्ष पारस अग्रवाल एवं न्यू कोरबा हॉस्पिटल के कार्यक्रम संयोजक साजिद खान द्वारा कार्यक्रम को आगे बढ़ाया एवं सीआईएसएफ के असिस्टेंट कमांडेंट ने अपने उद्बोधन में कहा 12 मई का दिन नर्सिंग कर्मियों को समर्पित है। आज नर्सेज के सेवाभाव को सलाम करने का दिन है। नर्सिंग को विश्व के सबसे बड़े स्वास्थ्य सेवा के रूप में देखा जाता है। रोगियों को शारीरिक एवं मानसिक रूप से राहत पहुंचाने में नर्सों का योगदान हमेशा से ही महत्वपूर्ण माना गया है। एवं अपने शैक्षिक जीवन के सफल यात्रा के अनुभव को मौजूद युवाओं के साथ साझा किया ।मारवाड़ी युवा मंच के प्रांतीय अध्यक्ष द्वारा नर्सेज को सम्मान दिया गया एवं मारवाड़ी युवा मंच की समाज सेवा के प्रति किए गए सेवाकार्यो एवं उपलब्धियों से परिचय करवाया। एनकेएच के संचालक डॉ. शोभराज चंदानी ने मौजूद नर्सेज का अभिवादन किया और क्षेत्र के लोगो के अपना चिकित्सा संबंधी दृष्टिकोण रखा एवं दर्री क्षेत्र में चिकित्सा के संबंध में सुधार हेतु सकारात्मक पहल की बात कही। इस कार्यक्रम को सफल बनाने में कार्यक्रम संयोजक मधुर अग्रवाल, प्रांतीय संयोजक अंजय अग्रवाल, प्रांतीय सहसंयोजक विकास अग्रवाल, पूर्व शाखा अध्यक्ष नित्तुल अग्रवाल, कोषाध्यक्ष अरुण केडिया, सदस्यगण अमित अग्रवाल, आशीष गोयल, वैभव गोयल, सौरभ अग्रवाल, आशीष अग्रवाल, बालकिशन अग्रवाल, प्रतीक अग्रवाल, जय अग्रवाल, मयंक अग्रवाल, रूपेश गोयल, सतीश अग्रवाल, बिट्टू एवं मंच के सभी साथीगण उपस्थित रहे।

व्यापार समाचार

सैमको म्यूचुअल फंड ने सैमको स्पेशल अपॉर्चुनिटी फंड (विशेष अवसर निधि) पेश किया: पोटेंशियल ग्रोथ का लाभ उठाने का प्रभावी तरीका

मुंबई। सैमको एसेट मैनेजमेंट प्राइवेट लिमिटेड, एक प्रतिष्ठित निवेश प्रबंधन फर्म, स्पेशल अपॉर्चुनिटीज फंड यानी विशेष अवसर निधि (एसओएफ) के लॉन्च की घोषणा करते हुए रोमांचित है। इस अनूठे फंड को बाजार के अवसरों की पहचान करने के लिए डिज़ाइन किया गया है, जिसका लक्ष्य कम मूल्य वाले या उपेक्षित अवसरों के माध्यम से दीर्घकालिक पूंजी वृद्धि दर्ज करना है। इस फंड के खुलने की तारीख 17 मई, 2024 है और 31 मई, 2024 को क्लोज होगा। सैमको म्यूचुअल फंड का स्पेशल अपॉर्चुनिटीज फंड एक डिस्रप्शन स्ट्रेटेजी पर तैयार किया गया है जिसमें डिजिटलीकरण, इनसाइडर मिरर ट्रेडिंग, स्पिन ऑफ और कॉर्पोरेट एक्शंस, सुधार-नियामक, सरकार, अंडरवैल्यूड होल्डिंग कंपनियां, प्रीमियमाइजेशन, ट्रेंड्स सस्टेनेबल, इनोवेशन और टेक्नोलॉजिकल डिस्रप्शन, संगठित बदलाव, नए और उभरते क्षेत्र सहित 10 अलग-अलग उप-रणनीतियां शामिल हैं। इस मॉडल में 10 उप-रणनीतियां निवेशकों के लिए संभावित विकास और मूल्य की तलाश करने के लिए जोखिम और विशेष परिस्थितियों का लाभ उठाते हुए, विविध प्रकार के निवेश विचारों को सामने लाते हुए व्यवस्थित दृष्टिकोण को सक्षम बनाती हैं। डायनेमिक फ्लेक्सिबिलिटी फंड की एक प्रमुख विशेषता है, जो इसे सभी क्षेत्रों और विषयों में निर्बाध रूप से घूमने की अनुमति देती है, जिससे यह सुनिश्चित होता है कि यह उभरते रुझानों को पकड़ने और बाजार की बदलती गतिशीलता को भुनाने के लिए तैयार है। सैमको म्यूचुअल फंड के सीईओ विराज गांधी ने कहा, सैमको म्यूचुअल फंड में, हमारा मिशन निवेशकों को अत्याधुनिक और विश्वसनीय वित्तीय समाधानों के साथ सशक्त बनाना है। गतिशीलता और अनुकूलनशीलता सैमको स्पेशल अपॉर्चुनिटीज फंड के मूल में हैं। हमारा फंड डायनेमिक फ्लेक्सिबिलिटी का उदाहरण है, जो निवेश जगत में क्षेत्रों और विषयों के लगातार बदलते परिदृश्य को समझने के लिए महत्वपूर्ण है। SAMCO SOF को यूनिवर्सल निर्देशित होता है, जिसका अर्थ यह है कि यह अपने निवेश के दायरे को एक विशिष्ट बाजार पूंजीकरण वाली कंपनियों तक सीमित नहीं करता है। यह रणनीति फंड को लार्ज-कैप से लेकर माइक्रो-कैप कंपनियों तक, पूरे मार्केट स्पेक्ट्रम में विशेष स्थितियों को जांचने और उससे लाभ उठाने की अनुमति देती है। खुद को एक विशेष सेगमेंट तक सीमित न रखते हुए, फंड निवेश के सभी संभावित अवसरों की एक विस्तृत श्रृंखला का पीछा करने में सक्षम बनाता है, साथ ही बाजार के विविध और कभी-कभी कम खोजे गए क्षेत्रों का दोहन करके पूंजीगत प्रशंसा की अपनी क्षमता को बढ़ाता है। सैमको म्यूचुअल फंड के सीआईओ उमेशकुमार मेहता कहते हैं, कर दक्षता सैमको स्पेशल अपॉर्चुनिटीज फंड की एक और आधारशिला है। आंतरिक रूप से थेमेटिक इन्वेस्टमेंट्स का प्रबंधन करके, हमारा लक्ष्य निवेशकों द्वारा विभिन्न थेमेटिक फंडों की लगातार खरीद और बिक्री से जुड़े कर निहितार्थों को रोकना है। यह दृष्टिकोण अतिरिक्त कर बोझ को कम करता है, संभावित रूप से थेमेटिक फंडों में व्यक्तिगत लेनदेन के साथ होने वाले कर के बोझ से बचकर समग्र रिटर्न को बढ़ाता है।

ZEE5 ने धारदार और दिलचस्प फिल्म 'बस्तर: द नक्सल स्टोरी' का प्रीमियर किया

नईदिल्ली। भारत का सबसे बड़ा घरेलू वीडियो स्ट्रीमिंग प्लेटफॉर्म और बहुभाषी स्टोरीटेलर ZEE5, सनशाइन पिक्चर्स प्राइवेट लिमिटेड द्वारा प्रोड्यूज किए गए हार्ड-हिटिंग क्राइम ड्रामा - 'बस्तर: द नक्सल स्टोरी' का प्रीमियर कर रहा है। द केरल स्टोरी की कामयाबी के बाद डाइरेक्टर सुदीप्तो सेन, प्रोड्यूसर विपुल अमृतलाल शाह और लीड एक्टर अदा शर्मा की कोर टीम, एक और धारदार व विचारोत्तेजक नैरेटिव लेकर आई है। सच्ची घटनाओं से प्रेरित यह फिल्म, छत्तीसगढ़ की नक्सली बगावत को दबाने के लिए एक अकेले पुलिस अधिकारी द्वारा किए गए असाधारण प्रयासों पर केंद्रित है। फिल्म में अदा शर्मा के साथ-साथ इंदिरा तिवारी, विजय कृष्णा, शिल्पा शुक्ला, यशपाल शर्मा, सुब्रत दत्ता और राइमा सेन भी प्रमुख भूमिकाएं निभा रही हैं। आज से, दर्शक अब 'बस्तर' को विशेष रूप से ZEE5 पर स्ट्रीम कर सकते हैं! 'बस्तर' एक दिलचस्प दास्तान है जो नक्सली खतरे पर रोशनी डालती है। यह खतरा हजारों लोगों की जान ले चुका है और इसने पूरे इलाके में भारी तबाही मचा रखी है। सच्ची घटनाओं से प्रेरणा लेते हुए, यह फिल्म ऐसे वफादार पुलिस अधिकारी के कदमों को फॉलो करती है जो छत्तीसगढ़ में नक्सली विद्रोह से जूझने के लिए तमाम हदें पार कर जाता है। आपको अंदर तक झकझोर देने वाले भावुक पलों के साथ, 'बस्तर' इस मुद्दे की पेचीदगियों पर बेबाक नज़र डालती है। गुमनाम नायकों के आतंकवाद से लड़ने तथा अधिकारियों की निजी मुश्किलों और नक्सली समुदाय के खिलाफ उनकी साहसी जंग को गहराई से जानने के लिए ZEE5 पर बस्तर को अवश्य देखें। यह फिल्म अब हिंदी और तेलुगु में भी उपलब्ध है।

राजकुमार राव, जान्हवी कपूर, शरण शर्मा, मोहम्मद फैज और जानी ने मुंबई में एक कार्यक्रम में 'मिस्टर एंड मिसेज माही' का पहला गाना 'देखा तेनु' लॉन्च किया!

जब से नेटिज़न्स को आगामी रोमांटिक ड्रामा 'मिस्टर एंड मिसेज माही' के हाल ही में रिलीज़ हुए ट्रेलर में 'देखा तेनु' की झलक मिली है, तब से गाने के पूर्ण रिलीज़ को लेकर काफ़ी चर्चा और उत्साह है। आखरिकार इंतज़ार खत्म हुआ! 'मिस्टर एंड मिसेज माही' के निर्माताओं ने मुंबई में एक भव्य कार्यक्रम में बहुप्रतीक्षित पूरा गाना लॉन्च किया। इस कार्यक्रम में राजकुमार राव और जान्हवी कपूर के साथ-साथ फिल्म के निर्देशक शरण शर्मा, गायक मोहम्मद फैज, गीतकार और संगीतकार जानी भी मौजूद थे। इस कार्यक्रम में राजकुमार राव, जान्हवी कपूर और निर्देशक शरण शर्मा ने फिल्म के बारे में बात की, जिसके बाद मोहम्मद फैज और जानी ने 'देखा तेनु' पर प्रस्तुति दी, जिसके बाद गाने का वीडियो रिलीज़ किया गया। 'देखा तेनु' में राजकुमार राव और जान्हवी कपूर के बीच की शानदार केमिस्ट्री दिखाई गई है। यह गाना जयपुर के खूबसूरत इलाकों में फिल्माया गया है, जिसमें फिल्म में दोनों की खूबसूरत शादी के सीक्वेंस के साथ-साथ उनकी केमिस्ट्री को भी दिखाया गया है। अभिनेता राजकुमार राव ने कहा, देखा तेनु' एक खूबसूरत गाना है, मैं इसे सुनते हुए बड़ा हुआ हूं और मेरे दिल में इसकी एक खास जगह है।

अरशद खान एक बहुत अच्छे ऑलराउंड क्रिकेटर हो सकते हैं: जस्टिन लैंगर

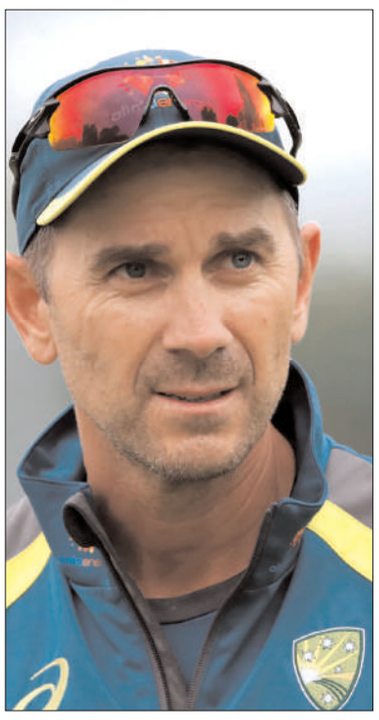

नई दिल्ली(एजेंसी)। जब दिल्ली कैपिटल्स ने 15वें ओवर में लखनऊ सुपर जाइंट्स को 134/7 पर रोक दिया, तो ऐसा लग रहा था कि अरुण जेटली स्टेडियम में मैच जल्दी खत्म होने वाला है। लेकिन बाएं हाथ के तेज गेंदबाजी ऑलराउंडर अरशद खान ने 33 गेंदों में नाबाद 58 रन बनाकर मैच को छीनने की कोशिश की और एलएसजी के लिए 209 रनों के असंभव लक्ष्य का पीछा करने का प्रयास किया। यह अरशद का पहला टी20 अर्धशतक भी था, और वह टूर्नामेंट में निचले स्तर पर बल्लेबाजी करते हुए अर्धशतक लगाने वाले सातवें बल्लेबाज बन गए, हालांकि इसने एलएसजी को 19 रन की हार से नहीं रोका, जिससे उनकी आईपीएल 2024 प्लेऑफ की उम्मीदें बहुत कम अंतर से लटक गईं। एलएसजी के मुख्य कोच जस्टिन लैंगर का मानना है कि अरशद, जिन्होंने बल्ले से पांच छक्के और तीन चौके लगाने के अलावा जेक फ्रेजर-मैकगर्क को दो गेंदों पर शून्य पर आउट किया, अगर वह अपने प्रदर्शन में निरंतरता बनाए रखते हैं तो एक बहुत अच्छे ऑलराउंडर बन सकते हैं। लैंगर ने मैच के बाद प्रेस कॉन्फ्रेंस में कहा, अरशद एक बहुत अच्छा क्रिकेटर है। वह गेंद को जल्दी घुमाता है, एक अच्छा क्षेत्ररक्षक है और उस तरह से बल्लेबाजी करने में सक्षम होने के लिए, वह एक बहुत अच्छा पैकेज है। पूरे टूर्नामेंट में देखने से पता चलता है कि उसके पास बहुत बड़ी क्षमता है और उसने उसे दिखाया भी है। वह ट्रिस्टन स्टब्स द्वारा डीसी के लिए 25 गेंदों में नाबाद 57 रनों की एक और शानदार पारी खेलने से भी आश्चर्यचकित रह गए और यहां तक कि आयुष बदौनी का एक महत्वपूर्ण विकेट भी लिया। मेरे भगवान, स्टब्स एक बहुत ही अच्छे क्रिकेटर हैं। मैं पावर-प्ले देख रहा हूं और जिस तरह से इनमें से कुछ टीमें खेल खत्म कर रही हैं। ट्रिस्टन स्टब्स एक उत्कृष्ट क्रिकेटर हैं और हमने इसे यहां फिर से देखा है।

स्टीफन फ्लेमिंग बन सकते हैं टीम इंडिया के नए हेड कोच, राहुल द्रविड़ छुट्टी तय!

नईदिल्ली(एजेंसी)। टीम इंडिया के कोचिंग स्टाफ में टी20 वर्ल्ड कप 2024 के बाद बहुत सारे बदलाव देखने को मिलेंगे. भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड (बीसीसीआई) ने टीम इंडिया के हेड कोच के लिए आवेदन मंगवाए हैं. रिपोर्ट के मुताबिक बीसीसीआई ने नया हेड कोच नियुक्त करने की प्रक्रिया भी शुरू कर दी है. बताया जा रहा है कि न्यूजीलैंड के दिग्गज खिलाड़ी स्टीफन फ्लेमिंग को भारत का नया कोच बनाया जा सकता है. बीसीसीआई के अधिकारी इंतजार कर रहे हैं कि फ्लेमिंग अपने बिजी शेड्यूल से समय निकाल कर इस पद के लिए अपना आवेदन कब करते हैं. बीसीसीआई की शर्त अनुसार नए कोच को तीनों फॉर्मेट में टीम की जिम्मेदारी संभालनी होगी. सूत्रों की बात माने तो आईपीएल में चेन्नई सुपर किंग्स के कोच की भूमिका निभा रहे स्टीफन फ्लेमिंग टीम इंडिया की कोच की रेस में सबसे आगे हैं. अगर ऐसा होता है तो आने वाले कुछ वक्त में भारतीय क्रिकेट की दशा बदलने की संभवना होगी. फ्लेमिंग के पास अच्छी मैनेजमेंट स्किल्स हैं और सकारात्मक माहौल बनाकर खिलाड़ियों से अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करवाना अच्छे से जानते हैं. आईपीएल में सीएसके के कोच के रूप में सफलता प्रतिशत के कारण भी उन्हें टीम इंडिया के नए कोच के तौर पर देखा जा रहा है. इस वक्त राहुल द्रविड़ टीम इंडिया की हेड कोच की भूमिका निभा रहे हैं. द्रविड़ का कार्यकाल जून में होने वाले टी20 वर्ल्ड कप 2024 के बाद खत्म हो जाएगा. बता दें कि राहुल द्रविड़ ने नवंबर, 2021 में टीम इडिया की हेड कोच का पद संभाला था.

पंजाब के खिलाफ जीत राजस्थान का आत्मविश्वास बढ़ाएगी और वह शीर्ष दो में पहुंच जाएगी : अंबाती रायुडू

नई दिल्ली(एजेंसी)। भारत के पूर्व बल्लेबाज अंबाती रायुडू को लगता है कि पंजाब किंग्स के खिलाफ जीत मिलने से लगातार तीन हार के बाद आईपीएल 2024 के लीग चरण में शीर्ष दो में जगह बनाने के लिए राजस्थान रॉयल्स (आरआर) का आत्मविश्वास मजबूत होगा। दिल्ली कैपिटल्स (डीसी) द्वारा मंगलवार को लखनऊ सुपर जायंट्स (एलएसजी) को 19 रन से हराकर 14 मैचों में 14 अंकों के साथ अपना अभियान समाप्त करने के बाद आरआर प्लेऑफ के लिए क्वालीफाई करने वाली दूसरी टीम बन गई। संजू सैमसन की अगुवाई वाली टीम अपने पिछले तीन गेम हार गई है और टूर्नामेंट के नॉकआउट चरण में जाने से पहले जीत की राह पर लौटने का लक्ष्य बना रही है। रॉयल्स ने लगातार चार जीत के साथ शानदार शुरुआत की और पूरे सीज़न में शीर्ष चार में बने रहे। पिछले लगातार तीन मैचों में पिछड़ने के बावजूद राजस्थान 12 मैचों में 16 अंकों के साथ अंक तालिका में दूसरे स्थान पर बनी हुई है। रायडू ने स्टार स्पोर्ट्स को बताया, ऊउन्होंने पूरे सीज़न में अच्छा खेला है और यह एक भाग्यशाली मौका है जो उन्हें एक महत्वपूर्ण समय पर मिला है जब वे अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन नहीं कर रहे हैं। इसलिए इससे उन्हें अपने अगले 2 मैचों के लिए आत्मविश्वास मिलेगा। पंजाब के बाद, जयपुर स्थित फ्रेंचाइजी अपने अंतिम लीग चरण मुकाबले में टेबल टॉपर्स कोलकाता नाइट राइडर्स (केकेआर) से भिड़ेगी। दिग्गज क्रिकेटर का मानना है कि राजस्थान को पंजाब के खिलाफ जीत का लक्ष्य रखना चाहिए क्योंकि कोलकाता कड़ी चुनौती देगी। रायडू ने कहा, बेशक, वे अगला मैच जीतना पसंद करेंगे जो वे खेल रहे हैं और आदर्श रूप से उन्हें जीतना चाहिए क्योंकि वे जो अंतिम मैच खेलेंगे वह केकेआर के खिलाफ है।

सभी एंड्रॉयड फोन को मिलेंगे ये प्रीमियम फीचर्स जानिए गूगल के मेगा इवेंट की ये बड़ी घोषणाएं

नई दिल्ली(एजेंसी)। गूगल का एनुअल डेवलपर कॉन्फ्रेंस 'गूगल ढ्ढ/ह्र 2024' 14 मई को हुआ। कंपनी के ष्टश्वह्र सुंदर पिचाई ने इस इवेंट की शुरुआत की। कंपनी ने इस साल कोई नया डिवाइस लॉन्च नहीं किया है बल्कि वह यूजर्स की सुविधा और सुरक्षा को देखते हुए ढ्ढ फीचर्स पर काम कर रही है। यह इवेंट आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) पर आधारित रहा। इस इवेंट में गूगल और अल्फाबेट के सीईओ सुंदर पिचाई ने कहा कि दुनिया में 2 अरब से अधिक लोग एआई टूल त्दद्वद्बठ्ठद्ब का इस्तेमाल कर रहे हैं। इसके अलावा 1.5 मिलियन डेवलपर्स त्दद्वद्बठ्ठद्ब ढ्ढ का इस्तेमाल कर रहे हैं। इस इवेंट में कई ऐसी घोषणाएं हुईं जो एंड्रॉयड यूजर्स के लिए किसी तोहफे से कम नहीं हैं। आइए जानते हैं कि त्रशश्द्दद्यद्ग ढ्ढ/ह्र 2024 की बड़ी घोषणाओं के बारे में। एंड्रॉइड के 'सर्किल टू सर्च' फीचर के दायरे को गूगल अब और बढ़ा रहा है। त्रशश्द्दद्यद्ग के अनुसार, यह सुविधा 100 मिलियन से अधिक डिवाइसों पर उपलब्ध है, और आगे इसे और बढ़ाया जाएगा। पहले इस फीचर के जरिए आप एंड्रॉइड फोन की स्क्रीन पर किसी भी चीज को सर्किल कर गूगल पर सर्च कर सकते थे, पर अब इसके जरिये मैथ-फिजिक्स की प्रॉब्लम्स को हल करने के ट्रिक भी बताए जाएंगे। यह टूल उपयोगकर्ताओं को सेकंड में 'ढ्ढ-क्क2द्दह्लद्गस्र ह्यद्गड्डह्म्ष्द्ध' तक पहुंचाता है। गूगल ने 'जेमिनी' को ढ्ढ सपोर्टर के रूप में पेश किया है जो आपके डिवाइस पर सभी एप्लिकेशन पर काम करता है। ढ्ढ जेमिनी 1.5 प्रो को डॉक्स, शीट्स, स्लाइड्स, ड्राइव और जीमेल जैसे वर्कस्पेस ऐप्स के दाहिनी तरफ साइडबार में सेट किया गया है। इसकी पहुंच आपकी सारी सेव की गई डिटेल्स तक होगी। जैसे- अगर आप कोई कोई वीडियो देख रहे हैं, तो जेमिनी उस विडियो से संबंधित आपके प्रश्नों का उत्तर दे सकेगा। इसकी शुरुआत साल के अंत तक गूगल पिक्सल के डिवाइस से हो सकती है। गूगल मीट में जेमिनी ढ्ढ 68 लैंग्वेज को सपोर्ट करेगा। इसके अलावा, गूगल वर्कस्पेस में जेमिनी-पावर्ड फीचर्स मिलेंगे। अल्फाबेट ने गूगल वर्कस्पेस के लिए जेमिनी-पावर्ड साइडबार की घोषणा की है। जेमिनी 1.5 प्रो को अब ग्लोबल लेवल पर डेवलपर्स के लिए अवेलेबल कर दिया गया है।

जोमैटो कंपनी ने चौथी तिमाही में 175 करोड़ रुपये का शुद्ध लाभ कमाया

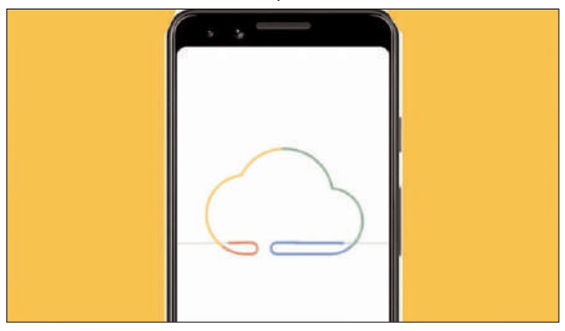

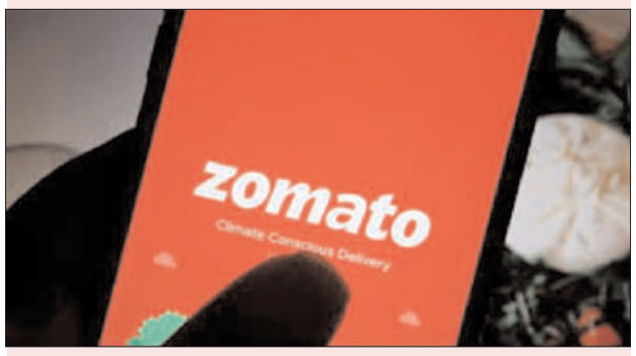

नई दिल्ली(एजेंसी)। ऑनलाइन ऑर्डर लेकर खाना पहुंचाने वाली कंपनी जोमैटो लिमिटेड ने बीते वित्त वर्ष की मार्च में समाप्त चौथी तिमाही 175 करोड़ रुपये का एकीकृत शुद्ध लाभ कमाया है। जोमैटो लिमिटेड ने शेयर बाजार को यह जानकारी दी। इससे पिछले वित्त वर्ष की समान तिमाही में कंपनी को 188 करोड़ रुपये का एकीकृत शुद्ध घाटा हुआ था। समीक्षाधीन अवधि में कंपनी की एकीकृत परिचालन आय 3,562 करोड़ रुपये रही। इससे एक साल पहले की इसी अवधि में यह आंकड़ा 2,056 करोड़ रुपये था। मार्च, 2024 को समाप्त तिमाही में कंपनी का कुल खर्च 3,636 करोड़ रुपये रहा, जो इससे पिछले साल की इसी अवधि में 2,431 करोड़ रुपये था। पूरे वित्त वर्ष 2023-24 में जोमैटो का एकीकृत शुद्ध लाभ 351 करोड़ रुपये रहा, जबकि इससे पिछले वित्त वर्ष में कंपनी को 971 करोड़ रुपये का एकीकृत शुद्ध घाटा हुआ था। वित्त वर्ष 2023-24 में कंपनी की एकीकृत परिचालन आय 12,114 करोड़ रुपये रही।

ऑफिस स्पेस सॉल्यूशंस लिमिटेड का आरंभिक सार्वजनिक निर्गम 22 मई, 2024 को खुलेगा

मुंबई: सीबीआरई रिपोर्ट के अनुसार, भारत में सबसे बड़ी फ्लेक्सिबल वर्कस्पेस सॉल्यूशंस कंपनी, ऑफिस स्पेस सॉल्यूशंस लिमिटेड (कंपनी), 22 मई 2024 को इक्विटी शेयरों का अपना आरंभिक सार्वजनिक निर्गम (ऑफर) खोलने का प्रस्ताव करती है। एंकर निवेशक बोली की तारीख बोली/ऑफर खुलने की तारीख से एक कार्य दिवस पहले है, यानी 21 मई, 2024 को। बोली/ऑफर बंद होने की तारीख 27 मई, 2024 को होगी। प्राइस बैंड 364 प्रति इक्विटी शेयर से 383प्रति इक्विटी शेयर तय किया गया है। न्यूनतम 39 इक्विटी शेयरों के लिए और उसके बाद 39 इक्विटी शेयरों के गुणकों में बोलियां लगाई जा सकती हैं। ऑफर में 1,280.00 मिलियन तक के कुल मिलाकर इक्विटी शेयरों का एक नया इश्यू (ताज़ा इश्यू) और मिलियन तक के कुल मिलाकर 12,295,699 इक्विटी शेयरों (ऑफर किए गए शेयर) तक की बिक्री का प्रस्ताव शामिल है। जिसमें कुल मिलाकर 6,615,586 इक्विटी शेयर शामिल हैं, जो कि पीक पार्टनर्स इन्वेस्टमेंट्स ङ्क (पूर्व में SCI इन्वेस्टमेंट्स के रूप में जाना जाता था) (पीक या प्रमोटर सेलिंग शेयरधारक) द्वारा मिलियन तक है, कुल मिलाकर 5,594,912 इक्विटी शेयर तक बिस्क लिमिटेड द्वारा मिलियन तक और लिंक इन्वेस्टमेंट ट्रस्ट द्वारा मिलियन तक कुल मिलाकर 85,201 इक्विटी शेयर (सामूहिक रूप से, सेलिंग शेयरधारक और बेचने वाले शेयरधारकों द्वारा इक्विटी शेयरों की बिक्री के लिए ऐसे प्रस्ताव, बिक्री के लिए प्रस्ताव) शामिल हैं।

यह ऑफर हमारी कंपनी की पोस्ट-ऑफर प्रदत्त इक्विटी शेयर पूंजी का होगा। ऑफर में पात्र कर्मचारियों द्वारा सदस्यता के लिए 20.00 मिलियन (हमारी कंपनी की पोस्ट ऑफर पेड-अप इक्विटी शेयर पूंजी के तक का गठन) तक कुल मिलाकर इक्विटी शेयरों तक का आरक्षण शामिल है (कर्मचारी आरक्षण भाग)। कर्मचारी आरक्षण भाग को घटाकर इस ऑफर को इसके बाद नेट ऑफर कहा जाएगा। ऑफर और नेट ऑफर हमारी कंपनी की पोस्ट-ऑफर पेड-अप इक्विटी शेयर पूंजी का क्रमशः और होगा।

सैमसंग ने भारत में अगली पीढ़ी के एआई इन्वर्टर कंप्रेसर वाले तीन नए रेफ्रिजरेटर को लॉन्च किया

गुरुग्राम: भारत के सबसे बड़े कंज्यूनमर इलेक्ट्रॉनिक्स ब्रांड सैमसंग ने आज तीन नए रेफ्रिजरेटर को लॉन्च कर दिया है, जो उपभोक्ताओं को उनकी पसंद को जरूरतों के मुताबिक ढालने में मदद करते हुए भारतीय घरों के लिए स्मार्ट लिविंग का विकल्प मुहैया कराते हैं। नए रेफ्रिजरेटर्स सैमसंग की अगली पीढ़ी के आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस-संचालित इन्वर्टर कंप्रेसर से लैस है। एआई इन्वर्टर कंप्रेसर, सैमसंग के नए रेफ्रिजरेटर की बुनियाद है जो बिजली का खर्च कम करेंगे और मोटर और ऊर्जा दक्षता को बेहतर बनाकर पारंपरिक इंटरनल डिजाइन को बिलकुल नए आकार में लेकर सामने आता है। सैमसंग की आठवीं पीढ़ी का कंप्रेसर एआई को सामने लाता है - जो 27 साल पहले पेश किए गए अपने पहले कंप्रेसर के बाद क्रांतिकारी बदलाव का प्रतिनिधित्व करता है । एआई इन्वर्टर कंप्रेसर सेगमेंट-फर्स्ट होने के साथ 20 साल की वारंटी के साथ आता है, जो लंबे समय तक चलने वाले प्रदर्शन और ऊर्जा बचत की गारंटी देता है। नया एआई रेफ्रिजरेटर तीन मॉडल - 809 लीटर 4 डोर फ्लेक्स फ्रेंच डोर बीस्पोक फैमिली हबङ्ग रेफ्रिजरेटर क्लीन चारकोल + स्टेनलेस स्टील कलर में और 650 लीटर 4 डोर कनवर्टिबल फ्रेंच डोर मॉडल्स क्लीन व्हाइट ग्लास फिनिश और ब्लैक कैवियार स्टील फिनिश में आता है। सैमसंग इंडिया में डिजिटल एप्लाएंसेज बिजनेस के सीनियर डायरेक्टर सौरभ बैशाखिया ने कहा, सैमसंग बीस्पोक एआई के साथ घरेलू उपकरणों के नए युग में प्रवेश कर रहा है, जो उच्च दक्षता वाले एआई इन्वर्टर कंप्रेसर से युक्त असाधारण प्रदर्शन वाले रेफ्रिजरेटर की पेशकश कर रहा है। एआई एनर्जी मोड का उपयोग करके उपभोक्ता 10त्न तक की ऊर्जा बचत कर सकते हैं। सैमसंग एआई इन्वर्टर कंप्रेसर और संबंधित तकनीकों को विकसित करने के लिए प्रतिबद्ध है, जिससे यह सुनिश्चित हो सके कि हमारे रेफ्रिजरेटर लंबे समय तक चलने वाली विश्वसनीयता के साथ कम ऊर्जा खपत करें। एआई इन्वर्टर कंप्रेसर एक सामान्य ऑपरेशन के दौरान 35 डीबी/ए से कम शोर करता है, जो एक शांत लाइब्रेरी की तरह है। पारंपरिक फिक्स्ड-स्पीड कंप्रेसर के उलट यह उन्नत तकनीक तापमान में मामूली उतार-चढ़ाव पर तुरंत प्रतिक्रिया देता है।

दैनिक
विश्व परिवार
महानगर

www.dvpnews.in
vishwapariwarraipur@gmail.com

रायपुर, शुक्रवार 17 मई 2024

खनिजों के परिवहन के लिए फिर शुरू हुई ऑनलाइन ई-ट्रांजिट पास व्यवस्था

रायपुर (विश्व परिवार)। छत्तीसगढ़ में कोयला सहित अन्य खनिजों के परिवहन के लिए ऑनलाइन ई-ट्रांजिट पास व्यवस्था की फिर से शुरुआत हुई है. मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने ट्वीटर पर लिखा है कि न कोई गड़बड़ न घोटाला-छत्तीसगढ़ सरकार में ईमानदारी का बोलबाला। मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने आगे लिखा है- हमारा छत्तीसगढ़ भ्रष्टाचार मुक्त बनेगा. कोयला सहित अन्य खनिजों के परिवहन के लिए ऑनलाइन ई-ट्रांजिट पास व्यवस्था की पुनः शुरुआत हुई है।

संक्षिप्त समाचार

राहुल तिवारी को श्री रावतपुरा सरकार यूनिवर्सिटी से मिली पीएचडी की उपाधि

रायपुर (विश्व परिवार)। राहुल तिवारी को श्री रावतपुरा सरकार यूनिवर्सिटी ने पीएचडी की उपाधि प्रदान की है। उन्होंने अपना शोध कार्य पत्रकारिता एवं जनसंचार विभाग के एसोसिएट प्रोफेसर डॉ. संतोष कुमार के निर्देशन में पूरा किया। उनका शोध विषय छत्तीसगढ़ी सिनेमा का बदलता स्वरुप : एक विश्लेष्णात्मक अध्ययन (सामाजिक, सांस्कृतिक एवं आर्थिक सन्दर्भ में) रहा है। राहुल, श्री बसंत तिवारी और श्रीमती रानी तिवारी के पुत्र हैं।

एनटीपीसी कोरबा ने स्वच्छता पखवाड़ा 2024 की शुरुआत के लिए वॉकथॉन का किया आयोजन

कोरबा (विश्व परिवार)। एनटीपीसी कोरबा ने स्वच्छता पखवाड़ा 2024 की शुरुआत के लिए वॉकथॉन का आयोजन किया। एनटीपीसी कोरबा 16 मई से 31 मई 2024 तक स्वच्छता पखवाड़ा मनाएगा। आज पहले दिन के उत्सव की शुरुआत कार्यक्रम के दौरान स्वच्छ और स्वस्थ भारत बनाने के संकल्प के साथ स्वच्छता शपथ के साथ हुई। श्री अर्नब मैत्रा, महाप्रबन्धक (प्रचालन एंड मेंटेनेंस) द्वारा जिसके बाद एनटीपीसी कोरबा टाउनशिप में प्रगति क्लब से सिल्वर जुबली पार्क तक वॉकथॉन का आयोजन किया गया। काफिले में सभी जीएम, वरिष्ठ अधिकारियों के साथ-साथ कर्मचारी भी शामिल थे और अधिकारियों/प्रतिभागियों द्वारा एक प्रतिज्ञा दीवार पर हस्ताक्षर किए गए थे। 16 मई से 31 मई, 2024 तक कार्यक्रमों और गतिविधियों की एक श्रृंखला निर्धारित की गई है, जिसमें सिंगल-यूज़ प्लास्टिक पर अंकुश थीम के साथ स्वच्छता के महत्व पर प्रकाश डाला जाएगा।

एनटीपीसी कोरबा 16 मई से 31 मई 2024 तक मनाएगा स्वच्छता पखवाड़ा

उपमुख्यमंत्री अरुण साव ने संबलपुर लोकसभा क्षेत्र के सुबनपुर में विजय संकल्प रैली को किया संबोधित

केंद्रीय मंत्री धर्मेंद्र प्रधान ने किया संबलपुर का चहुंमुखी विकास, इस बार फिर जिताकर मोदी जी का हाथ मजबूत कीजिए : डिप्टी सीएम अरुण साव

- उपमुख्यमंत्री साव ने कहा- ओडिशा की जनता पैसे और शराब में बिकने वाली नहीं, इस बार विकास के लिए कमल को चुनेगी
- छत्तीसगढ़ की तरह ओडिशा में भी बनाएं डबल इंजन की सरकार, मोदी जी की सभी गारंटी होगी पूरी

रायपुर (विश्व परिवार)। उपमुख्यमंत्री श्री अरुण साव ने गुरुवार 16 मई को ओडिशा के संबलपुर लोकसभा क्षेत्र के सुबनपुर में विजय संकल्प रैली को संबोधित किया। श्री साव ने कहा कि, धर्मेंद्र प्रधान जी ने संबलपुर लोकसभा क्षेत्र का विकास किया है। इस बार फिर उन्हें जिताएं, राष्ट्र निर्माण के लिए पीएम मोदी जी का हाथ मजबूत कीजिए और ओडिशा में भी डबल इंजन की सरकार बनाएं। इससे ओडिशा का चहुंमुखी विकास होगा।

अरुण साव ने कहा कि, मुख्यमंत्री नवीन पटनायक बुजुर्ग हो गए हैं। उन्हें सेवा की जरूरत है। वो अब क्या लोगों की सेवा करेंगे। अधिकारियों के भरोसे सरकार चला रहे हैं। उन्होंने 24 साल से ओडिशा के विकास को रोके रखा है। प्रदेश को दोनों हाथों से लूटा है। इस बार उन्हें घर बिठाए, और रायलाखोल विधानसभा से भाजपा प्रत्याशी देवेंद्र महापात्रा को भारी मतों से जिताएं।

उपमुख्यमंत्री अरुण साव ने कहा कि, छत्तीसगढ़ में पीएम मोदी जी गारंटी पूरी हुई है। यहां भी भाजपा की सरकार बनाएंगे तो किसानों का धान 3100 रुपए

प्रति क्विंटल खरीदेंगे, किसी प्रकार की कटनी छंटनी नहीं होगी। और पैसा 48 घंटे के भीतर किसानों के बैंक खातों में जमा कर दिया जाएगा।

छत्तीसगढ़ में महतारी वंदन योजना के तहत 70 लाख महिलाओं को एक हजार रुपए दे रहे हैं। तीन महीने का पैसा महिलाओं के खाते में भेज दिए हैं। ओडिशा में भी भारतीय जनता पार्टी की सरकार बनाएं, यहां सुभद्रा योजना के तहत 50 हजार रुपए का कार्ड देंगे। जिसे दो साल में खर्च करना होगा। वहीं बुजुर्गों को 3500 रुपए पेंशन देंगे।

अरण साव ने कहा कि, मुख्यमंत्री नवीन पटनायक पैसे से वोट खरीदना चाहते है। पैसे और शराब से वोट खरीदना चाहते है, ये किसका पैसा है। ये जनता को फिर लूटना चाहते हैं। लेकिन यहां की जनता बिकाऊ नहीं है। उपमुख्यमंत्री ने पूछा कि, आपको पांच साल पैसा चाहिए या चुनाव के समय एक दिन पैसा चाहिए। यह आपको तय करना है। उपमुख्यमंत्री श्री साव ने सुबनपुर की जनता से कहा कि, ओडिशा का विकास चाहिए, किसानों का विकास चाहिए, माता और बहनों का सम्मान चाहिए, तो 25 मई को लोकसभा के लिए केंद्रीय मंत्री धर्मेंद्र प्रधान जी को जिताएं। दिल्ली में वो मंत्री बनेंगे तो आपकी सेवा करेंगे। और विधानसभा में देवेंद्र महापात्रा को जिताएं। ओडिशा में भाजपा की और दिल्ली में मोदी जी की सरकार आपकी जीवन में परिवर्तन लाएगी। उपमुख्यमंत्री ने कहा कि, 24 साल से एक ही सरकार बना रहे हैं। बीजेपी को भी एक मौका देकर देखिए। ओडिशा का विकास करेंगे, लोगों के जीवन में परिवर्तन लाएंगे। ओडिशा और छत्तीसगढ़ भाई-भाई है। दोनों प्रदेश मिलकर भारत को विकसित राष्ट्र बनाएंगे।

ओडिशा में बृजमोहन अग्रवाल के रोड शो में उमड़ी भीड़, जनता में जबरदस्त उत्साह

कांटाबांजी के ग्रामीण इलाकों में घर-घर जाकर मांगे वोट, शिक्षा के विकास के लिए भाजपा को जिताने की अपील

रायपुर/कांटाबांजी (विश्व परिवार)। छत्तीसगढ़ के वरिष्ठ मंत्री बृजमोहन अग्रवाल इन दिनों ओडिशा में चुनाव की कमान संभाले हुए हैं। इसी क्रम में गुरुवार को उन्होंने कांटाबांजी के ग्रामीण इलाकों में जनसंपर्क कर भाजपा के लिए वोट मांगे।

मंत्री बृजमोहन अग्रवाल ने तुरेकला, बड़बांकी, गुनेश समेत कई इलाकों में सघन जनसंपर्क अभियान चलाया और घर-घर जाकर भाजपा की नीति और रिति का प्रचार किया। बृजमोहन अग्रवाल को अपने बीच में पाकर ग्रामीणों में खासा उत्साह देखा गया। जगह-जगह ग्रामीणों ने बृजमोहन अग्रवाल का पारंपरिक तरीके से आरती उतार कर और माला पहनाकर स्वागत किया।

इस अवसर पर बृजमोहन अग्रवाल ने भी लोगों का मान रखते हुए उन्हें संबोधित किया। उन्होंने कहा कि नवीन पटनायक सरकार ने 25 सालों से पश्चिम ओडिशा की अनदेखी की है। जिसका नतीजा है की इलाके में सड़क, बिजली, पानी जैसी मूलभूत सुविधाओं का अभाव है साथ ही बेरोजगारी भी यहां की एक बड़ी समस्या है। रोजगार के तलाश में लोग यहां से पलायन कर रहे हैं। पैसों के अभाव में छोटी-मोटी बीमारी होने पर भी गरीबों को इलाज करने में परेशानी होती है।

उन्होंने कहा कि इन्हीं सब समस्याओं से मुक्ति का एकमात्र रास्ता है राज्य में लोकसभा के साथ-साथ विधानसभा में भी भाजपा को बहुमत के साथ लाना है। प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी गरीबों, किसानों, महिलाओं और युवाओं सभी का ख्याल रखते हुए भारत को विकसित देश बनाने का कार्य कर रहे हैं और जिन राज्यों में भाजपा सरकार है वहां भी विकास तेज गति से हो रहा है। राज्य में भाजपा सरकार आने पर गरीबों के लिए पक्का मकान, गैस कनेक्शन, हर घर नल से जल, महिलाओं को ?1000 प्रतिमाह, किसानों को सम्मान निधि और धान का उचित मूल्य युवाओं को स्व रोजगार के लिए आर्थिक सहायता उपलब्ध कराना भाजपा सरकार की प्राथमिकता होगी। छत्तीसगढ़ में जब से भाजपा सरकार बनी है तब से ही यह सभी लाभ वहां की जनता को मिलाने लगे हैं। मोदी जी ने 5 साल की गारंटी को 3 महीना में ही पूरा कर दिया है और छत्तीसगढ़ खुशहाली के रास्ते पर आगे बढ़ रहा है अगर आपको भी उड़ीसा को खुशहाली के रास्ते पर ले जाना है तो उसके लिए एकमात्र विकल्प है भाजपा की सरकार और कमल का फूल।

बृजमोहन अग्रवाल ने यह भी कहा कि कमल का फूल केवल भाजपा का चुनाव चिन्ह नहीं है बल्कि यह सुख, शांति, समृद्धि और खुशहाली की पहचान है। इसलिए आप सभी लोग भाजपा को अपना बहुमूल्य वोट देकर पश्चिम ओडिशा समेत पूरे राज्य में खुशहाली लाने के लिए अपना योगदान दें। आज के रोड शो के दौरान बड़ी संख्या में स्थानीय भाजपा नेता और कार्यकर्ता भी मौजूद है।

ग्रीष्मकालीन में चल रही स्पेशल ट्रेनों में यात्रियों के खान-पान की सुविधा के लिए अधिकृत वेंडर को किया गया निर्देशित

रायपुर (विश्व परिवार)। मई एवं जून महीने में जब स्कूलों की छुट्टियां शुरू होती है, शादी ब्याह एवं त्योहारों का भी समय होता है, ऐसे में स्टेशनों एवं ट्रेनों में यात्रियों की बहूत ज्यादा भीड़-भाड़ होती है। इन सभी को ध्यान में रखकर रेलवे द्वारा रेलयात्रियों की सुविधा के लिए योजनबद्ध तरीके से कार्य किया जाता है। रेल यात्रियों को अधिक से अधिक कनफर्म बर्थ की सुविधा उपलब्ध कराने हेतु स्पेशल ट्रेन एवं महत्वपूर्ण ट्रेनों में अतिरिक्त कोच की सुविधा उपलब्ध कराई जाती है। स्पेशल ट्रेनों में पैंट्रीकार का प्रावधान नहीं रहता है इस हेतु जिन स्टेशनों पर ट्रेन रूकती है उन स्टेशनों के वेंडर को निर्देशित किया जाता है कि वह यात्रियों की सुविधा के अनुसार निर्धारित दरों पर खान-पान की व्यवस्था सुनिश्चित करें ताकि यात्रियों को अपने गंतव्य तक सफर करने में असुविधा न हो। रायपुर रेल मंडल में लगभग 210 से अधिक वेंडर को निर्देशित किया गया है कि वह ट्रेनों में खानपान की व्यवस्था का उचित ध्यान रखें।

स्पेशल ट्रेनों में पैंट्रीकार न होने पर खान पान हेतु अधिकृत वैंडरो की सक्रिय भूमिका

सामान्य श्रेणी के कोच की यात्रियों के लिए सामान्य श्रेणी कोच के सामने किफायती दरों पर भोजन की व्यवस्था रहती हैं यात्रियों के लिए निशुल्क पेयजल हेतु रेलवे स्टेशनों पर प्याऊ की व्यवस्था एवं वाटर कूलर की व्यवस्था की गई है।

एएम/एनएस इंडिया द्वारा चित्रकोंडा सेक्टर के गांवो में शुरू हुआ पशु टीकाकरण

एएम/एनएस इंडिया ने किया मवेशियों का निः शुल्क टीकाकरण एवं उपचार

एएम/एनएस इंडिया द्वारा लगभग 4000 मवेशियों का होगा निः शुल्क टीकाकरण एवं उपचार

रायपुर (विश्व परिवार)। दिनांक 16 मई 2024 को एएम/एनएस इंडिया द्वारा ब्लॉक पशुपालन और पशु चिकित्सा सेवाओं के सहयोग से प्रोजेक्ट सफ़ल के तहत् चित्रकोंडा सेक्टर के पाइपलाइन गांवों में पशु टीकाकरण अभियान की शुरुआत की गई ।जिसके अंतर्गत विभिन्न मवेशियों एवं बकरियों को नि: शुल्क टीकाकरण एवं उपचार प्रदान किया गया।

कार्यक्रम के दौरान एएम/एनएस इंडिया की सीएसआर टीम, ब्लॉक पशु चिकित्सा अधिकारी डॉ.सुजीत दास, और पशुधन निरीक्षकों के साथ ही अन्य ग्रामीणों की उपस्थिति रही।

एएम/एनएस इंडिया के इस शिविर के तहत् चित्रकोंडा सेक्टर के लगभग 4000 मवेशियों का नि:शुल्क टीकाकरण एवं उपचार किया जायेगा।

एएम/एनएस इंडिया कम्पनी लगातार स्थानीय समुदाय के समग्र विकास के लिए कार्य कर रही है। जिसके अंतर्गत स्वास्थ्य सेवाएं, शिक्षा, रोजगार एवं स्पोर्ट्स के क्षेत्र शामिल हैं। एएम/एनएस इंडिया का यह पहल क्षेत्र के पशुपालकों के प्रति अपनी प्रतिबद्धता को दर्शाता है। इस टीकाकरण अभियान का प्रमुख उद्देश्य ग्रामीण क्षेत्रों में पशुधन के स्वास्थ्य में सुधार करना और पशुपालकों की सहायता करना है ।जिसके द्वारा मवेशियों में बीमारियों की रोकथाम हो सके और उनकी उत्पादकता में वृद्धि की जा सके।

वरिष्ठ मंडल वाणिज्य प्रबंधक अवधेश कुमार त्रिवेदी ने टीआई के.के. कुशवाह को प्रशस्ति पत्र देकर किया सम्मानित

रायपुर (विश्व परिवार)। दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे रायपुर रेल मंडल में आज भारतीय रेल यातायात सेवा (IRTS) के अधिकारी श्री अवधेश कुमार त्रिवेदी, वरिष्ठ मंडल वाणिज्य प्रबंधक, दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे रायपुर ने श्री के.के. कुशवाह (टीआई) गुढ़ियारी थाना रायपुर को उनके उत्कृष्ट कार्य के लिए प्रशस्ति पत्र देकर सम्मानित किया। श्री के.के. कुशवाह (टीआई) गुढ़ियारी थाना द्वारा रेलवे स्टाफ श्री हार्दिक दास (एम टी एस) के साथ हुई मारपीट की घटना पर त्वरित संज्ञान लेते हुए उसका फ़ोन दिलवाने में केस को त्वरित समाधान कर उनके कार्य समर्पण के लिए उनकी सराहना की। इस तरह के रेलवे परिसर में सामाजिक अपराधिक गतिविधियों पर त्वरित संज्ञान प्रशंसनीय कार्य हैं। इस अवसर वाणिज्य विभाग के अधिकारी भी उपस्थित रहे।

एम्स के चिकित्सक और पूर्व सैनिक मिलकर सामाजिक जागरूकता के लिए पहल करेंगे

रायपुर (विश्व परिवार)। अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान और छत्तीसगढ़ आर्मी पब्लिक वेलफेयर फाउंडेशन संयुक्त रूप से समाज के विभिन्न वर्गों के उत्थान के लिए कार्य करने को सहमत हो गए हैं। इसके लिए दोनों सामाजिक जागरूकता लाने के लिए पहल करेंगे। फाउंडेशन के अध्यक्ष हरप्रीत सिंह, उपाध्यक्ष विशाल देशमुख, सचिव विजय सिंह और अन्य सदस्यों ने एम्स के कार्यपालक निदेशक लेफ्टिनेंट जनरल अशोक जिंदल (सेवानिवृत्त) के साथ औपचारिक मुलाकात की। इस अवसर पर दोनों ने मिलकर सामाजिक उत्थान के विभिन्न क्षेत्रों में कार्य करने के लिए सहमति व्यक्त की। लेफ्टिनेंट जनरल जिंदल ने बताया कि एम्स में पूर्व सैनिकों को कैशलेस उपचार की सुविधा प्रदान की जा रही है। इसके लिए पृथक व्यवस्था की गई है। इसके साथ ही विशेष सीजीएचएस काउंटर बनाया गया है। इन सभी को एम्स की अत्याधुनिक चिकित्सा सुविधाएं कैशलेस प्रदान की जा रही हैं।

इस अवसर पर फाउंडेशन ने एम्स के विभिन्न विभागों के साथ मिलकर स्वास्थ्य और रक्तदान शिविर लगाने के साथ ही जागरूकता कार्यक्रम भी आयोजित करने का प्रस्ताव दिया जिसे स्वीकार कर लिया गया। इस संबंध में फाउंडेशन के पदाधिकारी विभागाध्यक्षों के साथ मिलकर संयुक्त रणनीति बनाएंगे। इस अवसर पर नमिता हांडा, हरीश चंद्र चौरसिया, गिरजेश सिंह, आरके सोनी, चंद्रमोहन, रजनीश सिंह, संजीव सिंह, विक्रांत कुमार, मनीष कुमार, बीएन प्रजापति, सुनील सिंह आदि भी उपस्थित थे।

रायपुर रेल मंडल में स्थित सुपेला अंडर ब्रिज को जनता की आवाजाही के लिए खोला गया

रायपुर (विश्व परिवार)। आज दिनांक 16 मई 2024 को रायपुर रेल मंडल में स्थित सुपेला अंडर ब्रिज को यात्रियों के लिए आवागमन हेतु खोल दिया गया है। जिसका फायदा स्थानीय नागरिकों को मिलेगा, जी ई मैन रोड को सेक्टर साइड से जोड़ेगा इस अवसर पर मंडल रेल प्रबंधक श्री संजीव कुमार अपर मंडल रेल प्रबंधक (इंफ्रा) एवं मुख्य परियोजना प्रबंधक (गतिशक्ति) श्री आशीष मिश्रा, वरिष्ठ मंडल वाणिज्य प्रबंधक श्री अवधेश कुमार त्रिवेदी, वरिष्ठ मंडल अभियंता यह अंडर ब्रिज समपार फाटक 442 पर बनाया गया है। यह ब्रिज लगभग 32 करोड़ की लागत से बनाया गया वाय शेप ब्रिज हैं। 140 मीटर लंबा जी ई साइड 85 मीटर सेक्टर साइड दुर्ग एंड पर एवं 95 मीटर सेक्टर साइड पॉवर हाउस साइड एवं चौड़ाई 8.5 मीटर हैं।

मुख्यमंत्री को उद्योग मंत्री ने लिखा पत्र, सीएसआर मद को राज्य सरकार के माध्यम से खर्च करने का किया आग्रह

रायपुर (विश्व परिवार)। छत्तीसगढ़ के मुख्यमंत्री विष्णुदेव को उद्योग और श्रम मंत्री लखनलाल देवांगन ने सीएसआर मद के व्यय को लेकर पत्र लिखा है। उन्होंने पत्र के माध्यम से सीएसआर मद का व्यय और निर्माण कार्य को राज्य सरकार द्वारा संपादित करने और केंद्र सरकार से समन्वय बनाने के लिए सीएम साय से आग्रह किया है।

ज्ञात हो कि छत्तीसगढ़ में अभी सीएसआर राशि के व्यय पर राज्य शासन का अधिकार नहीं है। पिछले विधानसभा सत्र में कई विधायकों ने सीएसआर राशि के व्यय पर सवाल भी लगाए थे।

उद्योग मंत्री ने मुख्यमंत्री साय को पत्र में लिखा- पिछले विधानसभा सत्र के दौरान कई विधायकों के माध्यम से उद्योगों के लाभ से सृजित होने वाली सीएसआर (कॉर्पोरेट सामाजिक उत्तरदायित्व) मद से होने वाले कार्यों की जानकारी शासन से मांगी गई थी, छत्तीसगढ

शासन स्तर पर सीएसआर मद और निर्माण में व्यय करने संबधी किसी भी प्रकार के नियम व अधिकार शामिल नहीं होने के कारण उद्योग विभाग द्वारा न कोई कार्य संपादित किया जा रहा है, और न ही सीएसआर से होने वाले व्यय की समीक्षा व सही जानकारी प्राप्त हो पा रही है।

उन्होंने मुख्यमंत्री साय का ध्यान आकर्षित करते हुए आग्रह किया है कि सीएसआर का व्यय शासन स्तर पर किया जाए, तो उद्योगों से प्रभावित लोगों की मूलभूत सुविधाओं में वृद्धि हो पाएगी, साथ ही पर्यावरण को हो रहे नुकसान की भरपाई की जा सकती है।

श्रम एवं उद्योग मंत्री देवांगन ने सीएसआर मद से होने वाले व्यय व निर्माण कार्य राज्य शासन से संपादित करने और इस संबंध में स्पष्ट नीति नियम बनाने, भारत शासन से आवश्यक समन्वय करने का आग्रह किया है।

हेलमेट एवं सीट बेल्ट लगाने यातायात पुलिस चला रही फालो गुड हेबिटस अभियान

रायपुर (आरएनएस)। जितेन्द्र शुक्ला, पुलिस अधीक्षक दुर्ग के निर्देश पर वाहन चालको को वाहन चालन के दौरान हेलमेट एवं सीट बेल्ट लगाने हेतु जागरूक करने दिये गये निर्देश के परिपालन में सतीष ठाकुर, संदानंद विध्यराज उप पुलिस अधीक्षक (यातायात) के नेतृत्व में यातायात पुलिस दुर्ग द्वारा चलाये जा रहे फॉलो गुड हेबिटस अभियान के तहत 21डे चैलेंज की जानकारी से यातायात जागरूकता कार्यक्रम के माध्यम से दी जा रही है। उक्त अभियान में बताया गया कि यदि आप 21 दिन तक लगातार दो पहिया वाहन चालन के दौरान हेलमेट लगाने और चार पहिया वाहन चालन के दौरान सीट बेल्ट लगाते हो तो 22वें दिन से वे आपके अच्छी आदत में सुमार हो जायेगा इसके पश्चात आप बिना हेलमेट एवं बिना सीट बेल्ट लगाये वाहन चलाते है तो आपको स्वयं असुरक्षित एवं असुविधाजनक महसूस होता है और आपके अंदर एक अच्छी आदत सुमार हो जाती है।

प्रकाशक, मुद्रक, स्वामी प्रियेश कुमार जैन द्वारा मे. विश्व परिवार इंडस्ट्रीज, प्लॉट नं.-421 सेक्टर-सी, सड़क नं.-7 उरला इंडस्ट्रीयल एरिया उरला, रायपुर (छ.ग.) से मुद्रित एवं ओलंपस जिम के पीछे, सेक्टर-1, शंकर नगर रायपुर (छ.ग.) से प्रकाशित। संपादक : प्रदीप कुमार जैन, फोन नं. : 0771- 4017966, मो.- 9981924252 RNI.NO.CHHHIN/2013/50354